THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 234 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) मार्गशीर्ष अमावस्या 2082 गुरुवार, 20 नवंबर-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

'भारत छोड़कर भाग सकते हैं अल-फलाह ग्रुप के चेयरमैन जवाद अहमद'

ईडी ने अदालत को बताया क्यों जरूरी है गिरफ्तारी?

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को अल-फलाह समूह के अध्यक्ष जवाद अहमद सिद्दीकी को 13 दिनों के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत में भेज दिया। ईडी ने अदालत को बताया कि सिद्दीकी के पास भारत से भागने की कई वजह कारण हैं क्योंकि उसके परिवार के करीबी सदस्य खाड़ी देशों में बसे हुए हैं। सिद्दीकी को ईडी ने मंगलवार रात को अल-फलाह यूनिवर्सिटी समूह के खिलाफ दिनभर की छापेमारी के बाद गिरफ्तार किया था।

'श्री सत्य साई बाबा का जन्मशताब्दी समारोह दिव्य वरदान है'

* पीएम मोदी ने 100 रुपए का स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया * एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय ने पीएम मोदी के पैर छुए-सचिन तेंदुलकर भी शामिल हुए

पुट्टपर्थी, 19 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को आंध्रप्रदेश के पुट्टपर्थी में सत्य साई बाबा के शताब्दी समारोह कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कहा-श्री सत्य साई बाबा का यह जन्म शताब्दी वर्ष हमारी पीढ़ी के लिए सिर्फ एक उत्सव नहीं, बल्कि एक दिव्य वरदान है।

आगे पीएम ने कहा कि आज भले ही वें हमारे बीच दैहिक स्वरूप में नहीं हैं, लेकिन उनकी शिक्षा, उनका प्रेम, उनकी सेवा भावना आज भी करोड़ों लोगों का मार्गदर्शन कर रही हैं। उनकी शिक्षा का प्रभाव लोगों के बीच दिखता है।

पीएम मोदी ने कहा कि श्री सत्य साई बाबा का संदेश केवल पुस्तकों, प्रवचनों और आश्रमों की सीमाओं में नहीं रहा है। उनकी शिक्षा का प्रभाव लोगों के बीच दिखता है। आगे कहा कि आज भारत के शहरों से लेकर छोटे गांवों तक, स्कूलों से लेकर आदिवासी बस्तियों तक, संस्कृति, शिक्षा और चिकित्सा सेवा का एक अद्भुत प्रवाह दिखाई देता है। बाबा के करोड़ों अनुयायी बिना किसी स्वार्थ के इस काम में लगे हैं। मानवसेवा ही माधव सेवा है, ये बाबा के अनुयायियों के सबसे बड़ा आदर्श है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सत्य

साई बाबा का जीवन वसुधैव कुटुम्बकम का जीवंत स्वरूप था। इसलिए उनका जन्म शताब्दी वर्ष हमारे लिए महापर्व बन गया है। आज इस अवसर पर 100 रुपए का स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया गया है। इस सिक्के और टिकट में उनके सेवा कार्यों का प्रतिबिंब है। पीएम मोदी ने कहा-सत्य साई बाबा के चरणों में नमन करना और आशीर्वाद प्राप्त करने का अनुभव हृदय को भर देता है। उनका जन्म शताब्दी वर्ष हमारे लिए केवल एक उत्सव नहीं बल्कि एक दिव्य वरदान है। आज भले ही हमारे बीच नहीं है, लेकिन उनकी शिक्षा, प्रेम, सेवा भावना आज भी करोड़ों लोगों का मार्गदर्शन कर रही है। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने 100 रुपए का स्मारक सिक्का और डाक टिकट भी जारी किया। इससे पहले मोदी सत्य साई बाबा का मंदिर और समाधि पर पहुंचे। यहां उन्होंने पूजा-पाठ की।

जन्म शताब्दी इवेंट में सीएम मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू, डिप्टी सीएम पवन कल्याण, एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय और पूर्व क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर भी पहुंचे। इस दौरान ऐश्वर्या ने पीएम मोदी के पैर छुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश में पिछले 11 वर्ष में ऐसी अनेक योजनाएं शुरू हुई हैं, जिन्होंने नागरिकों की सामाजिक सुरक्षा को बहुत मजबूत कर दिया है और देश के गरीब, वंचित निरंतर सोशल सिक्योरिटी के दायरे में आ रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि 2014 में देश में 25 करोड़ लोग ही सोशल सिक्योरिटी के दायरे में थे। आज मैं बड़े संतोष के साथ बाबा के चरणों में बैठकर कहता हूं, आज ये संख्या करीब 100 करोड़ तक पहुंच चुकी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत सरकार ने 10 साल पहले बेटियों की शिक्षा को ध्यान में रखते हुए, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए सुकन्या समृद्धि योजना शुरू की थी। उन्होंने आगे कहा कि ये देश की उन योजनाओं में से एक है, जिसमें 8.27 का सबसे ज्यादा इंटरेस्ट हमारी बेटियों को मिलता है। अब तक देश की 4 करोड़ से ज्यादा बेटियों के खाते सुकन्या समृद्धि योजना के अंतर्गत खोले जा चुके हैं। अब तक इन बैंक खातों में सवा 3 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि जमा कराई जा चुकी है।

अल फलाह यूनिवर्सिटी के 10 लोग लापता

दिल्ली ब्लास्ट से जुड़े होने का शक, जैश और आत्मघाती हमले के लिए पाक एप पर चंदा मांग रहा

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में लाल किला के पास हुए कार ब्लास्ट के बाद हरियाणा के फरीदाबाद में स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी एक बार फिर शक के घेरे में है। यूनिवर्सिटी से जुड़े 10 लोग दिल्ली ब्लास्ट के बाद से लापता हैं। उनके फोन भी बंद है। एजेंसी को शक है कि ये सभी ब्लास्ट में शामिल हो सकते हैं, जो ग्राउंड वर्कर का काम कर रहे थे।

उधर आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद ने भारत पर और आत्मघाती हमले के लिए फंड जुटाना शुरू कर दिया है। जैश ने 6400 रुपए का फंड मांगा है। ये पैसे पाकिस्तान के एक ऑनलाइन पेमेंट एप के जरिए इकठ्ठे किए जा रहे हैं। इन पैसों से आतंकियों के लिए जूते और कपड़े खरीदे जाएंगे। वहीं जांच एजेंसियों ने खुलासा किया कि लाल किले के सामने विस्फोटक से भरी कार उड़ाने वाला आतंकी डॉ. उमर नबी अपने जैसे कई और सुसाइडल बॉम्बर तैयार करने की साजिश रच रहा था। इसके लिए वह लगातार वीडियो बनाकर युवाओं को भेजता था, ताकि उनका ब्रेनवॉश किया जा सके। एनआईए सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों के मोबाइल फोन में डॉ. उमर के 12 वीडियो समेत 70 से ज्यादा वीडियो मिले हैं। ऐसे ही वीडियो 11 लोगों को भेजे गए थे। इनमें से 7 युवा कश्मीरी मूल के बताए जा रहे हैं और सभी का अल-फलाह यूनिवर्सिटी से लिंक मिला है। बाकी 4 युवा उत्तर प्रदेश, केरल और कर्नाटक के रहने वाले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि आमिर रशीद अली, जिसने उमर नबी को I-20 कार दिलवाई थी, खुद सुसाइड बॉम्बर बनने को तैयार नहीं था। इसके बाद उमर ने उसे भी ऐसे ही ब्रेनवॉश करने वाले वीडियो भेजे थे। एजेंसियों को शक है कि उमर नबी एक पूरी फिदायीन टीम तैयार कर रहा था और उसका टारगेट कई राज्यों के युवा थे।

राहुल के खिलाफ 272 रिटायर्ड जजों-अफसरों का लेटर

ईसी की छवि बिगाड़ रही कांग्रेस, राहुल वोट चोरी पर 3 प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुके

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग पर लग रहे वोट चोरी के आरोपों पर देशभर के 272 रिटायर्ड जजों और ब्यूरोक्रेट्स ने बुधवार को एक ओपन लेटर जारी किया है। इसमें लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की आलोचना की गई है।

लेटर में 16 पूर्व जज, 123 सेवानिवृत्त ब्यूरोक्रेट (14 पूर्व राजदूत सहित) और 133 रिटायर्ड सैन्य अधिकारियों के सिग्नेचर हैं। इन रिटायर्ड जजों और ब्यूरोक्रेट्स ने ओपन लेटर में आरोप लगाया है कि कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्थाओं की साख कमजोर करने की कोशिश कर रही है। इससे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अनावश्यक अविश्वास फैलता है। लेटर में यह भी कहा गया कि चुनाव आयोग भारत की चुनाव प्रणाली का सबसे अहम स्तंभ है। उस पर बार-बार सवाल उठाने से जनता का भरोसा कमजोर होता है और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचता है। राजनीतिक मतभेद जरूरी हैं, लेकिन संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार आरोप लगाना देशहित के खिलाफ है। दरअसल, राहुल गांधी चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप में अब तक तीन प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुके हैं। उन्होंने आयोग को मोदी सरकार की बी टीम भी कहा था। भाजपा के साथ वोट चोरी करने का आरोप लगाया था। पहले सेना, फिर न्यायपालिका और संसद पर सवाल उठाए गए, और अब चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। यह एक खतरनाक चलन बन गया है, जिसमें चुनावी हार को छिपाने के लिए संस्थाओं की साख पर हमला किया जा रहा है। राहुल गांधी चुनाव आयोग पर वोट चोरी का आरोप लगाया, उसे गद्दारी तक कहा और अधिकारियों को धमकाया, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने कोई आधिकारिक शिकायत या हलफनामा पेश नहीं किया। यह सिर्फ राजनीतिक नाराजगी है, जिसका कोई ठोस आधार नहीं है। जब विपक्षी पार्टियां जीतती हैं, तब चुनाव आयोग पर कोई आरोप नहीं लगता, लेकिन हार मिलते ही आयोग को दोषी ठहराना शुरू हो जाता है।

भागवत बोले-भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करना जरूरी नहीं

देश पर गर्व करने वाला हर व्यक्ति हिंदू-यह शब्द धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपरा

गुवाहाटी, 19 नवंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- भारत और हिंदू एक ही हैं। भारत को हिंदू राष्ट्र घोषित करने की कोई जरूरत नहीं है। हमारी सभ्यता पहले से ही इसे जाहिर करती है। गुवाहाटी में एक कार्यक्रम के दौरान भागवत ने कहा कि जो भी भारत पर गर्व करता है, वह हिंदू है। हिंदू सिर्फ धार्मिक शब्द नहीं बल्कि एक सभ्यता गत पहचान है, जो हजारों साल की सांस्कृतिक परंपरा से जुड़ी है। आरएसएस चीफ सोमवार को तीन दिवसीय यात्रा के लिए असम की राजधानी गुवाहाटी पहुंचे। वे 20 नवंबर को मणिपुर के लिए रवाना होंगे। असम में डेमोग्राफिक चेंज पर मोहन भागवत ने कहा- हमें आत्मविश्वास, सतर्कता और अपनी जमीन-संस्कृति से मजबूत लगाव रखना चाहिए। साथ ही कहा कि समाज के सभी वर्गों को मिलकर निस्वार्थ भाव से काम करना चाहिए।

पूर्वोत्तर को उन्होंने भारत की एकता में विविधता का बेहतरीन उदाहरण बताया। कहा कि लचित बोरफुकन और श्रीमंत शंकरदेव जैसे व्यक्तित्व सिर्फ क्षेत्रीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय महत्व रखते हैं।

'अंग प्रत्यारोपण पर राष्ट्रीय नीति और समान नियम बनाएं'

> केंद्र को सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। देश में अंग दान और प्रत्यारोपण की प्रक्रिया अब एक नए मोड़ पर पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को केंद्र सरकार को कई अहम निर्देश देते हुए कहा कि पूरे देश में एक जैसी नीति और एक जैसे नियम बनाए जाएं, ताकि अंग दान की प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और तेज हो सके। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह आदेश भारतीय सोसायटी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांटेशन की एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया।

कोर्ट ने कहा कि, आंध्र प्रदेश को 2011 के मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम में हुए संशोधनों को अपनाने के लिए केंद्र उन्हें राजी करे। वहीं कर्नाटक, तमिलनाडु और मणिपुर जैसे राज्यों को तुरंत मानव अंगों और ऊतकों के प्रत्यारोपण के नियम, 2014 लागू करने को कहा जाए, क्योंकि अभी वे अपने अलग-अलग नियमों पर चल रहे हैं। कोर्ट का कहना था कि अलग-अलग राज्यों के अलग मानदंड मरीजों और दाताओं, दोनों के लिए असमानता पैदा करते हैं।

सभी के लिए समान नियम, भेदभाव पर रोक

पीठ ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह एक राष्ट्रीय नीति तैयार करे, जिसमें, अंग आवंटन के लिए एक समान मॉडल नियम, लिंग और जाति आधारित भेदभाव को खत्म करने के उपाय और पूरे देश के लिए एक-सी दाता मानदंड शामिल हो। याचिकाकर्ता ने अदालत से कहा था कि अभी देश में ऐसा कोई एकीकृत राष्ट्रीय डेटाबेस नहीं है, जहां दाता और मरीजों की जानकारी एक जगह उपलब्ध हो। इससे प्रक्रिया धीमी पड़ती है और अमीर-गरीब के बीच खाई और चौड़ी होती जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि आज भी 90% प्रत्यारोपण निजी अस्पतालों में होते हैं, जबकि सरकारी अस्पतालों की भागीदारी बहुत कम है।

मणिपुर, नागालैंड, अंडमान-निकोबार और लक्षद्वीप जैसे राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में अभी तक राज्य अंग एवं ऊतक प्रत्यारोपण संगठन (एसओटीओ) ही नहीं है। कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया कि वह राज्यों से बात कर इन संस्थाओं की स्थापना करे, ताकि हर राज्य में अंग दान की प्रणाली मजबूत हो सके।

छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश बॉर्डर पर 7 नक्सली ढेर

नक्सलियों के टॉप लीडर देवजी के मारे जाने की खबर कल यहीं हिड़मा मारा गया था-डोंगरगढ़ में जवान शहीद

जगदलपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़-आंध्रप्रदेश बॉर्डर पर सुरक्षाबलों ने 7 नक्सलियों को मार गिराया है। इनमें तीन महिला नक्सली भी शामिल हैं। पोलित ब्यूरो मेंबर और नक्सल महासचिव देवजी के मारे जाने की भी खबर है। सभी के शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। 4 नक्सलियों की पहचान हो चुकी है, तीन की पहचान की जा रही है। 18 नवंबर की सुबह जिस जगह पर नक्सली लीडर हिड़मा मारा गया था, उसी इलाके में फिर से सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। सुरक्षा एजेंसियों को देवजी की मौजूदगी के इनपुट मिले थे। इसके बाद जवानों को इलाके में भेजा गया था।

इसी इलाके में एक दिन पहले हिड़मा, उसकी पत्नी सहित 6 नक्सलियों को ढेर किया गया था। फिलहाल सुरक्षाबल आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले के मारेडुमिल्ली के घने जंगलों में मौजूद हैं और सर्च ऑपरेशन जारी है। वहीं, डोंगरगढ़ के बोरतलाव क्षेत्र के जंगल में भी सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में एमपी पुलिस एक जवान शहीद हो गया। गोली लगने से घायल एएसआई आशीष शर्मा को डोंगरगढ़ अस्पताल लाया गया था। बता दें कि छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की पुलिस टीम इलाके में जॉइंट ऑपरेशन चला रही है। छत्तीसगढ़-आंध्र प्रदेश बॉर्डर पर मरेडमिल्ली जंगल में 18 नवंबर की सुबह मुठभेड़ में माड़वी हिड़मा मारा गया। हिड़मा देश के सबसे खतरनाक नक्सल कमांडरों में शामिल था। इसके साथ ही उसकी पत्नी राजे उर्फ रजक्का और 4 अन्य नक्सलियों भी इस एनकाउंटर में मारे गए।

भारत का सबसे अमीर जिला रंगारेड्डी

> यहां के लोग साल में 11 लाख से भी ज्यादा कमाते हैं?

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हर साल आम बजट से पहले इकॉनोमिक सर्वे या आर्थिक समीक्षा जारी किया जाता है। इस साल बजट पहले आए आर्थिक समीक्षा (2024-25) के अनुसार, तेलंगाना का रंगारेड्डी जिला प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद के मामले में भारत का सबसे अमीर जिला बन गया है।

इकॉनोमिक सर्वे के मुताबिक, भारत का सबसे अमीर जिला तेलंगाना का रंगारेड्डी है। इस अमीर जिले की प्रति व्यक्ति जीडीपी करीब 11.46 लाख रुपये है। इस सूची में अन्य जिलों में हरियाणा का गुड़गांव या गुरुग्राम, कर्नाटक का बेंगलुरु अर्बन, उत्तर प्रदेश का गौतम बुद्ध नगर (नोएडा), हिमाचल प्रदेश का सोलन, गोवा का उत्तर और दक्षिण गोवा, सिक्किम का गंगटोक, नामची, मंगन और ग्यालशिंग, कर्नाटक का दक्षिण कन्नड़ (मंगलौर) जिला, महाराष्ट्र का मुंबई और गुजरात क अहमदाबाद जिला शामिल है। ये आंकड़े और रैंकिंग इकोनामिक सर्वे 2024-25 से व्यापक रूप से रिपोर्ट किए गए हैं और विभिन्न मीडिया आउटलेट्स द्वारा संकलित किए गए हैं।

देश का सबसे अमीर जिला रंगारेड्डी

रंगारेड्डी जिले ने लगभग 11.46 लाख रुपये प्रति व्यक्ति जीडीपी के साथ सूची में पहला स्थान हासिल किया है। इस जिले को आईटी सेक्टर, मशहूर टेक पार्क, बायोटेक और फार्मास्युटिकल कंपनियों जैसे उद्योगों से काफी फायदा हुआ है। बेहतर कनेक्टिविटी भी एक अहम वजह है। इन सभी कारकों ने मिलकर जिले की इस सफलता में योगदान दिया है। यह कहना गलत नहीं होगा कि रंगारेड्डी महानगरीय समेकन का एक बेहतरीन उदाहरण है, जो अर्थशास्त्र के सिद्धांतों को सच साबित करता है। महानगरीय समेकन का मतलब है कि जब कई शहर या कस्बे एक-दूसरे के करीब आकर एक बड़े शहरी क्षेत्र का निर्माण करते हैं, जिससे आर्थिक गतिविधियां बढ़ती हैं।

चुनाव आयोग बोला-एसआईआर में चूक पर अधिकारी जिम्मेदार होंगे

दिसंबर तक डेडलाइन, दबाव से परेशान बीएलओ राजस्थान-एमपी और केरल में 3 सुसाइड कर चुके

नई दिल्ली/कोलकाता, 19 नवंबर (एजेंसियां)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित क्षेत्रों में वोटर लिस्ट का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) चल रहा है। पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग ने मंगलवार को कहा कि एसआईआर के दौरान किसी भी तरह की चूक पाए जाने पर अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाएगा। एक अधिकारी के अनुसार, उप चुनाव आयुक्त ज्ञानेश भारती ने कोलकाता में समीक्षा बैठकों की अध्यक्षता करते हुए यह बयान दिया। मुख्य चुनाव अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल भी इन बैठकों में मौजूद थे। बंगाल में 18 नवंबर की शाम 6 बजे तक 7.63 करोड़ गणना फॉर्म बांटे जा चुके हैं। कुल 1.09 करोड़ फॉर्म डिजिटल किए जा चुके हैं।

दूसरी तरफ, केरल, राजस्थान, मध्य प्रदेश में एक-एक बूथ लेवल ऑफिसर आत्महत्या कर चुके हैं। पश्चिम बंगाल में एक बीएलओ ने आत्महत्या की धमकी दी है। मंगलवार को तमिलनाडु के तंजावुर में एक आंगनवाड़ी सेविका ने जान देने की कोशिश की। इनके परिवारों और अन्य अधिकारियों ने अत्यधिक काम के दबाव का आरोप लगाया है। कई बीएलओ का आरोप है कि काम के लंबे घंटे और दिसंबर तक की डेडलाइन ने उन्हें थका दिया है। कई राज्यों में बीएलओ ने बहिष्कार किया है। आयोग अब अधिकारियों के कार्यभार और जवाबदेही को लेकर सवालों का सामना कर रहा है। चुनाव आयोग ने मंगलवार को बताया कि 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों के 51 करोड़ मतदाताओं में से 50.25 करोड़ से ज्यादा एसआईआर फॉर्म बंट गए हैं। लोग फॉर्म भरने के बाद उसे वापस जमा करते हैं।

थाईलैंड से लाए गए 125 भारतीय घोटालेबाजों के चक्कर में फंस पहुंचे थे म्यांमार

बैंकॉक, 19 नवंबर (एजेंसियां)। 125 भारतीय नागरिकों को इंडियन एयरफोर्स (आईएएफ) का विशेष विमान बुधवार को थाईलैंड के माई सौत से लेकर स्वदेश पहुंचा।

ये लोग म्यांमार के साइबर ठगी केंद्र से भागकर थाईलैंड पहुंचे थे। बैंकॉक, 19 नवंबर (आई एएनएस)। 125 भारतीय नागरिकों को इंडियन एयरफोर्स (आईएएफ) का विशेष विमान बुधवार को थाईलैंड के माई सौत से लेकर स्वदेश पहुंचा। ये लोग म्यांमार के साइबर ठगी केंद्र से भागकर थाईलैंड पहुंचे थे। ये लोग म्यांमार के साइबर ठगी केंद्र म्यावाडी से भागकर थाईलैंड पहुंचे थे। थाई अधिकारियों ने इन पर जुर्माना लगाया और कई सामान जब्त किए। इसके साथ ही भारत सरकार 1500 लोगों को वहां से निकालने में कामयाब हुई है।

एसआईआर अभियानों के बीच अवैध बांग्लादेशियों का सीमा पार कर लौटना जारी

कोलकाता, 19 नवंबर (एजेंसियां)। भारत की सीमाओं की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने कहा है दक्षिण बंगाल में भारत-बांग्लादेश सीमा पार करने की कोशिश कर रहे अवैध बांग्लादेशी नागरिकों की संख्या हाल ही के हफ्तों में तेजी से बढ़ी है। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, यह बढ़ोतरी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान से जुड़ा दिख रहा है।

बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक, उत्तर 24 परगना और मालदा जिले के बिना बाड़ वाले इलाकों से अपने देश लौटने की कोशिश कर रहे बिना दस्तावेज वाले बांग्लादेशी नागरिकों का लौटना पिछले दो वर्षों की तुलना में कई गुना बढ़ता दिखा है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने न्यूज एजेंसी पीटीआई को बताया कि पहले ऐसे मामलों की गिनती रोजाना दहाई आंकड़ों तक भी मुश्किल से पहुंचती थी। हालांकि, अब रोज के आंकड़े लगातार तीन अंकों में हैं। उन्होंने बताया कि कुछ रिपोर्ट्स में लगभग 500 रोजाना ऐसे मामलों की बात कही गई है, लेकिन वास्तविक तौर पर यह थोड़ी कम है। लगभग 100, 150 या उससे कुछ ज्यादा। उन्होंने कहा, कहा जा सकता है कि आंकड़ा तीन अंकों में है।

बीएसएफ पर बढ़ा दबाव

अवैध बांग्लादेशियों के अचानक सीमा पार कर लौटने की घटनाएं सामने आने की वजह से बीएसएफ और राज्य पुलिस पर दबाव बढ़ गया है। दरअसल, हर पकड़े गए व्यक्ति की बायोमेट्रिक जांच, पूछताछ और दोनों देशों के रिकॉर्ड के आधार पर आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच करनी होती है। अधिकारी ने कहा, "हम यह नहीं मान सकते कि अवैध रूप से पार करने वाला हर व्यक्ति केवल मजदूर है। वह यहां अपराध करके भाग रहा हो सकता है या कोई कट्टरपंथी या आतंकी तत्व भी हो सकता है।" बता दें कि बायोमेट्रिक विवरण डेटा रिपॉजिटरी से मिलाए जाते हैं और किसी भी रेड फ्लैग पर पुलिस को दखल देना होता है। एक और अधिकारी ने बताया, "अगर कोई आपराधिक पहलू सामने आता है तो उन्हें राज्य पुलिस को सौंप दिया जाता है। लेकिन अगर वे केवल बिना दस्तावेज के रहने वाले नागरिक हैं जो अब वापस लौटना चाहते हैं, तो हम बीजीबी (बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश) से संपर्क कर प्रक्रिया पूरी करते हैं। बीजीबी सहमत होती है तो उन्हें औपचारिक रूप से वापस भेजा जाता है, वर्ना अलग प्रक्रिया अपनाई जाती है।"

बीएसएफ का दावा

अधिकारियों ने कहा कि लगभग सभी सीमा पार करने की कोशिश करने वालों के पास वैध पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज नहीं होते। एक अधिकारी ने कहा, "केवल वही लोग अवैध तरीके से पार करने की कोशिश करते हैं, जिनके पास कोई दस्तावेज नहीं होता। कई लोग वर्षों पहले रोजगार के लिए आए थे, ज्यादा रुके और अब एसआईआर या पुलिस सत्यापन से डर रहे हैं।"

एसआईआर के बाद से दिखने लगी बढ़ी संख्या

उन्होंने बताया कि भारी संख्या के कारण व्यावहारिक चुनौतियां पैदा हो रही हैं। "हजारों लोगों को लंबे समय तक रोक कर रखना मुमकिन नहीं है। अगर जांच में कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं मिलता, तो बीजीबी के साथ समन्वय कर उन्हें वापस भेजना ही सबसे ठीक विकल्प है।" इसे लेकर ज्यादा अनुमान बताने वाली मीडिया रिपोर्ट्स पर उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर के आकलन अक्सर अनौपचारिक सूचनाओं पर आधारित होते हैं और बढ़ा-चढ़ाकर बताए जाते हैं।

उन्होंने कहा, "संख्या बड़ी है, लेकिन 500 जितनी नहीं। हां, तीन अंकों में स्थिर है।" अधिकारी के अनुसार यह बढ़ोतरी लगभग उसी समय शुरू हुई जब कई राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया शुरू हुई। उन्होंने कहा, "एसआईआर और पुलिस सत्यापन ने लंबे समय से बिना दस्तावेज के रह रहे लोगों में चिंता बढ़ा दी है।

आईपीएस सुसाइड के गवाह गनमैन की शिकायत झूठी ठहराई

चंडीगढ़, 19 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई. पूरन कुमार सुसाइड केस के अहम गवाह गनमैन सुशील कुमार को जेल में धमकी मिलने के मामले में जांच पूरी हो गई है। जांच में सुशील कुमार को रोहतक जेल में धमकाने के आरोपों को खारिज कर दिया गया है।

जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि गनमैन की बैरक के अन्य कैदियों के साथ टीवी के वॉल्यूम बढ़ाने को लेकर लड़ाई हुई थी। सुशील कुमार की पत्नी सोनी देवी ने रोहतक की सुनारिया जेल में पति को धमकियां मिलने का आरोप लगाया था। जिसके बाद 4 नवंबर को सुशील कुमार को रोहतक से अंबाला जेल शिफ्ट कर दिया गया था। इसके बाद डीजी जेल ने पूरे मामले की जांच करवाई।

खबरे जरा हटके

'एक गलती और सब खत्म', दुनिया का 'सबसे डरावना' एयरपोर्ट

जहां प्लेन उतारने में कांप जाते थे पायलट!

आज हम आपको एक ऐसे एयरपोर्ट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे 73 सालों से सबसे डरावना माना जाता था. इस हवाई अड्डे पर प्लेन उतारने में अनुभवी पायलट्स का कलेजा भी कांप जाता था. यह एयरपोर्ट हॉन्ग-कॉन्ग में है. इतिहास में कुछ जगहें ऐसी होती हैं, जिनकी कहानी रोमांच, खतरे और असाधारण कौशल से भरी होती है. काई टाक एयरपोर्ट भी उन्हीं में से एक था, जिसे 73 साल तक दुनिया का 'सबसे डरावना' एयरपोर्ट माना जाता था. यह एयरपोर्ट पायलटों के लिए किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं था, जहां एक छोटी सी गलती में सबकुछ खत्म हो सकता था. अनुभवी पायलट्स भी लैंडिंग से पहले कांप जाते थे. आज भले ही यह जगह एक शांत क्रूज टर्मिनल में बदल चुकी हो, लेकिन इसकी खौफनाक विरासत आज भी कायम है. बता दें कि यहां जहाजों को उतारने के लिए पायलटों को इमारतों को छूते हुए आखिरी पल में 47 डिग्री का असंभव-सा मोड़ लेना पड़ता था, जिसे देखकर यात्रियों के होश उड़ जाते थे. इतना ही नहीं, विमान में बैठे अनगिनत यात्रियों ने इस भयानक लैंडिंग के दौरान डर के मारे अपनी सीट की आर्मरेस्ट को कसकर पकड़ा होगा. लैंडिंग के समय विमान आवासीय इमारतों के इतने करीब से गुजरते थे कि खिड़की से झांकने पर ऐसा लगता था कि आप उन घरों के अंदर किचन में क्या पक रहा है, वो भी देख सकते हैं. स्थानीय लोगों के लिए यह एयरपोर्ट एक सिरदर्द बन गया था. विमानों के इंजन की आवाज इतनी तेज होती थी कि लोगों को बातचीत रोकनी पड़ती थी. कपड़े सुखाने वाली लाइनों से कपड़े उड़ जाते थे और छत के पंखे हिलने लगते थे. इस एयरपोर्ट का सबसे कुख्यात हिस्सा 'हॉन्ग-कॉन्ग टर्न' था, जहां पायलटों को आखिरी क्षण में अपने जंबो जेट को 47 डिग्री दाहिनी ओर मैन्युअल रूप से मोड़ना पड़ता था.

78 साल पीछे चला गया बच्चा, साथ ले गया ऐसी चीज, देखते ही रहे लोग

सोशल मीडिया पर एक पुरानी ब्लैक एंड व्हाइट फोटो ने हंगामा मचा दिया है. ये 1941 की तस्वीर है, जिसमें एक बच्चा हाथ में कुछ ऐसा पकड़े नजर आ रहा है जो बिल्कुल आईपैड जैसा लग रहा है. आईपैड तो 2010 में एप्पल ने लॉन्च किया था यानी तस्वीर लिए जाने के 69 साल बाद. ऐसे में जैसे ही ये तस्वीर सामने आई, लोगों ने इसे टाइम ट्रेवल से जोड़ दिया. इस तस्वीर को देखते ही कई लोग कहने लगे कि ये टाइम ट्रैवलर है जो भविष्य से पीछे के समय में गया था. उनके मुताबिक, बच्चा 78 साल पीछे चला गया और गैजेट साथ ले गया. रेडिट के सबरेडिट पर ये फोटो वायरल हो गई, जहां हजारों यूजर्स इसपर डिबेट कर रहे हैं. लेकिन क्या ये सच में टाइम ट्रैवल का सबूत है? या सिर्फ दिमाग का खेल? आइए आपको बताते हैं इसका पूरा सच.

वायरल हो रही ये तस्वीर अमेरिकी फोटोग्राफर एडविन रोस्कम ने खींची थी. जगह है शिकागो का साउथ साइड जो एक सिनेमा हॉल के बाहर था. तस्वीर को 1941 में खींचा गया था जब अमेरिका द्वितीय विश्व युद्ध की कगार पर था. फोटो में एक लाइन में खड़े बच्चे-किशोर नजर आए. सब साफ-सुथरे कपड़ों में, हैट लगाए दिखे. ये सब फिल्म देखने के लिए कतार में खड़े थे. इसी कतार में खड़े लड़के के हाथ में काली रंग की एक चीज नजर आई, जिसे लोग आईपैड बताने लगे. लोग कहने लगे कि ये लड़का एक टाइम ट्रैवलर है, जो तस्वीर में कैद हो गया. दूर से देखने पर लड़के के हाथ में पकड़ी चीज भले ही आईपैड जैसी दिख रही हो लेकिन असल में ये एक नोटबुक है. 1940 के दशक में सिनेमा हॉल में पेन-नोटपैड ले जाना आम था. कई एक्सपर्ट्स का मानना है कि ये बच्चा नोटबुक पकड़े खड़ा था, शायद फिल्म के डायलॉग नोट करने के लिए (जो उस समय आम था).

इस मेंढक के सामने आते ही कांप जाते हैं शिकारी, शरीर फाड़कर निकालता है घातक हथियार, दुनिया हैरान!

आज हम आपको एक ऐसे विचित्र मेंढक के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अपने शिकारी को डराने के लिए खुद के पंजों की हड्डियां तोड़ लेता है. इतना ही नहीं, उन पंजों से वो एक ऐसा घातक हथियार निकालता है, जिसे देखकर शिकारी डर जाते हैं. इस तकनीक से दुनिया भी हैरान है. प्रकृति ने जीवों को बचाव के लिए अनेक अद्भुत क्षमताएं दी हैं, जिनके बारे में जानकर वैज्ञानिक भी हैरान रह जाते हैं. आज हम आपको एक ऐसे ही विचित्र मेंढक के बारे में बताने जा रहे हैं, जो अफ्रीका में पाया जाता है. इस मेंढक को हेयरी फ्रॉग या 'वूल्वरिन फ्रॉग' के नाम से भी जाना जाता है, जो खतरा महसूस होते ही अपने ही शरीर की हड्डियों को तोड़कर एक घातक हथियार निकालता है, जिससे शिकारी भी थर-थर कांप उठते हैं. यह हथियार कुछ और नहीं, बल्कि उसके नुकीले पंजे होते हैं. इस मेंढक की यह अविश्वसनीय क्षमता वैज्ञानिक जगत में लंबे समय से एक पहेली बनी हुई है और यह साबित करती है कि जीवन बचाने के लिए जीव किसी भी हद तक जा सकते हैं. यह मेंढक वैज्ञानिक रूप से ट्राइकोबैट्राचस रोबस्टस कहलाता है. इस प्रजाति के नर मेंढकों के शरीर के किनारों और पिछली टांगों पर पतले बाल जैसे त्वचा के धागे उगते हैं. वैज्ञानिक मानते हैं कि यह अनोखी क्षमता मेंढकों को अधिक ऑक्सीजन सोखने में मदद करती है, खासकर जब नर मेंढक पानी में अंडों की रखवाली कर रहा होता है. लेकिन सबसे चौंकाने वाली बात उनका असामान्य आत्मरक्षा तंत्र है, जो उन्हें अपनी पैर की हड्डियों को तोड़कर नुकीले पंजे में बदलने और त्वचा को चीरकर बाहर निकालने की अनुमति देता है. 1900 के दशक की शुरुआत में वैज्ञानिकों ने पहली बार देखा था कि इन मेंढकों में पंजे हैं, जो उभयचरों के लिए एक अत्यंत दुर्लभ विशेषता है. फिर 2000 के दशक की शुरुआत तक शोधकर्ताओं ने पता नहीं लगाया था कि ये असल में केराटिन से बने पंजे नहीं हैं, बल्कि विकृत हड्डियां हैं.

2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव में अल्पसंख्यक बहुल सीटों पर चुनाव लड़ेगी एआईएमआईएम

कोलकाता, 19 नवंबर (एजेंसियां)। आगामी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) की एंट्री होगी। एआईएमआईएम ने बंगाल के दो अल्पसंख्यक बहुल जिलों मालदा और मुर्शिदाबाद में अपने संगठनात्मक आधार को मजबूत करना शुरू कर दिया है।

असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी का मालदा पर विशेष ध्यान है। एआईएमआईएम की बंगाल इकाई ने प्रचार शुरू करने के लिए मालदा में पार्टी के ब्लॉक अध्यक्षों और ब्लॉक उपाध्यक्षों के नामों की घोषणा की है। इसे अगले साल होने वाले महत्वपूर्ण विधानसभा चुनावों में राज्य के चुनिंदा अल्पसंख्यक बहुल निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवार उतारने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। एआईएमआईएम के मालदा जिला अध्यक्ष रेजायुल करीम के अनुसार, पार्टी का राज्य नेतृत्व जिले के सभी 12 विधानसभा क्षेत्रों से उम्मीदवार उतारने को लेकर आश्वस्त है। उन्होंने कहा कि 2026 के चुनावों के प्रचार के दौरान पार्टी की ओर से उठाए जाने वाले मुद्दे राज्य और जिला स्तर से जुड़े होंगे। करीम ने कहा कि राज्य स्तर पर जहां पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के शासन में व्याप्त भ्रष्टाचार को प्रमुखता दी जाएगी, वहीं जिला स्तर पर मालदा जिले में सामाजिक बुनियादी ढांचे की खराब स्थिति को प्रमुखता दी जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य पार्टी नेतृत्व को विश्वास है कि मालदा में अन्य दलों के मतदाता एआईएमआईएम की ओर रुख करेंगे।

जलपाईगुड़ी में बीएलओ की मौत पर भड़कीं सीएम ममता

एसआईआर से लोगों पर डाला जा रहा 'असहनीय दबाव'

कोलकाता, 19 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को जलपाईगुड़ी के माल ब्लॉक में एक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) की मौत पर दुख व्यक्त किया और आरोप लगाया कि मतदाता सूची के चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) ने क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं पर अमानवीय दबाव डाला है और अब तक 28 मौतें हो चुकी हैं। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि मृतका, एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जो बीएलओ के रूप में कार्यरत थी, ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) की तरफ से किए जा रहे पुनरीक्षण कार्य के असहनीय दबाव के कारण आत्महत्या कर ली।

'एसआईआर के असहनीय दबाव में अपनी जान ले ली'

एक्स पर पोस्ट किए गए एक कड़े शब्दों वाले बयान में, सीएम ममता बनर्जी ने 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए उसे 'अनियोजित, अथक कार्यभार' बताया। उन्होंने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा- 'गहरा सदमा और दुख हुआ। आज फिर, हमने जलपाईगुड़ी के माल में एक बूथ लेवल अधिकारी को खो दिया, एक आंगनवाड़ी कार्यकर्ता जिसने चल रहे एसआईआर कार्य के असहनीय दबाव में अपनी जान ले ली।'

'एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक 28 मौतें'

उन्होंने कहा कि एसआईआर शुरू होने के बाद से अब तक 28 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं, कुछ डर और अनिश्चितता के कारण, तो कुछ तनाव और कार्यभार के कारण। उन्होंने कहा, 'तथाकथित चुनाव आयोग की तरफ से लगाए गए अनियोजित और अथक कार्यभार के कारण इतनी कीमती जानें जा रही हैं। एक प्रक्रिया जो पहले तीन साल में पूरी होती थी, अब राजनीतिक आकाओं को खुश करने के लिए चुनाव से ठीक पहले दो महीनों में पूरी की जा रही है, जिससे बीएलओ पर अमानवीय दबाव पड़ रहा है।'

'चुनाव आयोग विवेक से काम ले और एसआईआर तुरंत रोकें'

सीएम ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग से विवेक से काम लेने और अभियान को तुरंत स्थगित करने का आग्रह किया और चेतावनी दी कि अगर एसआईआर कार्य की वर्तमान गति जारी रही तो और भी जानें जा सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं चुनाव आयोग से आग्रह करती हूं कि वह विवेक से काम ले और और जानें जाने से पहले इस अनियोजित अभियान को तुरंत रोक दे।' बता दें कि टीएमसी नेताओं ने बार-बार चुनाव आयोग पर समय सीमा आगे बढ़ाने और चुनावों से पहले बीएलओ पर अत्यधिक क्षेत्रीय सत्यापन कार्य का बोझ डालने का आरोप लगाया है। सत्तारूढ़ दल का कहना है कि लंबे काम के घंटे, यात्रा संबंधी जरूरतों और समय सीमा पूरी करने के दबाव के कारण कई कर्मचारी बेहाल हो गए हैं।

'भाजपा को अब शिंदे की जरूरत नहीं'

> शरद पवार की राकांपा ने कसा तंज

मुंबई, 19 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सत्तासीन महायुति गठबंधन में खटपट की खबरों को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी- शरद पवार (राकांपा-एसपी) ने तंज कसा है। पार्टी के प्रवक्ता क्लाइड क्रास्टो ने बुधवार को कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और शिवसेना मंत्रियों के बीच पैदा हुए कथित तनाव इस ओर इशारा करता है कि भाजपा को अब उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की जरूरत नहीं रही।

उन्होंने उन रिपोर्टों का हवाला दिया, जिनमें कहा गया था कि शिंदे मंत्रियों की गैरमौजूदगी की वजह से अकेले ही मंत्रिमंडल की बैठक में शामिल हुए। क्रास्टो ने कहा कि यह स्थिति दर्शाती है कि फडणवीस को शिंदे का कोई सम्मान नहीं और मंत्रियों को भी उपमुख्यमंत्री के प्रति कोई खास सम्मान नहीं है। क्रास्टो ने एक्स पर लिखा, "अगर एकनाथ शिंदे में थोड़ा भी आत्मसम्मान है तो उन्हें भाजपा के साथ गठबंधन छोड़ देना चाहिए। अगर वह सही समय पर बाहर नहीं निकले, तो जल्द ही उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा।" महाराष्ट्र में महायुति गठबंधन भाजपा, शिवसेना और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राकांपा से मिलकर बना है। क्रास्टो ने दावा किया कि भाजपा ने साफ संदेश दे दिया है कि उसे अब शिंदे की जरूरत नहीं है। शिवसेना के शिंदे को छोड़कर सभी मंत्री मंगलवार की साप्ताहिक कैबिनेट बैठक से दूर रहे। माना जा रहा है कि भाजपा की तरफ से राज्य के कई हिस्सों में शिवसेना नेताओं और कार्यकर्ताओं को शामिल किए जाने के खिलाफ यह नाराजगी दर्शायी गई। इससे स्थानीय निकाय चुनावों से पहले महायुति में तनाव बढ़ गया है। बाद में फडणवीस और शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना मंत्रियों की बैठक हुई, जिसके बाद स्थिति शांत हुई। पत्रकारों से बात करते हुए शिंदे ने बताया कि महायुति की सहयोगी पार्टियां एक-दूसरे के नेताओं को शामिल करने से परहेज करेंगी, ऐसा निर्णय लिया गया है।

जेल गार्ड ने एके-47 से पत्नी-सास की हत्या की

गुरदासपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के गुरदासपुर में जेल के गार्ड ने अपनी पत्नी और सास की गोली मारकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपी एक सरकारी क्वार्टर में जाकर छिप गया। जब पुलिस वहां पहुंची तो पुलिस को धमकाते हुए कहा कि वह खुद को गोली मार लेगा।

पुलिस ने उसे करीब एक घंटे तक समझाने की कोशिश की, लेकिन गार्ड ने सरेंडर करने के बजाय खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। एसएसपी आदित्य ने कहा हमारी कई टीमें मौके पर पहुंचीं। टीमों ने सारे इलाके की घेराबंदी कर दी। मामले की हम पूरी जांच कर रहे हैं। वहीं इस मामले की अब एक सीसीटीवी फुटेज सामने आई है।

'दिल्ली से कोलकाता के प्रदर्शनों की निगरानी कैसे कर सकते हैं?'

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के बाद चल रहे विरोध प्रदर्शनों में शामिल डॉक्टरों को 'व्यापक सुरक्षा' देने वाला कोई आदेश जारी नहीं कर सकता। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने कहा कि ऐसा कोई भी आदेश पुलिस के अधिकार क्षेत्र में दखल माना जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले पर टुकड़ों में सुनवाई नहीं की जा सकती और वह इसे कलकत्ता हाईकोर्ट को भेजने के पक्ष में है। बेंच ने मौखिक टिप्पणी की, हम इतने सारे मुद्दों से जूझ रहे हैं और इसका कोई अंत नहीं दिख रहा। कलकत्ता हाईकोर्ट के लिए इन विरोध प्रदर्शनों की निगरानी करना आसान है। क्या हम दिल्ली में बैठकर कोलकाता के विरोध प्रदर्शनों की निगरानी कर सकते हैं? हम डॉक्टरों को सुरक्षा देने के लिए ऐसे व्यापक आदेश कैसे दे सकते हैं? पुलिस को आपको बुलाने का अधिकार है। शीर्ष कोर्ट ने कनिष्ठ और वरिष्ठ डॉक्टरों के संघ की ओर से पेश वरिष्ठ वकील करुणा नंदी को निर्देश दिया कि वह कलकत्ता हाईकोर्ट में लंबित मामलों की सूची अदालत को सौंपें। सुनवाई के दौरान नंदी ने कहा कि प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों को पुलिस परेशान कर रही है और उन्हें बार-बार पूछताछ के लिए बुलाया जा रहा है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट से डॉक्टरों को सुरक्षा देने के निर्देश की मांग की। अब मामले की अगली सुनवाई शीतकालीन अवकाश के बाद होगी। यह मामला तब सामने आया जब नौ अगस्त 2023 को एक पीजी प्रशिक्षु डॉक्टर का शव अस्पताल के सेमिनार रूम में मिला।

कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस का भाई अनमोल बिश्नोई 11 दिन की रिमांड पर

सलमान खान के घर फायरिंग-बाबा सिद्दीकी और मूसेवाला के मर्डर का आरोप

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिका से प्रत्यर्पित लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरते ही एनआईए ने गिरफ्तार कर लिया। जिसके बाद एनआईए की टीम ने आरोपी को पटियाला हाउस कोर्ट में पेश किया। जहां से कोर्ट ने 11 दिन की एनआईए रिमांड पर भेज दिया है। अनमोल बिश्नोई दिवंगत एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी है। वहीं सलमान खान पर फायरिंग जैसे कई मामलों में वांछित भी है। एनआईए ने कोर्ट से अनमोल की 15 दिनों की कस्टडी मांगी थी। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और उसके करीबी अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लौटने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गिरफ्तार कर लिया। गौरतलब है कि अनमोल को अमेरिका ने मंगलवार को भारत डिपोर्ट कर दिया था।

इसके बाद दिल्ली पहुंचते ही एनआईए ने उसे पकड़ लिया। बिश्नोई गिरोह के विभिन्न सहयोगियों के साथ मिलकर काम करते हुए अनमोल ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के लिए अमेरिका से आतंकवादी सिंडिकेट चलाना और आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देना जारी रखा। इसके लिए उसने जमीनी स्तर पर उसके गुर्गों का इस्तेमाल किया। जांच से पता चला है कि अनमोल बिश्नोई ने गिरोह के शूटरों और जमीनी गुर्गों को आश्रय और रसद सहायता प्रदान की थी। वह अन्य गैंगस्टरों की मदद से विदेशी

धरती से भारत में जबरन वसूली में भी शामिल था। एनआईए, आतंकवादियों, गैंगस्टरों और हथियार तस्करों के बीच गठजोड़, जिसमें उनका बुनियादी ढांचा और धन स्रोत शामिल हैं, को नष्ट करने के अपने प्रयासों के तहत, आरसी 39/2022/एनआईए/डीएलआई (लॉरेंस बिश्नोई के नेतृत्व में आतंकवादी-गैंगस्टर षड्यंत्र मामला) मामले की जांच जारी रखे हुए है। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और उसके करीबी अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लौटने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गिरफ्तार कर लिया। अनमोल को अमेरिका ने मंगलवार को भारत डिपोर्ट कर दिया था। अनमोल बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी है। सलमान खान के घर हुई फायरिंग और सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस से भी उसका कनेक्शन है।

सलमान खान के घर के बाहर कराई थी गोलीबारी

अनमोल बिश्नोई को दिल्ली पहुंचते ही एनआईए ने पकड़ लिया। अनमोल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी है। उसके खिलाफ कई राज्यों में गंभीर अपराध के मामले दर्ज हैं। अनमोल ने 2020-2023 की अवधि के दौरान देश में विभिन्न आतंकवादी कृत्यों को अंजाम देने में नामित आतंकवादी गोल्डी बरार और लॉरेंस बिश्नोई की सक्रिय रूप से सहायता की थी। इसके अलावा साल 2024 में सलमान खान के घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना में भी अनमोल वॉन्टेड है। यह हमला बिश्नोई गैंग के इशारे पर किया गया था। अनमोल बाबा सिद्धीकी की हत्या मामले में भी आरोपी है। वह मुख्य साजिशकर्ता है। नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के नेता बाबा सिद्दीकी की 12 अक्तूबर 2024 को मुंबई के बांद्रा स्थित कार्यालय के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
मेरा हैदराबाद
गुरुवार, 20 नवंबर, 2025 3

सुविचार
समझनी है जिंदगी तो पीछे देखो, जीनी है जिंदगी तो आगे देखो!

जय श्री राम । श्री गणेशाय नमः । (स्थापना: दि. 13.01.2010) जय श्री राम
आज गुरुवार दिनांक 20-11-2025
मार्गशीर्ष अमावस्या
यादेवी श्री आईजी गौशाला
शुभस्थल : एन एच 44, मेडचल रोड, कल्लाकल।
गौशाला प्रांगण में भोजन प्रसादी एवं भजनों का कार्यक्रम रहेगा।
गौशाला में चारा भेट करने वाले गौ भक्तों का दोपहर 1:00 बजे सम्मान किया जाएगा
गौशाला प्रांगण में पधार कर दान पुण्य कर दर्शन, पूजा, सेवा का लाभ लेवे।
सम्पर्क : नारायणलाल : 8712311785, सिरवि वी ताराराम पंवार : 9246368842
Gpay / phone pay : 9246368842
CHOUDHARY BROTHERS
HNO : 1-307, NH 44, OPP BUS DEPOT, MEDCHAL
SOHANLAL : 9032160794
BEAUTIFUL HOMES

2047 विज़न डॉक्यूमेंट राज्य की प्रगति को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेगा: भट्टी

डिप्टी सीएम ने अधिकारियों को संबोधित किया

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना एक युवा राज्य है और तेलंगाना राइजिंग विज़न डॉक्यूमेंट का उद्देश्य पिछले दो वर्षों में हुई प्रगति और राज्य की भविष्य की संभावनाओं को दुनिया के सामने प्रस्तुत करना है।

उन्होंने बुधवार को प्रगति भवन में आयोजित 2047 विज़न डॉक्यूमेंट वॉर रूम मीटिंग में अधिकारियों को संबोधित किया, जिसमें सभी विभागों के प्रमुख सचिव और सचिव शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हासिल करना मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और पूरे मंत्रिमंडल का साझा सपना है। उन्होंने कहा, "हम सभी इस दिशा में सोच रहे हैं और कदम उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मुझे एक समावेशी विज़न डॉक्यूमेंट तैयार करने की ज़िम्मेदारी सौंपी है जिसमें हर विभाग की भागीदारी सुनिश्चित हो।" उपमुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार ने 2047 विज़न डॉक्यूमेंट तैयार करने के लिए आईएसबी के साथ एक आधिकारिक समझौता किया है। विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारी पहले ही नियुक्त किए जा चुके हैं और उनके द्वारा प्रदान की गई जानकारी के आधार पर, आईएसबी ने अपना प्रारंभिक कार्य पूरा कर लिया है।

वैश्विक शिखर सम्मेलन 8 और 9 दिसंबर को आयोजित होने वाला है। सीमित समय उपलब्ध होने के कारण, उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विज़न दस्तावेज़ को अंतिम चरण तक पहुँचाने पर पूरा ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 2047 का विज़न दस्तावेज़ तैयार करना इतिहास में दर्ज होने लायक एक प्रक्रिया है।

उन्होंने कहा, "9 दिसंबर को प्रजा सरकार के दो साल पूरे होने के अवसर पर, यह महत्वपूर्ण है कि हम न केवल अपने कार्यों के बारे में बात करें, बल्कि यह भी दिखाएँ कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए किस तरह की नींव रख रहे हैं और हम तेलंगाना को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए कैसे तैयार कर रहे हैं।"

हैदराबाद में घना कोहरा, सर्दी ने बढ़ाई ठिठुरन

कई इलाकों में दृश्यता कम, पुलिस ने सावधानी बरतने की अपील की

हैदराबाद, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह शहर के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा, जिससे सर्दी का असर और बढ़ गया। शापुर, मेडचल, बीएचईएल, आरसी पुरम और हैदराबाद विश्वविद्यालय जैसे क्षेत्रों में सुबह 6.45 बजे तक धुंध छाई रही और कई व्यस्त सड़कें शांत नज़र आईं। कोहरे और ठंड के बावजूद कई लोग मॉर्निंग वॉक और जॉगिंग के लिए पार्कों में पहुंचे, जबकि वरिष्ठ नागरिकों ने एहतियात बरतते हुए अपनी दिनचर्या थोड़ी देर से शुरू की। धुंध फैलते ही चाय-कॉफी की दुकानें भी जल्दी खुल गईं और लोग गरम पेय का आनंद लेते दिखे।

शहर की स्थिति को देखते हुए तीनों पुलिस आयुक्तालयों ने वाहन चालकों से कोहरे में लो-बीम हेडलाइट्स और फॉग लाइट्स का इस्तेमाल करने तथा हाई-बीम से बचने की सलाह दी है, क्योंकि दृश्यता काफी कम हो गई है। सिर्फ शहर ही नहीं, आदिलाबाद, कुमुरम भीम-आसिफाबाद, निर्मल, मंचिएरियल और मुलुगु सहित कई जिलों में भी घना कोहरा दर्ज किया गया। आठ जिलों में तापमान एक अंक में रहा, जिसमें कुमुरम भीम-आसिफाबाद में सबसे कम 7.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

हैदराबाद में बुधवार का न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री सेल्सियस रहा। 20 और 21 नवंबर को तापमान क्रमशः 12.6 और 11.4 डिग्री तक गिरने की संभावना जताई गई है। आईएमडी के अनुसार, अगले दो दिनों में राज्य के कई इलाकों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 3-4 डिग्री कम रह सकता है। साथ ही, 22 नवंबर के आसपास बंगाल की खाड़ी में कम दबाव बनने की संभावना है, जिसके चलते 22 से 26 नवंबर तक विभिन्न स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ छींटे पड़ सकते हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Gundabattula Lakshmi R/o p.no 83, sri prashanthi nilayam, f.no 402, Pragati Nagar, medchal HYd,TS. changed my name as sanikommu Lakshmi D/o Sanikommu Tirupati Reddy.

सावधान
पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

गच्चीबावली में सड़क हादसा

हैदराबाद, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार तड़के गच्चीबावली के पीजेआर फ्लाईओवर पर एक सड़क हादसा हो गया। चलती हुई एक ट्रक को पीछे से आ रही दूसरी ट्रक ने टक्कर मार दी। इस टक्कर में ट्रक में बैठे कुछ लोग घायल हो गए। घायलों को तुरंत पास के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस ने बताया कि दुर्घटना के बाद कुछ समय के लिए फ्लाईओवर पर यातायात धीमी गति से चला। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि वे खासकर व्यस्त सड़कों और फ्लाईओवर पर सावधानी से वाहन चलाएँ।

विश्व मंगल गौशाला
सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद (तेलंगाना)
सस्नेह निमंत्रण
आज गुरुवार 20 नवम्बर 2025 प्रातः 11 बजे से
मार्गशीर्ष अमावस्या
शुभ स्थल : विश्व मंगल गौशाला, सोमारम ग्राम, मेडचल, हैदराबाद
गौ-माता पूजन * भजन * भोजन प्रसादी
सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर गौसेवा, दान, पुण्य के भागीदार बनें। सभी धर्मप्रेमियों, गौ-भक्तों से विनती है कि वे दान-पुण्य का कार्य गूगल-पे/फोन-पे द्वारा भी कर सकते हैं। समय निकालकर सपरिवार अवश्य पधारें।
दूरभाष : 9346917593
Bank Details : GOU GRAM VIKAS SEVA SAMITHI
A/c No. 50200063938688 | IFSC : HDFC0009429
HDFC Bank, Kanajiguda Branch

श्री धर्मसाई गौशाला
धर्मगिरी, शमशाबाद, आरआर डिस्ट्रिक तेलंगाना-501218
सस्नेह निमंत्रण
मार्गशीर्ष अमावस्या
आज गुरुवार, 20 नवंबर 2025 मार्गशीर्ष अमावस्या है।
गौ माता पूजन : सभी से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर गौ सेवा, दान पुण्य के भागीदार बने
C/o Sree Dharmasai Temple, Dharmagiri, Shashabad
SRI DHARMASAI GOW RAKSHA TRUST
A/c no-922020006836112
AXIS BANK, Shamshabad branch
IFSC code-UTIB0000867
Paytm, GOOGLE PAY, Phone pe:-
9440828585
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660

।। जय गौ माता।। जय जय रघुवीर समर्थ ।। श्री श्री सद्गुरु ।।
श्री समर्थ कामधेनु गौशाला
श्री सद्गुरु समर्थ नारायण आश्रम, शिवबाग, जियागुड़ा, हैदराबाद. फोन : 9296358630, 7013711317
आज गुरुवार, 20 नवंबर 2025 मार्गशीर्ष अमावस्या है।
"गौ माता की सेवा से आयु, स्वास्थ्य, सुख-समृद्धि एवं ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है। पापों का नाश होता है।" गौ-ग्रास सेवा से सुख-शांति, मंगलमय जीवन, सर्व दोष निवारण का लाभ उठाएँ। गौशाला में गौ दान की सुविधा उपलब्ध है।
Online गौ सेवा के लिये
(For Income Tax Exemptions u/s 80g)
SHREE KALPAVRUKSHA KAMDHENU WELFARE TRUST
SBI Bank King koti Branch A/c No. 10015542319 IFSC: SBIN0007054
SHRI SADGURU SAMRATH NARAYAN ASHRAM
SBI PPB, Red Hills A/c No. 20100020864 IFSC: SBIN0002790
PAYTM - 9296358630/GOOGLE PAY/PHONE PAY/7013711317
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

।। जय गौ माता ।।
सह स्नेह निमंत्रण
सुंदरकांड पाठ एवं प्रसादी
प्रसादी दोपहर 12:00 से
गुरुवार 20 नवंबर 2025 प्रातः 9:00 बजे सुंदरकांड पठन प्रारंभ होगा। तत्पश्चात प्रसादी का आयोजन किया गया है।
Scan for Donation
नारायणी गौशाला में यह प्रयास होगा जहा हम न केवल सुंदरकांड का पाठ करेंगे अपितु गौ सेवा कर अपने पितृ देवता का भी आशीष प्राप्त कर पाएंगे कहते हैं गौशाला में पठन-पाठन से 33 कोटी देवी देवताओं की सेवा हो जाती है। अतः सभी गौ भक्तों से प्रार्थना की जाती है कि समय अनुसार गौशाला प्रांगण में पधार कर गौ सेवा एवं सुंदरकांड के पाठ का लाभ लें।
शुभ स्थल
नारायणी गौ सेवा सदन
रोड नंबर.17, शालिवाहना नगर मूसारामबाग, हैदराबाद. मो : 9581348889
आयोजक : नारायणी गौ सेवा सदन
अमन सोनी 6304421076 | डी पि तिवारी 9246522435 | मोहन बाबू 9573888111 | सज्जन डागा 9490929321 | पवन अग्रवाल 9346169887
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

गावो विश्वस्य मातर ।। जय श्री कृष्ण ।। जय गो माता
श्री गोपाल गौशाला
संत विनोबानगर, रामदास पल्ली के पास, सागर रोड, इब्राहिमपटनम
आज गुरुवार, 20 नवंबर 2025 मार्गशीर्ष अमावस्या है।
अमावस्या के उपलक्ष्य में सभी गौ प्रेमियों से विनम्र अनुरोध है कि गौसेवा कर पुण्य के भागी बने और हमें सहयोग राशी इन बैंक खाते में जमा करा सकते है।
प्रसाद की व्यवस्था रहेगी।
विशेष सेवा : गौभक्त अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, अपने पूज्य एवं प्रियजनों की याद में गौशाला में संपूर्ण एक दिन की सेवा हेतु 21,000/- देकर पुण्य एवं शांति का लाभ लेवें।
अन्य सेवा : एक कट्टा घास का प्रति दिन एक माह तक 500/-
एक गाय की मासिक सेवा 1100/-
गुड़ - दलिया या चुन्निभूसा एक दिन की सेवा 3100/-
एक DCM गाडी घांस या एक समय की संपूर्ण गोवंश की भोजन व्यवस्था 11,000/-
Scan To Pay
SRI GOPAL GOSHALA TRUST MAHESH BANK, VANASTHLIPURAM BRANCH, S/A NO. 025001100001224 IFSC CODE : APMC0000025
निवेदक : श्री गोपाल गौशाला ट्रस्ट (रजि.)
सम्पर्क सूत्र : तुलसीराम बंसल - 9247262215, सतवीर गर्ग - 9346098880, महावीरप्रसाद अग्रवाल - 9246340478, अर्जुन गोयल - 9390389055, विनोद गर्ग (ट्रस्टी-लेखा जोखा) - 9885237833
गोशाला व्यवस्थापक : राजूराम सेप्टा - 8019106318, रमेश काबरा - 9290434314 एवं समस्त ट्रस्टीगण

निवेदक : कार्य समिति
ॐ शिव मंदिर गौशाला
पालमाकुल, शमशाबाद
OM SHIV MANDIR GOSHALA
MAHAVEER CO.OP.URBAN BANK LTD. Shamsherguni Branch
C/A No. 003103000000072
IFSC CODE: HDFC0CMCUBL
शिव मंदिर गौशाला
शमशेरगंज, हैदराबाद
SHIV MANDIR GOSHALA
AP MAHESH BANK CO.OP URBAN BANK LTD. Begum Bazar Branch
C/A No. 002001200018617
IFSC CODE: APMC00002
गौमाता को हरी घास की सेवा कर पुण्य के भागी बने।
आज गुरुवार, 20 नवंबर 2025 मार्गशीर्ष अमावस्या है।
जो पुरुष गौओं की सेवा करता है और सब प्रकार से उनका अनुगमन करता है, उस पर संतुष्ट होकर गौएँ उसे अत्यंत दुर्लभ वर प्रदान करती है। गौओंके साथ मन से भी कभी द्वेष न करे, उन्हें सदा सुख पहुँचाये, उनका यथोचित सत्कार करे और नमस्कार आदि के द्वारा उनका पूजन करते रहे। जो मनुष्य जितेन्द्रिय और प्रसन्नचित होकर नित्य गौओंकी सेवा करता है, वह समृद्धि का भागी होता है।
Digital Donation are accepted on G Pay Google Pay/ PhonePe Phone Pay 9959271866
FOR MORE DETAILS CONTACTS 9849710223, 9848097776, 9247888983, 7989734546
गाय का दूध गौशाला में उपलब्ध है। Home Delivery Available | गाय के गोबर से निर्मित उपली गौशाला में उपलब्ध है।
सत्यनारायण गोपाल बल्दवा
ब्रिगेट रोड नं 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद, मोबाईल 9000366660
GB GOPAL BALDAWA GROUP

पधारिये ! आज गुरुवार दिनांक 20 नवम्बर 2025 अमावस्या है अवश्य पधारिये !
आपके पूर्ण सहयोग से निर्मित-आपके निःस्वार्थ सहयोग से संचालित
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् गौनिवास गगनपडाड़
सत्यम् शिवम् सुन्दरम् सेवा केन्द्र बुर्जुगड्डा
7000 से अधिक गौवंश की सेवा का सबसे बड़ा सेवा केन्द्र
हे ! माँ तुम कितनी अच्छी हो प्यारी प्यारी हो
आप सभी के करुणामय सहयोग के कारण ही इनके सुचारु उपचार के लिये बुर्जुगड्डा स्थित माँ सरस्वती वेटरनरी हॉस्पिटल का निर्माण संभव हो पाया। यहाँ गौनिवास के पशुओं के संग दूर-दराज़ के पशुओं का ईलाज भी एम्बुलेन्स की सेवा द्वारा निःशुल्क किया जा रहा है।
सत्यम् शिवम् सुंदरम् गौ निवास SATYAM SHIVAM SUNDARAM GAUNIVAS
Scan & Pay GAUNIVAS
Scan & Pay VETERINARY HOSPITAL
Gagan Pahad, Rajiv Gandhi International Airport Road, R.R. Dist, Hyderabad - 500 052,
Cell : 99853 85399, 99894 03635, 94404 37618, 99121 42260, 92465 22435, 93472 11966, 94412 10591, 94414 22085
Bankers : Bank Of Baroda Nallakunta Branch, Hyd. A/c. : 75450200001071, Ifsc Code : BARB0VJNAKU
TO AVAIL 80G KINDLY DONATE IN AKSHYA PASHU PAKSHI TRUST (Provide Pan No. & Obtain Certificate) Canara Bank, Basheerbagh Branch, A/c : 0878132000033, IFSC CODE : CNRB0000878

नीतीश का इस्तीफा, आज 10वीं बार लेंगे शपथ

> गांधी मैदान में समारोह, 2 मंच, 150 मेहमान

> पीएम मोदी समेत 11 राज्यों के सीएम शामिल होंगे

पटना, 19 नवंबर (एजेंसियां)। नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। कल गुरुवार को वे 10वीं बार सीएम पद की शपथ लेंगे। शपथ समारोह गुरुवार दोपहर 1.30 बजे गांधी मैदान में होगा। समारोह के लिए 2 मंच बनाए गए हैं। इसमें पीएम मोदी समेत 11 राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल होंगे। साथ ही 150 मेहमानों को भी निमंत्रण भेजा गया। इससे पहले बिहार विधानमंडल के सेंट्रल हॉल में नीतीश कुमार को एनडीए विधायक दल का नेता चुना गया। वहीं, सुबह 11 बजे पटना के बीजेपी ऑफिस में विधायक दल की बैठक हुई। इसमें सम्राट चौधरी को विधायक दल का नेता चुना गया है। विजय सिन्हा को विधानमंडल का उपनेता चुना गया है। मतलब सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा दोनों डिप्टी सीएम होंगे। जानकारी के मुताबिक, नीतीश के साथ-साथ सम्राट और विजय सिन्हा भी डिप्टी सीएम की शपथ ले सकते हैं। इधर, बीजेपी के विधायक दल की बैठक से पहले जीडीयू के विधायक दल की बैठक हुई जिसमें नीतीश कुमार को नेता चुना गया। विधायक दल के नेता के चुनाव से पहले केंद्रीय पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी गई थी। बीजेपी के संसदीय बोर्ड ने उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया गया, जबकि केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल और पूर्व केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को सह-पर्यवेक्षक की जिम्मेदारी मिली। सभी मंगलवार रात ही पटना पहुंच गए थे।

चिराग ने 2 मंत्री और डिप्टी सीएम की डिमांड रखी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आज पटना पहुंचेंगे। नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद वे बीजेपी नेताओं के साथ बैठक करेंगे। इस बैठक में मंत्रियों की लिस्ट फाइनल होगी। इधर, सूत्रों के अनुसार चिराग पासवान ने एनडीए में 2 मंत्री पद और डिप्टी सीएम पद की डिमांड रखी है। चिराग अपने बहनोई अरुण भारती का नाम बढ़ा सकते हैं। इस बार विधानसभा चुनाव में एलजेपी(आर) ने 19 सीटें जीती हैं।

मंत्री आवास के पास मां-बेटे ने सल्फास खाया

लखनऊ, 19 नवंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में पर्यटन मंत्री के आवास के पास बुधवार दिन में 11:30 बजे मां-बेटे ने सल्फास खा लिया। वे सड़क पर गिर गए। हालत बिगड़ने लगी तो लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दोनों को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया। बेटे को भर्ती कर लिया गया, लेकिन मां की हालत लगातार बिगड़ रही थी इसलिए उन्हें केजीएमयू रेफर किया गया।

मां का नाम मुनेश सिंह (56) और बेटे का नाम बलजीत सिंह (38) है। वह मथुरा के बरसाना के रहने वाले हैं। दोनों के पास एक बैग मिला है जिसमें सल्फास के 2 पाउच और 1 मोबाइल फोन था। बेटे की जेब से एक एप्लिकेशन मिली है। इसमें लिखा है- भूमाफिया ने 43 लाख रुपए लेकर प्लॉट नहीं दिया। मकान से भी निकाल दिया। अब धमकी देते हैं कि हमारा कुछ नहीं कर पाओगे क्योंकि मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी हमारे बिजनेस पार्टनर हैं। पुलिस सूत्रों ने बताया- मां-बेटे सीएम आवास की तरफ जा रहे थे।

लालू यादव के करीबी सीएम अमित कात्याल दूसरी बार गिरफ्तार

300 करोड़ के फर्जीवाड़े में ईडी की कार्रवाई, पिछले साल 56 लाख की संपत्ति जब्त हुई थी

पटना, 19 नवंबर (एजेंसियां)। राजद सुप्रीमो लालू यादव के करीबी सीएम अमित कात्याल पर एक बार फिर से कार्रवाई हुई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अमित को गिरफ्तार कर लिया है। अमित के खिलाफ दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध इकाई ने 300 करोड़ रुपए से अधिक के फर्जीवाड़ा मामले में एफआईआर दर्ज की थी।

मामला बड़ा होने के कारण प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली पुलिस से इस केस को टेक ओवर किया था। जांच में फर्जीवाड़ा का सबूत मिलने के बाद ही ईडी ने अमित कात्याल को गिरफ्तार किया है। वो इस केस का मुख्य आरोपी है। पिछले साल 56 लाख की संपत्ति जब्त हुई थी। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्र के मुताबिक अमित का संबंध लालू प्रसाद के परिवार से रहा है। वो लालू परिवार को बेहद करीबी है। परिवार के छोटे बेटे और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का संबंध काफी बेहतर माना जाता है। दिल्ली के जिस कोठी पर तेजस्वी यादव ठहरते हैं, उससे भी अमित कत्याल का कनेक्शन है।

लैंड फॉर जॉब मामले में अमित का कनेक्शन

लैंड फॉर जॉब मामले में अमित का कनेक्शन पहले ही सामने आ चुका है। इस कारण पिछले साल ही ईडी ने अमित को गिरफ्तार किया था। साथ ही इसके गुरुग्राम स्थित मेसर्स क्रिश रियलटेक प्राइवेट लिमिटेड की संपत्ति जब्त की थी। जो करीब 56 लाख रुपए की थी।

दो ठिकानों पर हुई थी छापेमारी

पिछले साल अमित कात्याल को गिरफ्तार करने से पहले 18 अक्टूबर को ईडी ने उसके 2 ठिकानों पर छापेमारी की थी, जहां से 35 लाख कैश और कई संपत्ति के पेपर मिले थे। इसके बाद 19 अक्टूबर को अमित कात्याल के भाई राजेश कात्याल को गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने इसी दिन राजेश को 7 दिन की रिमांड पर ईडी को सौंप दिया था। अमित और राजेश कात्याल के हरियाणा में कई ठिकानों पर पिछले साल मार्च महीने में छापेमारी हुई थी।

तब एजेंसी ने 200 करोड़ के विदेशी निवेश से जुड़े दस्तावेज जब्त करने का दावा किया था। दोनों भाई रियल एस्टेट के कारोबार से जुड़े हैं। मनी लॉन्ड्रिंग का मामला गुरुग्राम पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा और दिल्ली पुलिस की ओर से दर्ज की गई थी।

ओलंपियन दुल्हन ने शादी में की फायरिंग

बॉक्सर दूल्हे ने नोटों की गड्डियां उड़ाई, दोनों पर एफआईआर

मेरठ, 19 नवंबर (एजेंसियां)। मेरठ की इंटरनेशनल जेवलिन थ्रोअर अन्नू रानी और किक बॉक्सर साहिल भारद्वाज जीवनसाथी बन गए। लाल रंग का लहंगा पहने अन्नू अपनी सहेलियों के साथ स्टेज तक पहुंचीं। यहां साहिल ने आगे बढ़कर उनका हाथ पकड़ा और उन्हें स्टेज पर ले गए। फिर घुटनों के बल बैठकर अन्नू को फूलों का गुलदस्ता दिया। अन्नू-साहिल ने राइफल से दो हवाई फायर भी किए, जिसके बाद दोनों ने एक-दूसरे के गले में वरमाला डाली। वरमाला के तुरंत बाद साहिल ने 10-10 के नोटों की दो गड्डियां अन्नू के ऊपर से उछाल दीं। जयमाला के बाद दोनों ने सात फेरे लिए और विवाह की रस्में पूरी कीं।

हवाई फायरिंग को लेकर काफी बवाल भी हुआ। बुधवार दोपहर मेरठ एसएसपी विपिन ताडा ने बताया कि सोशल मीडिया पर वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। थाना सरधना में नियमानुसार नामजद मुकदमा दर्ज करवाया है। BNS की धारा 9, 25 और 30 लगाई गई है। राइफल किसी सत्यनारायण के नाम पर रजिस्टर्ड है। आगे की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले शादी में हरियाणा के पानीपत से डिस्कस थ्रो खिलाड़ी नेहा और कर्नाटक से जेवलिन थ्रो प्लेयर रश्मि भी शामिल हुईं। आज रोहतक में अन्नू–साहिल की शादी का ग्रैंड रिसेप्शन होगा, जिसमें पॉलिटिक्स, स्पोर्ट्स और रेलवे से जुड़े कई वीआईपी गेस्ट शामिल होंगे।

संभल में जामा मस्जिद–हरिहर मंदिर विवाद : पदयात्रा का एलान, बैरिकेडिंग हटा जुटने लगे लोग

संभल, 19 नवंबर (एजेंसियां)। संभल में महंत ऋषिराज गिरि की पदयात्रा के एलान के बाद शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। कैलादेवी मंदिर में जुटी भीड़ को रोकने के लिए लगाए गए बैरियर को महंत ने हटा दिया। इसके बाद श्रद्धालुओं और साधु-संतों की संख्या मौके पर बढ़ने लगी। जिले में धारा 163 लागू होने के कारण एसपी ने जुलूस की अनुमति से इनकार किया है।

कैलादेवी मंदिर के महंत और जामा मस्जिद बनाम हरिहर मंदिर मामले में सिविल न्यायालय में दायर याचिका के वादी ऋषिराज गिरि महाराज ने बुधवार को पदयात्रा निकालने का एलान किया था। इसके बाद शहर में सुरक्षा व्यवस्था हाई अलर्ट पर कर दी गई है। मंदिर परिसर में सुबह से ही भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। भीड़ बढ़ने पर पुलिस ने बैरियर लगाकर रोकने की कोशिश की लेकिन मौके पर पहुंचे महंत ऋषिराज गिरि महाराज ने उन्हें हटवाकर लोगों को मंदिर परिसर तक पहुंचने दिया।

इसके बाद बड़ी संख्या में श्रद्धालु और साधु-संत परिसर में जुटने लगे। स्थिति को देखते हुए सीओ आलोक भाटी फोर्स के साथ कैलादेवी मंदिर पर पहुंचे। पुलिस फोर्स और पीएसी के जवान पूरी तरह मुस्तैद हैं। शहर के संवेदनशील इलाकों जामा मस्जिद, चौधरी सराय और प्रमुख चौराहों पर भी अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की गई है।

धारा 163 लागू, जुलूस पर रोक

एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने स्पष्ट किया है कि जिले में धारा 163 लागू है, जिसके तहत भीड़ इकट्ठा करने या जुलूस निकालने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि किसी को भी कानून-व्यवस्था अपने हाथ में लेने नहीं दिया जाएगा। थाना प्रभारियों और अधीनस्थ पुलिस अधिकारियों को लगातार पेट्रोलिंग और निगरानी में लगाया गया है। पदयात्रा को लेकर शहर में तनाव की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा के लिए अतिरिक्त कदम उठाए हैं। सुबह सीओ आलोक कुमार के नेतृत्व में फोर्स ने पैदल मार्च किया। जामा मस्जिद के आसपास ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। स्थानीय खुफिया इकाई (एलआईयू) को भी सक्रिय कर दिया गया है, ताकि किसी भी अप्रत्याशित स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया जा सके।

यह था मामला

19 नवंबर 2024 को सिविल न्यायालय संभल में यह दावा दायर किया गया था कि जामा मस्जिद का मूल स्वरूप श्री हरिहर मंदिर था। इस दावे के एक वर्ष पूरा होने पर कैलादेवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरि ने बुधवार को पदयात्रा निकालने का आह्वान किया। चर्चा है कि यह पदयात्रा जामा मस्जिद के आसपास तक ले जाई जा सकती है, जिसके चलते पुलिस प्रशासन और अधिक सतर्क हो गया है।

हरिहर स्थल की परिक्रमा उद्देश्य

महंत ऋषिराज गिरि महाराज पहले भी कह चुके हैं कि पदयात्रा का उद्देश्य अधिक से अधिक सनातनियों को जोड़ना और हरिहर स्थल की परिक्रमा करना है। इसी के चलते सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर की ओर बढ़ रही है।

भारी फोर्स तैनात

एएसपी कुलदीप सिंह भारी पुलिस बल के साथ कैलादेवी मंदिर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जामा मस्जिद क्षेत्र में बैरिकेडिंग कर सुरक्षा को चाकचौबंद किया गया है। पुलिस, पीएसी और आरआरएफ का संयुक्त बल प्रमुख स्थानों पर तैनात है।

यह हैं वाद दायर करने वाले वादीगण

जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर होने का दावा कर वाद को दायर करने वाले वादीगण में सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता हरिशंकर जैन, पार्थ यादव, महंत ऋषिराज गिरि, राकेश कुमार, जीतपाल सिंह यादव, मदनपाल, वेदपाल और दीनानाथ शामिल हैं।

'मुझे कुछ कहा तो दोनों उंगली आंख में डाल दूंगा'

बीजेपी से निकाले गए आरके सिंह बोले-डराने वाले को सबके सामने नंगा कर दूंगा

पटना, 19 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव का रिजल्ट आने के 2 दिनों बाद बीजेपी ने 6 साल के लिए आरके सिंह पार्टी से निकाल दिया। जिसके बाद उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इसके बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह लगातार पार्टी के खिलाफ मोर्चा खोल रहे हैं।

आरके सिंह का एक बयान तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वो कह रहे हैं कि, यदि कोई शख्स मुझे डराने की कोशिश करेगा, तो मैं उसकी आंखों में उंगली डालकर आंख निकाल देंगे। हालांकि ये वीडियो कब और कहां का है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। आरके सिंह 2014 से 2024 तक सांसद रहे। इस दौरान वे केंद्रीय मंत्री भी रहे। अब बीजेपी के खिलाफ बगावत का बिगुल फूंक चुके हैं। आरके सिंह 2013 में भाजपा में शामिल हुए थे। वे लगातार पार्टी लाइन से अलग बयानबाजी कर रहे थे। उन्होंने चुनाव से पहले एनडीए के कैंडिडेट्स पर भी सवाल उठाए थे। साथ ही बिहार में 62 हजार करोड़ के बिजली घोटाले का भी नीतीश सरकार पर आरोप लगाया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी, जेडीयू के अनंत सिंह, आरजेडी के सूरजभान सिंह को हत्या का आरोपी बताया था। साथ ही, ऐसे लोगों को वोट नहीं देने की अपील की थी। फेसबुक पर लिखा था कि, ऐसे लोगों को वोट देने से अच्छा है चुल्लू भर पानी में डूब कर मर जाना।

कार की डिलीवरी समय से न देने पर लगा एक लाख का जुर्माना

कोर्ट ने कहा-खर्च का भी भुगतान करेगी कंपनी

लखनऊ, 19 नवंबर (एजेंसियां)। कार की डिलीवरी तय समय पर न किए जाने के 12 साल पुराने एक मामले में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय ने आदेश पारित किया है। आयोग ने कार कंपनी को आदेशित किया है कि वह परिवादिनी को नौ फीसदी वार्षिक ब्याज के साथ एक लाख रुपये की क्षतिपूर्ति अदा करे। साथ ही वाद के दौरान हुए खर्च के लिए पांच हजार रुपये अतिरिक्त देने का आदेश दिया है। न्यायालय ने अपने आदेश में लिखा है कि यदि 30 दिन के भीतर क्षतिपूर्ति की रकम अदा नहीं की जाएगी तो फिर दोनों ही राशियों पर 12 प्रतिशत वार्षिक ब्याज की दर से कंपनी को भुगतान करना होगा।शहर के रकाबगंज कदीम मोहल्ले की निवासी सुनीता त्रिवेदी ने 25 मई 2013 को जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग द्वितीय के यहां एक वाद दायर किया था। उन्होंने बताया था कि हजरतगंज के शाहनजफ रोड स्थित सनी टोयटा के शोरूम से 14 जनवरी 2013 को 50 हजार रुपये बुकिंग राशि जमा कराकर कैरोला एल्टिस गाड़ी की बुक कराई थी।

मोदीनगर बस बम धमाके में इलियास की उम्रकैद की सजा रद्द-कोर्ट बोला-भारी मन से कर रहे बरी

प्रयागराज, 19 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने तीन दशक पुराने बहुचर्चित गाजियाबाद के मोदीनगर में बस बम धमाका कांड में उम्रकैद पाए मोहम्मद इलियास को दोषमुक्त करते हुए बरी करने का आदेश दिया है। 51 पन्नों के फैसले में कोर्ट ने कहा कि 18 लोगों की जान लेने वाली इस दिल दहलाने वाली घटना में अभियोजन पक्ष किसी भी तरह इलियास की संलिप्तता साबित नहीं कर पाया। लिहाजा, अदालत भारी मन से आरोपी को बरी करने का आदेश दे रही है।

इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति राम मनोहर नारायण मिश्रा की खंडपीठ ने इलियास की ओर से ट्रायल कोर्ट के दंडादेश के खिलाफ दाखिल अपील स्वीकार कर ली। कोर्ट ने कहा कि पुलिस के सामने दिया गया इलियास का कथित इकबाल-ए-जुर्म भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 25 के तहत पूरी तरह अस्वीकार्य है। 1996 में इस घटना के समय टाडा कानून लागू नहीं था। इसलिए पुलिस या वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष की गई कोई भी स्वीकारोक्ति अदालत में साक्ष्य नहीं मानी जा सकती।

राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित हुए जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय

नई दिल्ली, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तरप्रदेश के सुल्तानपुर जिले में लंभुआ के होलापुर निवासी एवं वर्तमान में जि ला धि का री जालौन राजेश कुमार पांडेय को एक भव्य कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति अवार्ड से सम्मानित किया। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार जालौन के जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय को जल संचय जन भागीदारी 1.0 अवार्ड से मंगलवार को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सम्मानित किया है। वर्ष 2000 में उप जिलाधिकारी के रूप में राजेश कुमार पांडेय जौनपुर में कार्य कर चुके हैं। उस समय जिलाधिकारी केके उपाध्याय ने इन्हें नजारत सहित 4-5 विभागों का चार्ज दे रखा था।

जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय के बड़े भाई ओपी पांडेय जौनपुर में पुलिस उपाधीक्षक नगर और अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण भी रह चुके हैं। जालौन के जिलाधिकारी राजेश कुमार पांडेय को राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत किए जाने पर शरद कुमार पाठक, लोलारक दुबे, सुनील कुमार शुक्ल एडवोकेट, संजय दुबे, डॉ अमरीश दुबे, डॉ रामसागर मिश्रा ,सुभाष दुबे, सुशील उपाध्याय सत्यम दुबे, चंदन दुबे, रामजी तिवारी, दीपक मिश्रा, अथर्व पांडे, जेपी सिंह समेत अनेक लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए बधाई दी है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने धर्म परिवर्तन के आरोपी मुस्लिम युवक को दी जमानत

> आरएसएस कार्यकर्ता ने दर्ज कराई थी शिकायत

प्रयागराज, 19 नवंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने बिजनौर के रहने वाले आरिफ मोहम्मद को जमानत दे दी है। उसे बीएनएस और यूपी के धर्मांतरण विरोधी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया था। जमानत की सुनवाई के दौरान आरिफ के वकील गोपाल मिश्रा ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को दुश्मनी से उत्पन्न षड्यंत्र के तहत झूठा और धोखाधड़ी से फंसाया गया है।

मिश्रा ने कोर्ट को बताया कि शुरुआती एफआईआर और बाद में शिकायतकर्ता के बयानों में विरोधाभास है और उसने सीधे तौर पर आरिफ पर किसी भी अपराध का आरोप नहीं लगाया था। उन्होंने पीड़िता द्वारा आरिफ को कथित तौर पर लिखे गए एक लव लेटर का हवाला दिया। इसके बारे में उन्होंने दावा किया कि यह दिखाता है कि वह इस रिश्ते में अपनी मर्जी से शामिल थी।

उन्होंने यह भी तर्क दिया कि पीड़िता का परिवार उस पर आरिफ के खिलाफ बयान देने का दबाव बना रहा था और जबरदस्ती का कोई प्रत्यक्ष सबूत नहीं है। जस्टिस गौतम चौधरी की एकल बेंच ने साक्ष्य की प्रकृति और किसी भी ठोस विरोधाभासी सामग्री के अभाव को देखते हुए जमानत दे दी और यह भी कि रिकॉर्ड में मौजूद सामग्री के साथ छेड़छाड़ की संभावना नहीं है। जज ने जोर देकर कहा कि जमानत देने का फैसला मामले के गुण-दोष पर कोई टिप्पणी नहीं है। आरिफ को दो जमानतदारों के साथ निजी मुचलका भरने पर रिहा करने का आदेश दिया गया। उसकी जमानत की शर्तों के अनुसार, उसे सबूतों से छेड़छाड़ करने, गवाहों को धमकाने और चल रहे मुकदमे में सहयोग करने से रोका गया है।

मेरे भाई को फंसाया गया-अफाक अहमद

गिरफ्तारी के बाद आरिफ के भाई अफाक अहमद ने व्हाट्सएप मैसेज पोस्ट कर दावा किया कि उसके भाई को फंसाया गया है और उसे लिंचिंग का डर है, साथ ही उसने न्यायपालिका पर विश्वास भी व्यक्त किया। मैसेजों में अफाक ने कथित तौर पर कहा कि उसके भाई को पुलिस पर राजनीतिक दबाव डालकर झूठे मामले में फंसाया गया है और दुख जाहिर किया कि मेरे परिवार की आजीविका का पूर्ण बहिष्कार करने का आह्वान किया गया है।

स्थानीय आरएसएस कार्यकर्ता ने दर्ज कराई शिकायत

स्थानीय आरएसएस कार्यकर्ता संदीप कौशिक द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के बाद 20 जुलाई को आरिफ को गिरफ्तार कर लिया गया। शिकायत में शुरू में आरिफ पर एक हिंदू महिला को कथित तौर पर प्रेम संबंध में फंसाकर उसका धर्म परिवर्तन कराने के इरादे से लव जिहाद में शामिल होने का आरोप लगाया गया था। बाद में एफआईआर में बीएनएस की कई धाराएं शामिल कर ली गईं।

वीजा फर्जीवाड़ा : बरेली में नाइजीरियाई छात्र हिरासत में

आईबी और इंटेलीजेंस की टीम कर रही पूछताछ

बरेली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। बरेली के रुहेलखंड विश्वविद्यालय में नाइजीरिया के 26 और नेपाल के 22 विद्यार्थी अलग-अलग पाठ्यक्रमों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। विदेशी विद्यार्थियों की ज्यादा संख्या बीएमएस, बीटेक और बीसीए पाठयक्रमों में है। वीजा अवधि विस्तार के लिए जाली प्रपत्रों का इस्तेमाल करने के आरोप में हिरासत में लिए नाइजीरियाई छात्र युसुफ बाला ने जुलाई में ही बीएमएस (बैचलर इन मैनेजमेंट स्टडी) प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया था। वीजा अवधि में विस्तार के लिए जाली प्रपत्रों के इस्तेमाल का मामला सामने आने के बाद आईबी और इंटेलीजेंस ने नाइजीरिया और सूडान के दूतावास से संपर्क किया है। इसके अलावा पुलिस की टीम दूसरे छात्र की तलाश में पंजाब जाएगी। आईबी और इंटेलीजेंस की टीम हिरासत में लिए गए युसुफ बाला से पूछताछ कर रही है। नाइजीरिया और सूडान के दूतावास से संपर्क की भी तैयारी की जा रही है।

कोहरे के कारण बिहार में 24 ट्रेनें कैंसिल

समस्तीपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। समस्तीपुर सहित पूरे बिहार में ठंड के मौसम में ट्रेनें लेट हो जाती है। इससे बचने के लिए रेलवे मंडल प्रशासन ने समस्तीपुर रेलवे मंडल के 12 ट्रेनों का परिचालन 1 दिसंबर से फरवरी महीने तक के लिए रद्द कर दिया है। पूरे बिहार में टोटल 24 ट्रेनों का चलना बंद हुआ है। बरौनी ग्वालियर समेत कुछ ट्रेनों का परिचालन सप्ताह में मात्र चार दिन होगा। ताकि लेट लतीफ होने पर परिचालन को मेंटेन किया जा सके। रेलवे के सूचना पदाधिकारी आर के सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि संरक्षित रेल परिचालन को सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से रेलवे ने यह फैसला लिया है।

> दिल्ली ब्लास्ट में नया खुलासा

किराए के कमरे में ब्रेनवॉश...ऐन मौके पर जसीर ने किया फिदायीन हमला करने से इनकार

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। सफेदपोश डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल को एक और राज खुला है। बम धमाके के मास्टरमाइंड उमर ने एक और छात्र का फिदायीन हमला करने के लिए ब्रेनवॉश किया था, लेकिन छात्र ने ऐन मौके पर इनकार कर दिया था। उसने हवाला दिया था कि इस्लाम में खुदकुशी जायज नहीं है।

सफेदपोश डॉक्टर आतंकी मॉड्यूल को लेकर एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। मुख्य साजिशकर्ता डॉ. उमर नबी पिछले साल से ही आत्मघाती हमलावर की तलाश में था। जांच अधिकारियों ने रविवार को दावा किया कि दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड से पकड़े गए आरोपी जसीर उर्फ दानिश से पूछताछ में पता चला कि डॉ. उमर घोर कट्टरपंथी था। वह इस बात पर लगातार जोर देता था कि आतंकी साजिश को अंजाम देने के लिए एक आत्मघाती हमलावर की जरूरत थी।

आतंकियों की साजिश उस समय विफल हो गई जब ऐन मौके पर जसीर उर्फ दानिश ने फिदायीन दस्ते में शामिल होने से मना कर दिया था। जसीर ने इस्लाम में खुदकुशी वर्जित होने का हवाला देते हुए सुसाइड बॉम्बर बनने से इनकार कर दिया था। पूछताछ में यह बात भी सामने आई कि दिल्ली बम धमाके के मास्टरमाइंड डॉ. उमर

नबी ने जसीर का ब्रेनवॉश किया था। उसे आत्मघाती हमलावर बनने के लिए राजी किया था। फरीदाबाद में विस्फोटकों की बरामदगी के मामले में गिरफ्तार डॉक्टरों ने पूछताछ में यह भी बताया था कि राजनीति विज्ञान के छात्र जसीर को उमर ने 2023 से ही सुसाइड बॉम्बर के लिए कट्टरपंथी बनाया जा रहा था। 2025 में जब उसे हमला करने के लिए कहा गया तो जसीर ने इनकार कर दिया था कि इस्लाम में आत्महत्या करना गुनाह है।

अप्रैल 2025 में जसीर पीछे हटा, योजना हुई फेल

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फरीदाबाद स्थित अल-फलाह विश्वविद्यालय के पास एक किराए के मकान में डॉ. उमर ने आत्मघाती हमला करने के लिए कई महीनों तक जसीर का ब्रेनवॉश किया था। अप्रैल 2025 में जसीर पीछे हट गया तो आतंकियों की यह योजना फेल हो गई। आपको बता दें कि आतंकी डॉ. उमर नबी ने दिल्ली में लाल किले के पास में कार से धमाका किया गया था। धमाके में 14 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कई घायलों का इलाज जारी है। लाल किला मेट्रो के सामने कार बम धमाका करने वाले डॉ. उमर उन नबी के फोन में पुलिस को फिदायीन हमले को महिमामंडित करने वाला वीडियो मिला है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उमर का यह फोन बरामद किया है। उमर ने आत्मघाती हमले के बारे में बात करते हुए अपने कई वीडियो बनाए और दावा किया कि इस तरह का काम धर्म में सबसे प्रशंसनीय है।

उमर का ऐसा ही लगभग दो मिनट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। वीडियो देखकर एजंसियां मान रही कि लोगों के दिमाग में जहर भरने के लिए उमर ऐसे वीडियो रिकॉर्ड करता था। वीडियो के दौरान उमर एक कमरे में अकेला कुर्सी पर बैठकर फिदायीन हमले पर अपनी राय रखता दिख रहा है। उमर कहता है सुसाइड बांबिंग बहुत गलत समझे जाने वाले विचारों में से एक है। यह दरअसल शहादत का अभियान है। वीडियो के दौरान उसके चेहरे पर किसी तरह की कोई परेशानी या डर नहीं है। हालांकि रिकॉर्डिंग के दौरान वह कई बार लड़खड़ाता भी दिख रहा है और फिर अचानक वीडियो समाप्त कर देता है। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि यह महत्वपूर्ण सबूत उमर के भाई जहूर इलाही को हिरासत में लिए जाने और उससे पूछताछ के बाद सामने आया। जब इस पूरे सफेदपोश आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड़ होने आरंभ हुआ तो इलाही को श्रीनगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जीवी संदीप चक्रवर्ती की ओर से गठित एक विशेष टीम ने गिरफ्तार किया।

कश्मीर में सीआईके का छापा

श्रीनगर में डॉक्टर और पत्नी हिरासत में दुख्तरान-ए-मिल्लत से जुड़े होने की आशंका

श्रीनगर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) विंग ने छापा मारकर श्रीनगर के एसएमएचएस अस्पताल के सुपर स्पेशियलिटी में तैनात एक डॉक्टर और उसकी पत्नी को हिरासत में लिया है। सरकारी डॉक्टर पर गैरकानूनी गतिविधियों को छिपाने और उसकी पत्नी पर स्थानीय महिलाओं को कट्टरपंथी विचारधारा से जोड़ने का आरोप है। प्रतिबंधित आतंकी संगठन दुख्तरान-ए-मिल्लत से जुड़े होने की आशंका को लेकर भी पत्नी जांच के दायरे में है।

सीआईके के एसएसपी ताहिर अशरफ ने बताया कि गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत कोर्ट से जारी वारंट को लेकर श्रीनगर, कुलगाम और अनंतनाग जिले में चार स्थानों पर तलाशी ली गई। उन्होंने बताया कि डॉक्टर व उसकी पत्नी मूल रूप से दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के बुगाम के रहने वाले हैं और शेरीन बाग श्रीनगर में रह रहे थे।

एसएसपी ने बताया कि डॉक्टर की पत्नी पर स्थानीय महिलाओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन गतिविधियों के जरिए कट्टरपंथी बनाने, विभाजनकारी बातें फैलाने और सामुदायिक संपर्क के बहाने कमजोर समूहों को प्रभावित करने के आरोप हैं। दुख्तरान-ए-मिल्लत से उसके जुड़े होने की फिलहाल जांच चल रही है। डॉक्टर गैरकानूनी गतिविधियों को छिपाने के लिए अपने पद और सामाजिक प्रतिष्ठा का दुरुपयोग कर रहा था। इस सबसे शांति और संप्रभुता को गंभीर खतरा पैदा हो रहा था।

बरामद उपकरणों के फोरेंसिक विश्लेषण से नेटवर्क का लगाया जा रहा पता

सीआईके की टीमों ने कई डिजिटल उपकरण और आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। इसमें पांच मोबाइल फोन, पांच सिम कार्ड, एक टैबलेट, दस्तावेज और साहित्य शामिल हैं। एसएसपी ने बताया कि बरामद सभी उपकरणों का विस्तृत फोरेंसिक विश्लेषण किया जा रहा है। इससे दुष्प्रचार के संगठित प्रयासों से जुड़े एक व्यापक डिजिटल नेटवर्क का पता चलने की उम्मीद है। इनकी गतिविधियों का उद्देश्य चरमपंथी सामग्री को बढ़ावा देना और जनता की धारणा को प्रभावित करना था। उन्होंने कहा कि फिलहाल धरपकड़ और जांच जारी है।

दुख्तरान-ए-मिल्लत हिजबुल का मुखौटा संगठन रहा है

दुख्तरान-ए-मिल्लत (राष्ट्र की बेटियां) एक महिला संगठन था जो कश्मीर में इस्लामी कानून स्थापित करने और प्रदेश को देश से अलग करने के लिए जिहाद की वकालत करता था। यह आतंकवादी समूह हिजबुल मुजाहिदीन का एक मुखौटा संगठन रहा है। इस समूह की स्थापना 1987 में हुई थी और इसकी प्रमुख आसिया अंद्राबी थी।

1990 के दशक की शुरुआत में कश्मीर में उग्रवाद के दौरान इस समूह ने नकाब और बुर्का न पहनने वाली महिलाओं को धमकियां दीं। इनमें से कुछ एसिड हमलों का शिकार हुईं। भारत सरकार ने इसे एक आतंकवादी संगठन घोषित किया और 2018 में इस पर प्रतिबंध लगा दिया। यह समूह मुख्य रूप से सशस्त्र गतिविधियों के बजाय इंटरनेट प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी गतिविधियां चलाता था। 2018 में एनआईए ने इसकी नेता आसिया अंद्राबी और उसकी सेक्रेटरी को आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

केंद्र सरकार ने मदुरै और कोयंबटूर के लिए मेट्रो प्रस्ताव लौटाया

> स्टालिन बोले-ये बदले की कार्रवाई

चेन्नई, 19 नवंबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने बुधवार को केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र ने मदुरै और कोयंबटूर के मेट्रो रेल प्रोजेक्ट इसलिए खारिज किए हैं क्योंकि तमिलनाडु ने चुनावों में भाजपा को नकारा है। स्टालिन ने इसे जनता से बदला लेने जैसा कदम बताया। सीएम स्टालिन ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मदुरै- जिसे 'मंदिरों का शहर' कहा जाता है और कोयंबटूर- जिसे 'दक्षिण भारत का मैनचेस्टर' कहा जाता है-दोनों को मेट्रो की जरूरत है। लेकिन केंद्र ने कमजोर और तर्कहीन कारणों के आधार पर इन प्रोजेक्ट्स को ठुकरा दिया।

केंद्र ने क्या कहा?

रिपोर्टों के अनुसार, केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय ने राज्य सरकार की डीपीआर (डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट) लौटा दी है। मंत्रालय का कहना है कि मेट्रो रेल पॉलिसी 2017 के मुताबिक, सिर्फ उन्हीं शहरों को केंद्रीय मदद दी जा सकती है जिनकी आबादी 2011 की जनगणना के अनुसार 20 लाख से ज्यादा हो। जबकि कोयंबटूर की आबादी- लगभग 15.84 लाख और मदुरै की आबादी- लगभग 15 लाख है। इस आधार पर दोनों शहर पात्रता से बाहर बताए गए।

स्टालिन का सवाल-फिर भाजपा-शासित राज्यों को मंजूरी कैसे?

सीएम स्टालिन ने कहा कि नीति का एक जैसा उपयोग नहीं हो रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब आगरा, भोपाल और पटना, जहां आबादी 20 लाख से कम है, को मेट्रो मंजूर हो सकती है, तो मदुरै और कोयंबटूर को क्यों नहीं? उन्होंने इसे भेदभावपूर्ण रवैया और विपक्ष-शासित राज्यों को सजा देने जैसा बताया।

ये बदले की राजनीति है- स्टालिन

सीएम स्टालिन ने आगे कहा कि सरकार जनता की सेवा के लिए होती है, लेकिन केंद्र प्रतिशोध की भावना से काम कर रहा है और यह रवैया लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि मदुरै और कोयंबटूर जैसे तेजी से बढ़ते शहर आधुनिक मेट्रो सिस्टम के हकदार हैं, और केंद्र का नो मेट्रो जवाब उनकी आकांक्षाओं को ठेस पहुंचाता है।

राज्य का दावा-मेट्रो की तैयारी पूरी थी

तमिलनाडु सरकार ने फरवरी से दिसंबर 2024 के बीच दोनों शहरों के लिए, डीपीआर, कॉमप्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान, अल्टरनेटिव एनालिसिस रिपोर्ट, केंद्र को भेजी थी। मार्च 2025 में केंद्र ने संसद में कहा था कि प्रोजेक्ट्स पर विचार हो रहा है, लेकिन अब इन्हें खारिज कर दिया गया।

2026 तक बद्रीनाथ बनेगा स्मार्ट स्पिरिचुअल सिटी

> 481 करोड़ की लागत, पीएमओ कर रहा मॉनिटरिंग

चमोली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड का बद्रीनाथ धाम अब सिर्फ तीर्थ स्थल नहीं, बल्कि जल्दी ही एक स्मार्ट आध्यात्मिक सिटी के रूप में विकसित होगा। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और मौजूदा सुविधाओं की कमी को देखते हुए 481 करोड़ रुपये की लागत से तैयार मास्टर प्लान के तहत यहां पर तेजी से निर्माणकार्य किए जा रहे हैं। श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी कहते हैं कि- 2026 के अंत तक इस मास्टर प्लान के तहत काम पूरा हा जाएगा, हालांकि 5 साल पहले जब ये मास्टर प्लान लाया गया था तब इसकी समय सीमा 2025 रखी गई थी। अभी बद्रीनाथ में संकरी गलियां, अव्यवस्थित पार्किंग, सार्वजनिक सुविधाओं की कमी और यातायात जाम जैसी समस्याएं आम हैं। मास्टर प्लान का उद्देश्य है इन समस्याओं को दूर करना और धाम को आने वाले 50 सालों के लिए सुरक्षित, सुव्यवस्थित और आधुनिक बनाना।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने बताया कि बद्री-केदार धाम के विकास पर पीएम नरेंद्र मोदी विशेष ध्यान दे रहे हैं। उन्होंने कहा-पीएमओ इस प्रोजेक्ट की लगातार मॉनिटरिंग कर रहा है। हमारी सरकार भी नियमित समीक्षा कर रही है। मैं स्वयं मौके पर जाकर प्रगति देखता हूं। मुख्य सचिव और गढ़वाल आयुक्त भी समय-समय पर जाकर कार्य की गुणवत्ता और स्थानीय लोगों की राय लेते हैं। मास्टर प्लान के तहत मंदिर परिसर को पूरी तरह से नए तरीके से व्यवस्थित किया जाएगा। मंदिर के चारों ओर की गलियों को चौड़ा किया जाएगा और यातायात को सुव्यवस्थित किया जाएगा, ताकि तीर्थयात्रियों को दर्शन में कोई बाधा न हो। अलकनंदा नदी के किनारे एक सुंदर रिवरफ्रंट और ओपन प्लाजा विकसित किया जाएगा, जो श्रद्धालुओं के अनुभव को और भी बेहतर बनाएगा। बिजली, पानी, सफाई और सार्वजनिक पार्किंग जैसी मूलभूत सुविधाओं को उन्नत किया जाएगा, जिससे धाम में आने वालों को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इस योजना का मुख्य कारण बढ़ती तीर्थयात्रियों की संख्या और धाम में जाम, गंदगी और अव्यवस्था जैसी समस्याओं को दूर करना है। इसके साथ ही, परियोजना में पर्यावरण और भूकंपीय सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

पूरी तरह से तैयार होने पर लोगों को मिलेगा फायदा

अगले 50 सालों में तीर्थ यात्रियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए परियोजना का भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचा तीन चरणों में पूरा किया जाएगा, जो 85 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैला हुआ है। इसके साथ ही बद्रीनाथ धाम के स्मार्ट आध्यात्मिक सिटी बनने के बाद पूरे धाम की तस्वीर बदल जाएगी, जिससे तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या के बावजूद दर्शन के लिए पर्याप्त जगह और आरामदायक व्यवस्था होगी। संकरी गलियों और जाम की समस्या समाप्त होगी, और मुख्य मार्ग चौड़े किए जाने के कारण यातायात सुचारू रूप से चलेगा। मंदिर के आसपास के घाट, तप्त कुंड और ब्रह्मकपाट जैसी महत्वपूर्ण पूजा स्थलों तक पहुंच आसान और सुरक्षित होगी।

पंजाब में ढाई करोड़ बैंक खाते निष्क्रिय-14,818 करोड़ का दावेदार नहीं, राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की रिपोर्ट

चंडीगढ़, 19 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के बैंकों में 2.52 करोड़ खाते (बैंक अकाउंट) ऐसे हैं जिनमें पिछले 10 साल से कोई लेन-देन नहीं हुआ है। इन खातों को निष्क्रिय श्रेणी में डालकर बैंकों ने इनमें जमा करीब 14,818 करोड़ रुपयों को नियमों के अनुसार रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के डिपॉजिटर एंड अवेयरनेस फंड (डीईए) में जमा करवा दिया है। राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति की एक रिपोर्ट में यह बात सामने आई है जिसे समिति ने हाल ही में बैठक में पेश किया था। रिपोर्ट के अनुसार विभिन्न बैंकों में इस समय 2.52 करोड़ बचत खाते निष्क्रिय हैं जिनमें हजारों करोड़ रुपये जमा हैं। इसी तरह प्रधानमंत्री जनधन योजना के तहत खुले 35.97 लाख खाते निष्क्रिय हो गए हैं और इनमें 481 करोड़ रुपये जमा है।

लोगों ने इन खातों को न तो अपडेट करवाया और न ही इनमें लेन-देन किया। अधिकतर खाते ऐसी परस्थितियों में निष्क्रिय हो हुए जब खाताधारक स्थानांतरित हो गए या फिर उनका बैंक बदल गया। अधिकारी ने बताया कि बैंक खाताधारकों को ढूंढ रहा है।। इसके लिए समिति भी लगातार बैंकों को उचित दिशा-निर्देश जारी कर रहा है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में सबसे अधिक 88.26 लाख बैंक खाते निष्क्रिय हो गए हैं जिनमें खाताधारकों के 5417 करोड़ रुपये जमा है। इसी तरह स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में दूसरे नंबर पर 35.30 लाख खाते निष्क्रिय हो गए हैं जिनमें 1976 करोड़ रुपये जमा हैं।

गुजरात पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय साइबर गुलामी नेटवर्क के सरगना को दबोचा

चीनी गिरोह कर रहा था संचालन

अहमदाबाद, 19 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात पुलिस ने एक बड़े अंतरराष्ट्रीय साइबर गुलामी रैकेट का भंडाफोड़ करते हुए इसके कथित सरगना नीलेश पुरोहित उर्फ नील को गिरफ्तार कर लिया है। यह वही शख्स है जिसे गिरोह में 'द घोस्ट' कहा जाता था, क्योंकि वह पर्दे के पीछे से पूरे नेटवर्क को चलाता था और पकड़ में नहीं आता था। यह नेटवर्क चीन से संचालित गिरोह के लिए म्यांमार और कंबोडिया में चल रहे साइबर स्कैम कैंपों को लोगों की सप्लाई करता था। गुजरात के उपमुख्यमंत्री और गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी।

कैसे पकड़ा गया द घोस्ट?

सीआईडी- क्राइम की साइबर सेंटर फॉर एक्सीलेंस टीम ने नील को गांधीनगर से तब पकड़ा जब वह कथित तौर पर मलयेशिया भागने की तैयारी में था। इससे पहले पुलिस उसके दो मुख्य साथियों, हितेश सोमैया और सोनल फलदू, को गिरफ्तार कर चुकी थी। इस रैकेट से जुड़े दो अन्य आरोपी, भवदीप जडेजा और हरदीप जडेजा, भी पकड़े जा चुके हैं। अधिकारियों के अनुसार यह रैकेट नौकरी की तलाश में युवाओं को विदेश में मोटी सैलरी वाली डेटा एंट्री जैसी नौकरियों का झांसा देता था। लोगों से सोशल मीडिया, टेलीग्राम, इंस्टाग्राम और फेसबुक. के जरिये संपर्क किया जाता था। फिर उनका पासपोर्ट छीन लिया जाता, उन्हें बंधक बनाकर म्यांमार ले जाया जाता और वहां उनसे जबरन साइबर अपराध करवाए जाते, जैसे फिशिंग, क्रिप्टो स्कैम, पोंजी स्कीम और डेटिंग ऐप फ्रॉड। जो लोग इनकार करते, उन्हें शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

पुलिस जांच में सामने आया कि, नील 126 से ज्यादा सब-एजेंट्स को संभालता था, पाकिस्तान के 30+ एजेंट्स से उसका सीधा संपर्क था, 100 से अधिक चीनी और विदेशी कंपनियों से उसकी सांठगांठ थी और वह 1000 से अधिक लोगों को कंबोडिया और म्यांमार भेजने की नई डील तैयार कर चुका था।

पत्नी को गोली मारकर खुद को शूट किया

राजकोट, 19 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट के नागेश्वर इलाके में 15 नवंबर को एक पति ने पत्नी को गोली मारकर हत्या कर सुसाइड कर लिया था। इस वारदात का सीसीटीवी फुटेज सामने आए हैं, जिसमें हत्या और फिर सुसाइड की पूरी घटना साफ देखी जा सकती है। पत्नी के भतीजे से प्रेम प्रसंग थे, इसी बात को लेकर दोनों के बीच डेढ़ महीने से झगड़ा चल रहा था।

पत्नी को भतीजे के साथ रंगे हाथों पकड़ लिया था

मृतक लालजीभाई की बड़ी बहन ने बताया कि लालजी और त्रिशा की शादी करीब बीस साल पहले हुई थी और उनका 18 साल का एक बेटा भी है। डेढ़ महीने पहले लालजी ने कथित तौर पर अपनी पत्नी त्रिशा और भतीजे विशाल को आपत्तिजनक हालत में पकड़ लिया था। इसके बाद त्रिशा घर छोड़कर अपनी दोस्त पूजा के साथ रहने लगी थी, जिससे परिवार में तनाव और बढ़ गया था। लालजी कई बार त्रिशा से वापस घर आने की गुहार लगा चुका था, लेकिन त्रिशा वापस घर आने तैयार नहीं थी। इसके चलते लालजी तनाव में थे और इस वारदात को अंजाम दे दिया।

बगैर बीमा वाले हेलिकॉप्टर में उड़ रहे सीएम मोहन

18 अक्टूबर को खत्म हो चुका फ्रांस की कंपनी के हेलिकॉप्टर का इंश्योरेंस, दोबारा बुलाए हैं टेंडर

- सरकार के बेड़े में एक हेलिकॉप्टर ईसी 155 बी 1 है।
- 2011 में फ्रांस की यूरोकॉप्टर कंपनी से 10.5 मिलियन यूरो में खरीदा था।
- **कैपिसिटी-** 2 चालक दल और 6 यात्री समेत 8 लोग
- **वजन-** 4690 किलोग्राम
- **खासियत-** 2 इंजन। 324 किमी प्रति घंटे की स्पीड।

भोपाल, 19 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस समय बिना बीमा वाले हेलिकॉप्टर से उड़ रहे हैं। सीएम इस हेलिकॉप्टर से प्रदेश की राजधानी के अलावा अलग-अलग जिलों में पहुंच रहे हैं। फ्रांस की कंपनी से खरीदे गए हेलिकॉप्टर के बीमा के लिए सरकार ने बीमा कंपनियों से 70 करोड़ रुपए के ऑफर मांगे थे, लेकिन कोई कंपनी आगे नहीं आई। विमानन विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि उन्हें हेलिकॉप्टर के बीमा खत्म होने की जानकारी नहीं है। इस मामले में विमानन विभाग के कमिश्नर चंद्रमौली शुक्ला ही अधिक स्पष्ट जानकारी दे सकते हैं।

बीमा न होने के बावजूद उड़ानें जारी

बताया जाता है कि 18 अक्टूबर से इस हेलिकॉप्टर का बीमा समाप्त हो चुका है। इसके बावजूद सीएम, मंत्री और अधिकारियों की टीम इसमें दौरे कर रही है। अब 14 नवंबर को विमानन विभाग ने 27 नवंबर तक बीमा के लिए नया टेंडर जारी किया है।

बीमा कंपनियों के सामने रखी गई शर्तें

हेलिकॉप्टर का बीमा कराने के लिए सरकार ने कंपनियों के समक्ष शर्त रखी है कि किसी भी दुर्घटना, हाईजैक या आतंकी हमले की स्थिति में नुकसान की भरपाई बीमा कंपनी करेगी। बीमा में फिजिकल लॉस या डैमेज, उड़ान, ऑपरेशन, टैक्सी सेवा या ग्राउंड कवरेज शामिल होंगे। थर्ड पार्टी लायबिलिटी के अंतर्गत हेलिकॉप्टर की प्रॉपर्टी, पैसेंजर और क्रू लीगल लायबिलिटी बीमा में शामिल होगी। प्रस्तावित मूल्य दो करोड़ रुपए तय किया गया है।

वर्तमान बीमा में हल ऑल रिस्क, हल वार रिस्क, थर्ड पार्टी, पैसेंजर और क्रू लायबिलिटी डीजीसीए नियमों के अनुसार शामिल हैं।

2021 में हुई थी दुर्घटना

कोरोना काल में 6 मई 2021 को राज्य सरकार का प्लेन बिना बीमा के डैमेज हो गया था। यह विमान गुजरात से रेमडेसिविर इंजेक्शन लेकर ग्वालियर आ रहा था। लैंडिंग के दौरान रनवे से करीब 300 फीट पहले लगे अरेस्टर बैरियर से टकराने के कारण विमान क्षतिग्रस्त हो गया था। विमान का कॉकपिट और प्रोपेलर ब्लेड क्षतिग्रस्त हो गए थे। यह दो इंजन वाला किंग एयर बी-250 (टर्बोप्रॉप) विमान था, जिसमें 9 यात्री और 2 पायलट बैठ सकते थे। मई 2021 तक इस विमान ने 210 घंटे 2 मिनट की उड़ानें पूरी की थीं।

कांग्रेस उठा चुकी है जेट विमान खरीदी पर सवाल

उधर, मोहन यादव सरकार द्वारा चैलेंजर 3500 जेट विमान की खरीदी को एक साल पहले मंजूरी दी जा चुकी है।

इसके बाद प्रदेश कांग्रेस के मीडिया सलाहकार रहे केके मिश्रा ने कहा कि 2021 में दुर्घटनाग्रस्त हुए विमान का बीमा नहीं होने पर सवाल उठाए थे।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 20 नवंबर- 2025

10वीं बार भी नीतीशे कुमार

बिहार के क्या देश के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक नेताओं में गिने जाने वाले नीतीश कुमार उन चुनिंदा मुख्यमंत्रियों में शामिल हैं, जिन्होंने विकास, शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और प्रशासनिक सुधारों पर दिन-रात काम किया। उनकी ईमानदार छवि और सादगीपूर्ण जीवनशैली के कारण ही जनता ने उन्हें सुशासन बाबू के नाम का तमगा दिया है। दशकों से बिहार की राजनीति की धुरी बने नीतीश कुमार ने राज्य को नई दिशा देने में कोई कसर बाकी नहीं रखा है। नीतीश कुमार 20 नवंबर, 2025 को 10वीं बार पटना के गांधी मैदान में मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे, जो बिहार की राजनीति में एक रिकॉर्ड है। 19 नवंबर को हुई जेडीयू विधायक दल की बैठक में नीतीश कुमार को विधायक दल का नेता चुना गया। राजनीति में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले नीतीश कुमार पढ़ाई में भी मेधावी छात्र रहे हैं। इसके बावजूद उनकी सादगी भरे आचरण और ईमानदार छवि की मिसालें पूरे देश में दी जाती है। नीतीश कुमार का जन्म 1 मार्च 1951 को पटना जिला के बख्तियारपुर में हुआ। उनके पिता कविराज राम लखन सिंह स्वतंत्रता सेनानी और आयुर्वेद चिकित्सक थे, जबकि उनकी माता परमेश्वरी देवी गृहिणी। एक साधारण मध्यमवर्गीय और मूल्यों से भरे वातावरण में पले-बढ़े नीतीश कुमार के भीतर बचपन से ही अनुशासन, सरलता और जिम्मेदारी की भावना विकसित हुई, जिसने आगे चलकर उनके राजनीतिक जीवन को एक बडा आकार दिया। नीतीश कुमार की शुरुआती पढ़ाई बख्तियारपुर के स्थानीय विद्यालयों में हुई। संसाधनों की कमी के बावजूद उन्होंने पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। हाई स्कूल की शिक्षा उन्होंने श्री गणेश हाई स्कूल से पूरी की, जहां वे हर विषय में अव्वल रहते थे। उच्च शिक्षा के लिए उन्होंने प्रतिष्ठित पटना साइंस कॉलेज में दाखिला लिया। 1960 के दशक में यहां का माहौल बौद्धिक बहस और शैक्षिक सुधारों से भरा था, जिसका प्रभाव नीतीश कुमार की सोच और दृष्टि पर दिखाई देती है। 1972 में उन्होंने बिहार इंजीनियरिंग कॉलेज (अब एनआईटी पटना) से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की। कॉलेज के दौरान वे तकनीकी क्लबों और प्रोजेक्ट्स में सक्रिय रहे। इंजीनियरिंग के बाद नीतीश कुमार ने बिहार स्टेट इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड में नौकरी की, जहां उन्होंने बिजली वितरण से जुड़े कई तकनीकी प्रोजेक्ट्स पर काम किया। लेकिन समाज और राजनीति के प्रति बढ़ते रुझान के कारण उन्होंने नौकरी छोड़ दी और पूर्णकालिक राजनीति में प्रवेश किया। नीतीश की राजनीतिक यात्रा 1970 के दशक के जेपी आंदोलन से शुरू हुई। लोकनायक जयप्रकाश नारायण के सिद्धांतों से प्रभावित होकर वे छात्र और युवा राजनीति में सक्रिय हुए। 1985 में पहली बार बिहार विधानसभा के लिए चुने गए और आगे चलकर समता पार्टी व फिर जदयू के प्रमुख नेताओं में शामिल हो गए। नीतीश कुमार पहली बार 2000 में थोड़े समय के लिए मुख्यमंत्री बने, लेकिन 2005 में उन्हें मजबूत जनादेश मिला। इसके बाद उन्होंने कानून-व्यवस्था, सड़क, बिजली, शिक्षा, शासन सुधार और महिला कल्याण जैसे क्षेत्रों में बड़े बदलाव किए। उनकी नीतियों ने बिहार को पिछड़ेपन को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री रहते हुए भी नीतीश कुमार ने शिक्षा और प्रशासनिक सुधारों को अपनी प्राथमिकता बनाए रखा। विद्यालयों में सुविधाएँ बढ़ाने, छात्रावासों, साइकिल और वर्दी योजनाओं, तथा उच्च शिक्षा को प्रोत्साहन देने वाली नीतियों ने बिहार में शिक्षा के स्तर को नई पहचान दी।

स्त्री संकल्पः बदलाव का नया ग्रंथ

आरके जैन

शायद मानव इतिहास के सबसे भारी पलों में से एक वह था, जब खेल के मैदानों पर औरतों के कदमों की आहट तक दर्ज नहीं की जाती थी—मानो उनकी रफ़्तार हवा में घुलने से पहले ही रोक दी जाती हो, मानो उनकी क्षमताओं पर किसी अदृश्य मोहर लगा दी गई हो। लेकिन समय की सबसे सुंदर बात यही है कि वह स्थिर नहीं रहता। आज, वही मैदान एक बदलती हुई दुनिया की गवाही दे रहे हैं—एक ऐसी दुनिया, जहाँ महिला खेलों का उदय सिर्फ़ खेल नहीं, बल्कि चेतना, साहस और बराबरी का महाआलाप बन गया है। और इसी उठती ध्वनि में युवाओं की ऊर्जा, उम्मीद और दृष्टि सबसे ज़्यादा चमकती दिखती है।

महिला खेलों की यह यात्रा किसी अचानक हुए चमत्कार की कहानी नहीं; यह अनगिनत संघर्षों, तिरस्कारों और उपेक्षाओं के बीच बूंद-बूंद अर्जित किया गया सम्मान है। एक समय दुनिया तिरछी आँखों से पूछती थी—"क्या लड़कियाँ इतनी दूर तक जा पाएँगी?" "क्या उनका शरीर, उनका साहस, इतनी मार सह सकेगा?" आज वे सवाल इतिहास के कबाड़खाने में पड़ी जंग लगी धातु की तरह हैं—बेकार, बेसुरे और बिल्कुल बेअसर। क्यों? क्योंकि मैदान में उतरकर महिला खिलाड़ियों ने इन सवालों का जवाब शब्दों से नहीं, बल्कि प्रदर्शन, हौसले और रिकॉर्डों से दिया है।

जब मैरी कोम ने पहली बार रिंग में कदम रखा था, तो शायद ही किसी ने सोचा था कि एक दिन पूरा देश उनकी एक पंच के लिए साँसें थाम लेगा। एक छोटे से मणिपुरी गाँव की वो लड़की, जिसके हाथों में कभी सिर्फ़ खेत का औज़ार और मजबूरी थी, वह आज दुनिया की सबसे ख़तरनाक मुक्केबाज़ों में से एक थी। उस पल में सिर्फ़ एक मुक्केबाज़ नहीं जीती थी—जीती थी हज़ारों-लाखों लड़कियाँ, जिन्हें अब कोई कह सकता था कि "लड़कियों का खेल में क्या काम?" महिला खेलों का यह उदय कोई साधारण घटना नहीं है; यह एक क्रांति है, जो सदियों की चुप्पी को चूर-चूर कर रही है। और इस क्रांति का सबसे बड़ा हथियार है—युवा पीढ़ी को मिल रही वह प्रेरणा, जो न सिर्फ़ स्टेडियम में तालियाँ बटोरती है, बल्कि घरों, गलियों और सपनों में जेंडर इक्वालिटी की नई इबारत लिख रही है।

कुछ दशक पहले तक खेल का मैदान पुरुषों का पर्याय था। क्रिकेट, फुटबॉल, कुश्ती—हर जगह वही पुराना गीतः "मर्दों का खेल, मर्द ही खेलेंगे।" लड़कियों को या तो दर्शक दीर्घा में बिठाया जाता था या घर में खाना पकाने की ट्रेनिंग दी जाती थी। लेकिन 21वीं सदी ने यह मिथक तोड़ दिया। पीवी सिंधु ने बैडमिंटन कोर्ट पर जो उड़ान भरी, साइना ने जो आक्रामकता दिखाई, हरमनप्रीत कौर ने जो छक्के जड़े, और द्यूती चंद ने जिस स्पीड से 100 मीटर की रेखा पार की—ये सब सिर्फ़ मेडल नहीं थे, ये समाज को थप्पड़ थे। ये वो सबूत थे कि शारीरिक शक्ति, दृढ़ता और जीत का जेंडर से कोई लेना-देना नहीं।

यह बदलाव सिर्फ़ भारत तक सीमित नहीं है। सिमोन बाइल्स ने जिम्नास्टिक्स में जो करतब दिखाए, नाओमी ओसाका ने टेनिस में जो मानसिक स्वास्थ्य की बात उठाई, एलेक्सिया पुटेलास ने फुटबॉल में जो कमाल किया—ये सब एक वैश्विक लहर का हिस्सा हैं। आज विश्व कप फुटबॉल में महिला मैच पुरुष मैचों से ज़्यादा दर्शक खींच रहे हैं। ओलंपिक में महिला एथलीटों की संख्या लगभग पुरुषों जितनी हो चुकी है। यह सिर्फ़ आँकड़े नहीं, यह समाज के सोच के टूटने की आवाज़ है। लेकिन असली ताकत इस उदय की कहीं और है—युवाओं के सपनों में। जब कोई दस साल की बच्ची टीवी पर साक्षी मलिक का ब्रॉन्ज़ मेडल देखती है, तो वह सोचती है, "मैं भी कर सकती हूँ।" जब गाँव की लड़की मिताली राज को कप्तान बनते देखती है, तो उसे लगता है कि नेतृत्व सिर्फ़ मर्दों का हक़ नहीं। यह प्रेरणा घरों में घुस रही है। माँ-बाप अब कहने लगे हैं, "बेटा पढ़ेगा, बेटी खेलेगी।"

नाकाम करना होगा दहशत का आतंकी ब्लूप्रिंट

मनोज कुमार अग्रवाल

भारत में दहशतगर्द लगातार पंख फैलाने की फिराक में है। दिल्ली का कार ब्लास्ट आतंकी हमला घोषित हो चुका है। इसके पीछे पाकिस्तानी आतंकी संगठन की संलिप्तता भी उजागर हो गई है। ऐसे में केंद्र सरकार के उस बयान की खूब चर्चा हो रही, जिसमें कहा गया था कि भारत के खिलाफ कोई भी आतंकी हमला एक्ट ऑफ वॉर माना जाएगा। भारत फिर पाकिस्तान के खिलाफ कार्रवाई करेगा। लोगों में यह भी चर्चा है कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर फिर शुरू करेगा तो पाकिस्तान के साथ कौन देश खड़े होंगे।

आपको पता रहे मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का साथ चीन और तुर्की ने दिया था। चीन लंबे समय से भारत विरोधी हरकते कर रहा। वहीं, भारत द्वारा हमेशा मदद किए जाने के बावजूद तुर्की विरोध में खड़ा हो रहा।करीब दो साल से लगातार अलग-अलग तरह के धमकी भरे हजार से अधिक ईमेल मिल चुके हैं, जिन्हें जांच एजेंसियां हर बार तकनीकी जांच के बाद फर्जी घोषित कर देती हैं। स्कूल, कॉलेज, सचिवालय, अदालत ऐसी कोई जगह नहीं बची है, जिसे बम से उड़ाने की धमकी न मिली हो। अधिकांश मामलों में ये ईमेल वीपीएन व डार्क वेब के जरिए भेजे जाते हैं, जिससे लोकेशन विदेश की दिखती है, लेकिन वास्तविक स्रोत तक पहुंच पाना पुलिस के लिए चुनौती बन जाता है।

आतंकी संगठनों की हरकतें बता रहीं हैं कि दिल्ली धमाका तो सिर्फ ट्रेलर था। पाकिस्तान का आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद भारत के खिलाफ फिदायीन अटैक को लेकर ब्लू प्रिंट कर चुका है। हर बार जांच में कुछ ठोस नहीं मिल पाता, लेकिन अब जब देशभर में आतंकी नेटवर्क की गतिविधियां सामने आ रही हैं और कई हमलों की साजिशें उजागर हुई हैं, तो इन पुराने मामलों का संदर्भ बेहद अहम हो गया है। जिस तरह बार-बार ये धमकी ईमेल अलग-अलग स्थानों को टारगेट करते हुए भेजे जा रहे थे, यह संभव है कि वे सिर्फ फर्जी नहीं थे, बल्कि किसी बड़ी आतंकी साजिश का संकेत दे रहे थे।

आतंकी हमले के बाद अब मंगलवार सुबह चार प्रमुख जिला अदालतों साकेत, द्वारका, पटियाला हाउस और रोहिणी कोर्ट के साथ-साथ दो सीआरपीएफ स्कूलों को जैश-ए-मोहम्मद के नाम से बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल मिला। आनन-फानन में इमारतें खाली कराई गईं और सूचना पर पहुंचा बम डिस्पोजल स्क्वाड (बीडीएस), स्निफर डॉग और फारेंसिक टीमों ने सर्च अभियान शुरू किया।

काफी तलाश के बाद जब कुछ संदिग्ध नहीं मिला तो इसे हक्स मेल करार दिया गया। वहीं पटियाला हाउस कोर्ट में धमकी भरा मेल ऐसे वक्त आया, जब थोड़ी देर बाद बम धमाके के आरोपित व साजिशकर्ता जासिर बिलाल वानी उर्फ दानिश की पेशी होने वाली थी। एनआइए की टीम आरोपित को पेश करने जा रही थी, उससे पहले कोर्ट के बाहर आरएएफ तैनात कर दी गई थी।

लाल किला ब्लास्ट की जांच में एजेंसियों को पता चला है कि फिदायीन तयअटैक का ब्लू प्रिंट पाकिस्तान में इसी साल तैयार हुआ था। जैश की मंशा है कि बेशक यह पहला सुसाइड बॉम्बर है, लेकिन आखिरी नहीं। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों की मानें तो जैश ए मोहम्मद ने टेरर फंडिंग और जिहाद के लिए 'डिजिटल कोर्स' लॉन्च किया है। सूत्रों ने बताया कि भारत के खिलाफ फिदायीन दस्ता तैयार करने को जैश-ए-मोहम्मद बड़े पैमाने पर हवाला के जरिए फंड जुटा रहा है।

एजेंसियों को इस संबंध में बेहद चौंकाने वाली जानकारी हाथ लगी है। लाल किला ब्लास्ट से 15 दिन पहले अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश ए मोहम्मद ने 'तुहफत उल मोमिनात' नाम से एक ऑनलाइन कोर्स शुरू किया था। यह कोर्स खास तौर से महिलाओं के लिए डिजाइन किया गया। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि इस ऑनलाइन कोर्स का मकसद मजहबी और जिहादी ट्रेनिंग देने के साथ-साथ संगठन की गतिविधियों के लिए पैसे जुटाना है। जैश ए मोहम्मद के टॉप कमांडरों की महिला रिश्तेदारों पर इस ऑनलाइन कोर्स का जिम्मा है। जिनमें मसूद अजहर की बहनें सादिया अजहर, समीरा अजहर और शिया अजहर है। इस कोर्स का प्रचार पहले से ही जैश के इंटरनल टेलीग्राम और वाट्सऐप ग्रुप के साथ-साथ दूसरे कट्टरपंथी प्लेटफॉर्म पर गुपचुप किया जा चुका है। सूत्रों का कहना है कि इस कोर्स में एडमिशन के लिए महिलाओं से 700 पाकिस्तानी करेंसी ली जा रही है। जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि तुहफत-उल-मोमिन वाट्सऐप, फेसबुक, यूट्यूब और टेलीग्राम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म मदरसों के रूप में काम कर रहे हैं।लाल किला के पास हुए फिदायीन हमले की जांच में एजेंसियों ने मंगलवार को एक संदिग्ध बांग्लादेशी एबीटी सदस्य इख्तियार को पकड़ा है। सूत्रों ने बताया कि जांच का फोकस भारत-बांग्लादेश के सीमावर्ती जिलों मालदा, मुर्शिदाबाद पर है। जिसके बारे में इनपुट मिला था कि लश्कर ए तैयबा के साथ विडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कुछ कट्टरपंथी ग्रुप संपर्क में हैं। पकड़े गए कथित बांग्लादेशी एबीटी मेंबर से पूछताछ चल रही है। जांच ऐजेंसी लाल किले के पास हुए आतंकी हमले में बांग्लादेश कनेक्शन की पुष्टि करने में जुटी हैं।पकड़े गए संदिग्ध का प्रतिबंधित संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) से जुड़े होने का शक है। जांच ऐजेंसी से जुड़े सूत्र का कहना है कि संदिग्ध इख्तियार एक बड़े नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। जिसने विस्फोट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने में मदद की है। एजेंसियों का मानना है कि इस संदिग्ध का साजिश में बॉर्डर पार से लिंक है। पांच दिन पहले जांच एजेंसियों को पता चला था कि बांग्लादेश के कट्टरपंथी संगठनों और लश्कर ए तैयबा के बीच ऑनलाइन विडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग हुई थी। इसमें एलईटी का टॉप कमांडर सैफुल्लाह सैफ और बांग्लादेशी सरकारी अधिकारी शामिल हुए थे।

आपको बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद तुर्की ने किस तरह से भारत से दुश्मनी निभाई, यह दुनिया देख चुकी है। अब दिल्ली में लाल किले के पास हुए धमाकों का भी कनेक्शन भारत के लिए दूसरे पाकिस्तान के तौर पर उभरते इसी मुल्क से जुड़ रहा है। दरअसल, इस वारदात के मुख्य संदिग्ध डॉ मोहम्मद उमर उर्फ उमर उन नबी और फरीदाबाद मॉड्यूल से जुड़े एक और संदिग्ध डॉ मुजम्मिल शकील के पासपोर्ट से उनके तुर्की की यात्रा का संकेत मिल रहे हैं और यह भी पता चल रहा है कि उन्हें वहीं से भारत में आतंकी साजिशों को अंजाम देने का फरमान मिल रहा था।जाहिर है भारत को मजहब के आधार पर मिल रही विदेशी साजिश को भी नेस्तनाबूद करना होगा।

स्कूलों में बुलिंग की अनदेखी बन रही जानलेवा

ज्ञान चंद पाटनी

नवंबर की शुरुआत में राजस्थान की राजधानी जयपुर के एक स्कूल में चौथी कक्षा की एक छात्रा अमायरा ने स्कूल की चौथी मंजिल से कूद कर जान दे दी थी। धीरे—धीरे इस मामले की परतें खुल रही हैं। इनसे स्कूली बच्चों में बुलिंग की बढ़ती प्रवृत्ति का भी खुलासा हो रहा है। यह प्रवृत्ति देशभर के स्कूलों में कम—ज्यादा नजर आ रही है। जयपुर के स्कूल में हुए हादसे से अब तक नहीं उबरीं अमायरा की मां ने भी अभिभावकों से भरी आवाज में अपील की है कि वे अपने बच्चों को बुलिंग से दूर रहने की सीख दें।

अमायरा की मां का दावा है कि सीसीटीवी फुटेज में नजर आ रहा है कि क्लास के ही बच्चे अमायरा का मजाक उड़ा रहे थे। अमायरा ने 35 मिनट में 5 बार क्लास टीचर के पास शिकायत की लेकिन उसने ध्यान ही नहीं दिया। अमायरा की मां का कहना है कि बेटी अमायरा स्पष्ट तौर पर बुलिंग का शिकार हुई है। मामले की जांच विभिन्न स्तरों पर चल रही है। सच क्या है, यह तो जांच के बात ही पता चलेगा लेकिन इस हादसे ने स्कूलों में बुलिंग की समस्या पर पहली बार गंभीरता से सभी का ध्यान आकर्षित किया है।

स्कूलों में बच्चों के साथ होने वाली बुलिंग एक गंभीर समस्या है। इससे उनके व्यक्तित्व विकास, मानसिक स्वास्थ्य और शिक्षा पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। बुलिंग का अर्थ है – बच्चों के बीच ऐसा जानबूझकर किया गया आक्रामक व्यवहार दोहराना जिसमें शक्ति या दबदबे का इस्तेमाल किया गया हो। इसमें शारीरिक हिंसा, मौखिक दुर्व्यवहार, साइबर बुलिंग, सामाजिक अलगाव या मनोवैज्ञानिक उत्पीड़न शामिल है। भारत में यह समस्या व्यापक है। मारपीट, धक्का देना, सामान तोड़ना या छीनने से लेकर तानों - भद्दे चुटकुलों, गाली, अपमानजनक बातें करना भी इसमें शामिल हैं। किसी बच्चे को ग्रुप में अलग-थलग करना या उसकी छवि खराब करना भी बुलिंग का हथियार है। अब तो साइबर बुलिंग भी हो रही है, यानी सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग या मैसेजिंग के जरिए डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बच्चों को धमकाया या तंग किया जा रहा है।

बुलिंग का मानसिक स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ता है। इससे बच्चों में अवसाद, चिंता, क्रोध, शर्म, अकेलापन, आत्मसम्मान की कमी और कभी-कभी आत्महत्या तक के मामले सामने आते हैं जैसा कि अमायरा के मामले में माना जा रहा है। बुलिंग से पीड़ित बच्चों की शिक्षा प्रभावित होती है। पढ़ाई में मन न लगना, परीक्षा में खराब प्रदर्शन, स्कूल से अनुपस्थित रहना या स्कूल छोड़ देना जैसे मामले सामने आते हैं। व्यवहार में परिवर्तन होता है। अचानक डर, चिड़चिड़ाहट, नींद न आना, भूख न लगना जैसी समस्या, सामाजिक गतिविधियों से दूरी बनाने जैसी प्रवृत्ति सामने आती है।

असल में भारत के स्कूलों में समय की पाबंदी या यूनिफॉर्म जैसे मामलों में तो कड़ाई बरती जाती है। निजी स्कूल तो फीस वसूली के मामले में बहुत कड़ाई बरतते हैं लेकिन बच्चों की बात सुनने—समझने पर ध्यान नहीं दिया जाता। इसलिए बच्चे दुर्व्यवहार की रिपोर्ट करने में भी हिचकिचाते हैं। सीनियर या अधिक उम्र वाले बच्चों में प्रभुत्व की भावना के कारण भी ऐसे मामले सामने आते हैं। स्कूली पाठ्यक्रम में सामाजिक और भावनात्मक शिक्षा समावेश भी न के बराबर है। बुलिंग के मामले रोकने के लिए स्कूल प्रशासन और शिक्षकों को बच्चों से नियमित संवाद करना चाहिए। लक्षणों को समय रहते पहचानना चाहिए और यदि ऐसा कोई मामला सामने आए तो तुरंत दोषी विद्यार्थियों की पहचान कर उनकी समझाइश करनी चाहिए। जरूरत होने पर बच्चों के माता—पिता से भी संपर्क करके सारी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए ताकि बच्चे इस तरह की प्रवृत्ति से दूर रहें और उनमें समझ पैदा हो। जरूरत पड़ने पर कड़ी कार्रवाई भी हो। विद्यार्थियों में करुणा, भाईचारे, सहिष्णुता और मित्रता जैसे भाव मजबूत करने पर खास ध्यान दिया जाए। इसे स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

माता-पिता की जिम्मेदारी है कि बच्चों पर निगाह रखें। व्यवहार में बदलाव हो तो सतर्क हो जाएं और उनसे संवाद बनाए रखें। बच्चों का आत्मविश्वास बनाए रखना सबसे जरूरी है। साइबर बुलिंग से बचने के लिए बच्चों को डिजिटल सुरक्षा के बारे में बताना चाहिए। उसे समझाएं कि वह किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर निजी जानकारी साझा न करे। साइबर उत्पीड़न के बारे में तुरंत बताए।

भारत में फिलहाल स्कूल बुलिंग के लिए विशिष्ट कानून नहीं है लेकिन किशोर न्याय अधिनियम, बाल अधिकार संरक्षण अधिनियम, और आईटी एक्ट के तहत साइबर बुलिंग जैसे मामलों में कार्रवाई संभव है। नई शिक्षा नीति में इस पर जरूर ध्यान दिया गया है।

एनसीईआरटी और यूनेस्को ने मिलकर स्कूल स्वास्थ्य और कल्याण कार्यक्रम को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता कार्यक्रम शुरू किए हैं। विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य, ऑनलाइन सुरक्षा, लैंगिक समानता और पोषण जैसे 11 महत्वपूर्ण विषयों पर शिक्षित करने के लिए एक पाठ्यक्रम तैयार किया गया है।

इस पाठ्यक्रम को एनिमेटेड वीडियो, कॉमिक्स और गतिविधियों के माध्यम से तैयार किया गया है। इसे लागू करने के लिए शिक्षकों और स्कूल प्रमुखों को प्रशिक्षित करने के लिए कई कार्यशालाएं आयोजित करने का दावा भी किया गया है लेकिन जमीन पर इसका असर नदारद है।

लगता है इस तरह के कार्यक्रमों के प्रति स्कूल गंभीर नजर नहीं हैं और इसे केवल रस्म अदायगी माना जा रहा है। इसलिए अमायरा प्रकरण जैसे मामले सामने आ रहे हैं। शिक्षा जरूरी है लेकिन सबसे जरूरी है बच्चों की सुरक्षा। इसलिए बुलिंग से निपटने के लिए स्कूल, परिवार, प्रशासन और समाज को मिलकर काम करना होगा।

सादगी का बाज़ार भाव

डॉ. सुरेश कुमार

माधवी एक साधारण-सी लड़की थी—इतनी साधारण कि उसकी सादगी बाज़ार में एक नया 'ट्रेंड' बन सकती थी। उसका सपना था कि वह देश के किसी प्रतिष्ठित कॉलेज से अपनी पढ़ाई पूरी करे, ताकि उसे एक 'स्थिर, बौद्धिक करियर' मिल सके। 'स्थिर' इसलिए, क्योंकि अस्थिरता तो केवल ग़रीबों के लिए होती है, और 'बौद्धिक' इसलिए, क्योंकि मध्यम वर्ग को अपनी सांसारिक कमाई को 'महान उद्देश्य' का चोला पहनाना ज़रूरी होता है। लेकिन किस्मत ने उसके लिए कुछ और ही तय कर रखा था—यानी, किस्मत ने भी उसे धोखा दिया। एक दिन, एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में, एक मशहूर फ़िल्म निर्देशक की नज़र उस पर पड़ी। निर्देशक को उसके चेहरे पर 'सादगी' नहीं, बल्कि बाज़ार में न बिका हुआ एक ताज़ा प्रोडक्ट दिखा। माधवी, जो कल तक 'पढ़ाई की चिंता' का नाटक कर रही थी, अचानक एक बड़ी फ़िल्म की नायिका बन गई। निर्देशक का आग्रह और परिवार का समर्थन—दोनों का मतलब एक ही थाः 'अरे मूर्ख! जब बिना मेहनत के पैसा और शौहरत मिल रही है, तो क्यों 'बौद्धिक करियर' के लिए सर फोड़ रही है?' और माधवी ने हाँ कह दी—क्योंकि उसे मालूम था कि फ़ैसला भले ही उसका हो, लेकिन 'हाँ' तो समाज की इच्छा का ही नतीजा थी। उसकी 'सादगी' अब करोड़ों का व्यापार थी। उसकी पहली फ़िल्म हिट हुई—इतनी हिट कि माधवी रातोंरात एक 'पहचान' बन गई। चारों ओर उसके नाम की चर्चा थी, और लोग उसकी सादगी के इस तरह दीवाने थे, जैसे सादगी कोई दुर्लभ वस्तु हो, जो केवल अमीरों के घरों में पाई जाती हो। यह उसके लिए एक नया, चमकदार संसार था—इंटरव्यू, प्रीमियर, और प्रशंसकों की भीड़। माधवी ने कुछ और फ़िल्मों में काम किया और 'सफलता उसके कदम चूमती रही'—जैसे सफलता कोई पालतू कुत्ता हो। मगर, इस चकाचौंध के पीछे एक बेचैनी थी।

असल में, माधवी को जल्द ही एहसास हो गया कि यह ग्लैमरस दुनिया, जो बाहर से आकर्षक थी, वह उसके भीतर की 'शांति' के लिए महँगी पड़ रही थी। उसे लगा कि कहीं कुछ छूट रहा है। उसे 'बौद्धिक संतुष्टि' और 'जीवन का गहरा अर्थ' कहीं और मिलेगा। यह व्यंग्य का चरम बिंदु है! माधवी को लगा कि उसने शौहरत कमा ली है, अब वह 'संतुष्टि' का अगला और ज़्यादा महँगा संस्करण ख़रीद सकती है। उसे लगा कि ग्लैमर दुनिया की 'शांति' घटिया है, इसलिए उसे विदेश जाकर उच्च शिक्षा में एक 'ब्रांडेड, इम्पोर्टेड शांति' ख़रीदनी चाहिए। उसने अपनी कला को, जिसने उसे सब कुछ दिया था, एक पुरानी रद्दी की टोकरी में फेंक दिया और फ़ैसला कियाः अब वह 'आँखों में आँसू भरकर प्रेम का संवाद' नहीं बोलेगी, अब वह 'डेटा' और 'फ़ाइनेंस' के जटिल सिद्धांतों पर उदास और गंभीर मुँह बनाकर' भाषण देगी।

माधवी का यह फ़ैसला साहसिक नहीं, बल्कि एक व्यवस्थित पलायन था। उसने अभिनय की चमक को पीछे छोड़ा और विदेश जाकर 'उच्च शिक्षा' प्राप्त करने का निश्चय किया—जैसे उच्च शिक्षा अब 'आंतरिक शांति' बेचने वाली एक दुकान हो। यह जोखिम भरा था, क्योंकि एक स्थापित करियर को छोड़कर बिल्कुल नई राह पर चलना था—लेकिन माधवी को जोखिम उठाने की आदत थी। वह करोड़ों का करियर छोड़कर, अब लाखों रुपए ख़र्च करके 'शांत मन' का लाइसेंस लेने विदेश गई थी। उसने ख़ुद को किताबों और बिज़नेस के जटिल सिद्धांतों में डुबो दिया। अब उसे महसूस हुआ, अरे वाह! 'बौद्धिक चुनौती' का स्वाद तो 'अंगूर खट्टे हैं' जैसा होता है! कई सालों की कड़ी मेहनत और लगन के बाद, उसने मार्केटिंग और फ़ाइनेंस में अपनी उच्च डिग्री पूरी की।

वह पहले ख़ूबसूरत थी, अब वह 'महँगी बौद्धिक' हो गई थी। उसका 'अभिनय' अब मीटिंग रूम में था, जहाँ उसे 'कंट्रोल' और 'संतुष्टि' का गहरा एहसास होता था। पहले वह कैमरे के सामने झूठ बोलती थी, अब वह बड़ी मीटिंग्स में क़र्ज़ और मुनाफ़े के 'मीठे' झूठ बोलती थी। यह 'संतुष्टि' क्या थी? यह वह एहसास था कि उसने फ़िल्म इंडस्ट्री की 'हल्की-फ़ुल्की' गुलामी छोड़कर, अब ग्लोबल टेक्नोलॉजी फ़र्म की 'भारी-भरकम' और 'ब्रांडेड' गुलामी स्वीकार कर ली थी।

बच्चों के अधिकारः दुनिया की सबसे बड़ी जिम्मेदारी

विश्व बाल दिवस पर विशेष

योगेश कुमार गोयल

बाल दिवस केवल भारत में ही नहीं बल्कि विश्व के अधिकांश देशों में मनाया जाता है। भारत में बाल दिवस प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को मनाया जाता है लेकिन बच्चों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह दिवस 20 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस हमें बच्चों के अधिकारों की वकालत करने और उन्हें बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करता है। इस वर्ष यह दिवस 'मेरा दिन, मेरे अधिकार' विषय के साथ मनाया जा रहा है, जो यह सुनिश्चित करने के महत्व पर जोर देता है कि सभी बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, सुरक्षा और सुरक्षित वातावरण सहित उनके मौलिक अधिकारों तक पहुंच हो। वैश्विक स्तर पर इस दिवस को मनाने का उद्देश्य दुनियाभर में बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार करना, उनकी समस्याओं को हल करना, उनके कल्याण के लिए काम करना तथा अंतर्राष्ट्रीय एकजुटता को बढ़ावा देना है। बाल दिवस दुनियाभर में 190 से ज्यादा देशों में मनाया जाता है और अनेक देशों में इसे मनाने की तारीखें अलग-अलग हैं। जनवरी माह से लेकर दिसम्बर तक हर माह किसी न किसी देश में बाल दिवस का आयोजन होता है।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 20 नवम्बर 1954 को 'विश्व बाल दिवस' मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसका उद्देश्य यही था कि इस विशेष दिन के माध्यम से अलग-अलग देशों के बच्चे एक-दूसरे के साथ जुड़ सकें, जिससे उनके बीच आपसी समझ तथा एकता की भावना मजबूत हो सके। सर्वप्रथम बाल दिवस जेनेवा के इंटरनेशनल यूनियन फॉर चाइल्ड वेलफेयर के सहयोग से विश्वभर में अक्तूबर 1953 में मनाया गया था। विश्वभर में बाल दिवस मनाए जाने का विचार वी के कृष्ण मेनन का था, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 1954 में अपनाया गया था। संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर के तमाम देशों से अपील की गई थी कि वे अपनी परम्पराओं, संस्कृति तथा धर्म के अनुसार अपने लिए कोई एक ऐसा दिन सुनिश्चित करें, जो सिर्फ बच्चों को ही समर्पित हो। वैसे तो बाल दिवस मनाए जाने की शुरूआत वर्ष 1925 से ही हो गई थी लेकिन वैश्विक रूप में देखें तो इसे दुनियाभर में मान्यता मिली 1953 में।

दुनियाभर में बाल दिवस के माध्यम से लोगों को बच्चों के स्वास्थ्य, शिक्षा, बाल मजदूरी इत्यादि बच्चों के अधिकारों के प्रति जगरूक करने का प्रयास किया जाता है। माना जाता है कि सबसे पहले बाल दिवस तुर्की में मनाया गया था। आइए देखते हैं कि दुनियाभर में किन देशों द्वारा कब बाल दिवस मनाया जाता है। जनवरी के पहले शुक्रवार को बहामास में, 11 जनवरी को ट्यूनिशिया, जनवरी के दूसरे शनिवार को थाईलैंड, फरवरी के दूसरे रविवार कुक द्वीप समूह, नाउरू, निउए, टोकेलौ तथा केमन द्वीप समूह में, 13 फरवरी को म्यांमार, मार्च के पहले रविवार को न्यूजीलैंड, 17 मार्च को बांग्लादेश, 4 अप्रैल को चीनी ताइपे, हांगकांग, 5 अप्रैल को फिलीस्तीन, 12 अप्रैल को बोलिविया तथा हैती, 23 अप्रैल को तुर्की, 30 अप्रैल को मेक्सिको, 5 मई को दक्षिण कोरिया तथा जापान, मई के दूसरे रविवार को स्पेन तथा यूके, 10 मई को मालदीव, 17 मई को नार्वे, 27 मई को नाईजीरिया, मई के आखरी रविवार को हंगरी, 1 जून को चीन सहित कई देशों में बाल संरक्षण दिवस के रूप में, 1 जुलाई को पाकिस्तान, जुलाई के तीसरे रविवार को क्यूबा, पनामा, वेनेजुएला, 23 जुलाई को इंडोनेशिया, अगस्त के पहले रविवार को उरुग्वे, 16 अगस्त को पैराग्वे, अगस्त के तीसरा रविवार को अर्जेन्टीना तथा पेरू, 9 सितम्बर कोस्टा रीका, 10 सितम्बर को हौण्डुरस, 14 सितम्बर को नेपाल, 20 सितम्बर को आसट्रिया तथा जर्मनी, 25 सितम्बर को नीदरलैंड, 1 अक्तूबर को अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला तथा श्रीलंका, अक्तूबर के पहले बुधवार को चिली, अक्तूबर के पहले शुक्रवार को सिंगापुर, 8 अक्तूबर को ईरान, 12 अक्तूबर को ब्राजील, अक्तूबर के चौथे शनिवार को मलेशिया, अक्तूबर के चौथा रविवार को आस्ट्रेलिया, नवम्बर के पहले शनिवार को दक्षिण अफ्रीका, 20 नवम्बर को अजरबैजान, कनाडा, साइप्रस, मिस्र, इथियोपिया, फिनलैंड, फ्रांस, यूनान, आयरलैंड, इजराइल, केन्या, मैसिडोनिया, नीदरलैंड, फिलीपींस, सर्बिया, स्लोवेनिया, दक्षिण अफ्रीका, स्पेन, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, त्रिनिदाद व टोबेगो, 5 दिसम्बर को सूरीनाम, 23 दिसम्बर को सूडान तथा 25 दिसम्बर कांगो गणराज्य, कैमरून तथा भूमध्यरेखीय गिनी में बाल दिवस का आयोजन किया जाता है।

बहरहाल, विश्व बाल दिवस पर हमें यह समझने का अवसर प्रदान करता है कि बच्चों का भविष्य उनके आज पर निर्भर करता है, जिसके लिए हमें ही यह सुनिश्चित करना होगा कि उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले, बाल श्रम और शोषण के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो, बच्चों को उनकी प्रतिभा को निखारने के पर्याप्त अवसर मिलें, उन्हें सुरक्षित, स्वस्थ और पोषित वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

श्री कूर्मनाथ स्वामी मंदिर: जहां कच्छप अवतार में हैं भगवान

हिंदू धर्म में भगवान विष्णु को संसार का पालनकर्ता माना गया है और जब-जब मानव कल्याण या सृष्टि के उद्धार की बात आई है, तब-तब भगवान विष्णु ने अलग-अलग अवतार लिए हैं। उन्हें मत्स्य और नरसिंह अवतार में पूजा गया, लेकिन आंध्र प्रदेश में एक ऐसा मंदिर है, जहां भगवान विष्णु को कछुए के रूप में पूजा जाता है और दूर-दूर से भक्त भगवान विष्णु के इस अनोखे अवतार के दर्शन करने आते हैं।

कच्छप अवतार में पूजे जाते हैं श्रीहरि विष्णु

आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के पास समंदर से 2 किलोमीटर की दूरी पर श्री कूर्मनाथ स्वामी मंदिर है। यह देश का पहला मंदिर है, जहां भगवान विष्णु के कछुए के अवतार की पूजा होती है। ये भगवान का दूसरा अद्भुत रूप है। पहले भगवान विष्णु ने पृथ्वी को बचाने के लिए मत्स्य अवतार धारण किया था। मंदिर के मुख्य गर्भगृह में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के साथ बड़े से कछुए की प्रतिमा भी है, जिसकी पूजा-अर्चना रोजाना मंदिर के पुजारियों द्वारा की जाती है।

दर्शन से पूरे होते हैं कठिन काम

भक्तों की मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां दर्शन करने से बड़ा से बड़ा कार्य पूरा हो जाता है। हिंदू धर्म और फेंगशुई दोनों में भी कछुए को सुख-समृद्धि और भाग्य का प्रतीक माना जाता है।

मंदिर का सुरंग, काशी और गया से जुड़ा

मंदिर के अंदर एक सुरंग भी है। रहस्यमयी सुरंग को लेकर कहा जाता है कि ये सीधा काशी और गया जाती है। इसी वजह से पितरों के तर्पण के लिए भी श्री कूर्मनाथ स्वामी मंदिर को महत्वपूर्ण माना गया है।

मोक्षधाम में पितरों का होता उद्धार

माना जाता है कि जो बिहार के गया या काशी जाकर पिंडदान नहीं कर सकते हैं, वे इस मंदिर में आकर तर्पण कर सकते हैं। इसे मोक्ष धाम भी माना जाता है। श्री कूर्मनाथ स्वामी की जमीन पर संत रामानुज, शंकराचार्य, रामानुजाचार्य और चैतन्य महाप्रभु जैसे महासंतों के पैर पड़े हैं।

मंदिर परिसर में 100 प्रकार के कछुए

मंदिर की बनावट की बात करें तो मंदिर में 201 स्तंभ मौजूद हैं। इस पर कई भाषाओं में शिलालेख लिखे हैं। मंदिर की दीवारों पर मुगल शासन और अजंता एलोरा की झलक भी दिखती है। खास बात ये है कि मंदिर के भीतर एक बाड़ा बनाया गया है, जहां आज भी 100 अलग-अलग प्रजातियों के कछुओं को पाला जाता है। पर्यटक दूर-दूर से छोटे-छोटे कछुओं के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं।

धार्मिक दृष्टिकोण की बात करें तो भगवान विष्णु ने समंदर मंथन के समय विशाल कछुए का रूप लिया था, क्योंकि मंदारांचल पर्वत समंदर में डूब रहा था और पर्वत को स्थिरता देने के लिए भगवान विष्णु कूर्म (कछुआ) रूप में प्रकट हुए।

ठीक 12 बजे शुरू होगा राम मंदिर का भव्य ध्वजारोहण, क्यों चुना गया है अभिजीत मुहूर्त?

ध्वजारोहण का शुभ मुहूर्त दोपहर 12 से 12:30 के बीच का अभिजीत मुहूर्त तय किया गया है। ध्वजारोहण कार्यक्रम से पहले 21 नवंबर से पांच दिवसीय वैदिक अनुष्ठान शुरू हो जाएगा। इस अनुष्ठान में अयोध्या, काशी और दक्षिण भारत के 108 वैदिक आचार्य शामिल होंगे। पंडित गणेश्वर शास्त्री ने ध्वजारोहण का शुभ मुहूर्त निकाला है।

श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में 25 नवंबर को ध्वजारोहण का भव्य आयोजन होने जा रहा है। मंदिर पर इस धम्रध्वज का लहराना, राम मंदिर के ऐतिहासिक और दिव्य निर्माण के सफल समापन की घोषणा करेगा। सूर्यवंशी परंपरा से तैयार इस ध्वज को मंगलवार के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभजीत मुहूर्त में लहराएंगे। ध्वजारोहण के अनुष्ठान का नेतृत्व व प्रसिद्ध विद्वान पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ करेंगे और उन्होंने ही यह मुहूर्त भी निकाला है। आइए जानते हैं, क्यों इस भव्य आयोजन के लिए अभिजीत मुहूर्त को ही चुना गया? साथ ही क्यों बनाया गया है इस ध्वज पर कोविंदर का वृक्ष, क्या है इसकी विशेषता। जानिए इस आयोजन के बारे में सबकुछ।

108 वैदिक आचार्य होंगे शामिल

ध्वजारोहण का शुभ मुहूर्त दोपहर 12 से 12:30 के बीच का अभिजीत मुहूर्त तय किया गया है। उसी दिन शाम को अयोध्या में राम विवाह महोत्सव के कार्यक्रम भी होंगे। ध्वजारोहण कार्यक्रम से पहले 21 नवंबर से पांच दिवसीय वैदिक अनुष्ठान शुरू हो जाएगा। इस अनुष्ठान में अयोध्या, काशी और दक्षिण भारत के 108 वैदिक आचार्य शामिल होंगे। ध्वजारोहण के अनुष्ठान का नेतृत्व व प्रसिद्ध विद्वान पंडित गणेश्वर शास्त्री द्रविड़ करेंगे। पंडित गणेश्वर शास्त्री ने ध्वजारोहण का शुभ मुहूर्त निकाला है। कार्यक्रम के दौरान वैदिक मंत्रो, हवन पूजन और विशेष धार्मिक कर्मकांड संपन्न होंगे।

प्रसिद्ध ज्योतिष और शूकर क्षेत्र फाउंडेशन के अध्यक्ष, डॉ गौरव कुमार दीक्षित बताते हैं, '25 नवंबर को अभिजीत मुहूर्त दोपहर 11:46 से 12:28 तक रहेगा। अभिजीत मुहूर्त दिन का सबसे शुभ समय होता है।

किसी भी शुभ कार्य करने के लिए, नवीन कार्य आरम्भ करने के लिए अथवा किसी भी कार्य में विजय प्राप्ति की कामना करते हुए यदि अभिजीत मुहूर्त में कोई कार्य किया जाये तो निश्चित ही सफलता प्राप्त होती है। भगवान राम और भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भी अभिजीत मुहूर्त में हुआ था। अभिजीत मुहूर्त में ही महादेव ने त्रिपुरासूर नामक राक्षस का वध किया था।

सूर्योदय से सूर्यास्त के मध्य का यह सबसे शुभ पल होता है जिसे अभिजीत मुहूर्त कहते हैं, इसलिये इसको सभी शुभ कार्यों को करने के लिए चुना जाता है।'

विचारों से ऊपर उठना क्यों है जरूरी ? सद्गुरु समझाते हैं असली स्वतंत्रता का मार्ग

सद्गुरु जग्गी वासुदेव, आधुनिक युग के सबसे प्रभावशाली आध्यात्मिक गुरुओं में से एक हैं। उनके उपदेशों का मूल केंद्र मानव चेतना को उसकी वर्तमान सीमाओं से ऊपर उठाना है। वह हमें यह समझाते हैं कि जिस चीज को हम मैं मानते हैं यानी हमारे विचार, भावनाएं और स्मृतियां—वे वास्तव में हमारी असली पहचान नहीं हैं, बल्कि एक तरह की कैद हैं। आइए, सद्गुरु के प्रेरणादायक विचारों और उद्धरणों के माध्यम से समझते हैं कि विचारों से ऊपर उठना क्यों आवश्यक है और यही असली स्वतंत्रता का मार्ग कैसे है।

क्यों जरूरी है उनसे ऊपर उठना ?

सद्गुरु के अनुसार, हमारा मन एक सूचनाओं का गोदाम मात्र है। यह निरंतर अतीत से मिली जानकारी को संसाधित करता रहता है। हमारी अधिकांश पीड़ा और बंधन का कारण हमारे यही विचार हैं, जो हमें वास्तविकता से दूर ले जाते हैं।

आपके विचार आपके नहीं हैं। वे बस उन सूचनाओं का मिश्रण हैं जो आपने जीवन भर इकट्ठी की हैं। अगर आप उनसे ऊपर उठते हैं, तो आप जीवन को जैसा है, वैसा ही देख पाएंगे।

मनुष्य अक्सर अपने विचारों और भावनाओं को ही अपनी नियति मान लेता है। सद्गुरु कहते हैं कि जब तक आप अपने मन की उपज से खुद को अलग नहीं कर लेते, तब तक आप एक जबरन प्रतिक्रियाशील प्राणी बने रहेंगे, न कि एक सचेत निर्माता।

आप अपनी खुद की खुशियों को तोड़-मरोड़कर पेश कर रहे हैं, क्योंकि आप अपने विचारों के दलदल में फंस गए हैं। विचारों की दीवार के पार देखें।

असली समस्या यह नहीं है कि आपके पास नकारात्मक विचार हैं, बल्कि यह है कि आप हर विचार को 'सत्य' मान लेते हैं। यह विचारों की निरंतर धारा हमें वर्तमान पल की सुंदरता और शक्ति से काट देती है।

सद्गुरु लगातार जागरूकता या सचेतनता पर जोर देते हैं। वह बताते हैं कि विचारों से लड़ना या उन्हें दबाना समाधान नहीं है; समाधान तो केवल उन्हें एक साक्षी के रूप में देखना है। स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं है कि आपको वह मिले जो आप चाहते हैं। स्वतंत्रता का अर्थ है कि आप जो चाहते हैं, उसे बनाने की क्षमता आपके भीतर हो। आपके विचारों को नियंत्रित करने की कोशिश करने से वे और मजबूत होते हैं। इसके बजाय, सद्गुरु हमें साक्षी भाव अपनाने की सलाह देते हैं। जब आप केवल अपने विचारों को आते-जाते देखते हैं, बिना उनमें उलझे, तो विचारों की शक्ति स्वतः ही कम हो जाती है। जब आप मन की क्रियाओं को देखना शुरू करते हैं, तो आप मन से मुक्त हो जाते हैं। और यही जीवन की सबसे बड़ी मुक्ति है।

यह साक्षी भाव ही असली अंतर पैदा करता है- आपके और आपके विचारों के बीच। एक बार जब यह अंतर पैदा हो जाता है, तो आप अपने विचारों को चुन सकते हैं, या उन्हें पूरी तरह से छोड़ सकते हैं।

हाथ में है यह रेखा तो जाना पड़ सकता है जेल, कोर्ट-कचहरी के मामलों में रहेंगे परेशान

आपकी हथेली की रेखाएं आपके जीवन के कई पहलुओं के बारे में बताती हैं। हाथ की रेखाओं को देखकर व्यक्ति के भाग्य, धन, करियर, आयु, स्वास्थ्य आदि के बारे में जान सकते हैं। ऐसे ही हाथ की रेखा से यह भी जाना जा सकता है कि व्यक्ति कोर्ट केस में फंसेगा या उसे जेल की सजा हो सकती है। हाथ की रेखा से जान सकते हैं कि जेल जाने का योग है या नहीं? आज हम आपको बता रहे हैं कि हाथ में जेल जाने की रेखा कौन सी होती है।

हाथ में जेल जाने का योग

हस्तरेखा शास्त्र के विशेषज्ञ दर्शन पाठक का कहना है कि व्यक्ति के हाथ में धन रेखा होती है, उस धन रेखा से यह जाना जा सकता है कि व्यक्ति जेल जाएगा या नहीं? कई लोगों को पहले से ही डर सताने लगता है कि कहीं उनको जेल जाने की नौबत तो नहीं आएगी।

जब किसी व्यक्ति के हाथ में धन रेखा टूटी-फूटी, बहुत ही कमजोर, बीच से गायब या फटी हुई होती है तो जीवन की उस अवस्था में व्यक्ति के लिए जेल जाने का योग बनता है। जेल जाने के अलावा यह रेखा यह भी बताती है कि आपको कोई बड़ी धनि हानि हो सकती है। निवेश किया गया पैसा डूब सकता है या नौकरी जा सकती है, नौकरी में विभागीय जांच का सामना करना पड़ सकता है। खराब धन रेखा व्यक्ति के कंगाली का भी संकेत हो सकता है।

कहां होती है जेल रेखा!

धन रेखा के कमजोर या खराब होने की स्थिति ही उसे जेल रेखा बना देती है। कुछ लोग भाग्य रेखा को धन रेखा मानते हैं। वैसे धन रेखा आपके जीवन रेखा से या मस्तिष्क रेखा से निकलकर हृदय रेखा को काटते हुए शनि, सूर्य या गुरु पर्वत तक जा सकती है। हर व्यक्ति के हाथ में धन रेखा अलग अलग होती है। यह किसी में स्पष्ट होगी, किसी में लंबी होगी तो किसी में अस्पष्ट और छोटी हो सकती है।

कोर्ट केस में फंसाने वाली रेखा

यदि आपके हाथ में बाहरी मंगल क्षेत्र यानि आपकी सबसे छोटी अंगुली के नीचे वाले हिस्से में हृदय रेखा के नीचे से लगकर आड़ी रेखाएं निकली हुई हैं तो ऐसी रेखाओं के कारण आपके शत्रु अधिक होंगे। वे आपको कोर्ट केस में फंसा सकते हैं। ऐसे लोग कोर्ट कचहरी के चक्कर लगाते हैं। बाहरी मंगल की ये रेखाएं वाद विवाद को जन्म देती हैं।

अद्भुत है केदारनाथ मंदिर के निर्माण से जुड़ी पौराणिक कथा

हर युग में भगवान शिव के बहुत सारे भक्त हुए हैं। जिन्होंने उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए घोर से घोर तप किए। उनमें से एक भक्त हुए हैं नर-नारायण। जिनकी भक्ति की कथाएं आज भी वैष्णवों के मुख से सुनी जाती हैं। वैसे तो उनकी भक्ति की शक्ति से संबंधित बहुत सारी कथाएं शास्त्रों में वर्णित हैं लेकिन केदारनाथ धाम से जुड़ी ये कथा अतुलनिय है। आईए जानें, कैसे उन्होंने शिव जी की आराधना की और कैसे केदारनाथ धाम का निर्माण हुआ। भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्र धर्म की पत्नी का नाम रुचि था। उनके गर्भ से श्री हरि ने नर और नारायण नाम के दो महान तपस्वियों के रूप में धरती पर जन्म लिया। नर और नारायण विष्णु जी के 24 वें अवतार थे। जन्म के बाद उनकी रूचि भक्ति में बढ़ती गई। अपनी माता से आज्ञा लेकर वे उत्तराखंड की पवित्र स्थली बदरीवन और केदार वन में तपस्या करने चले गये। बदरीवन में आज बद्रिकाश्रम बना है। वहीं नर और नारायण नामक दो पहाड़ भी स्थित हैं।

नर और नारायण की तपस्या को देखकर देवराज इंद्र ने सोचा कि ये तप के द्वारा मेरे इंद्रासन को लेना चाहते हैं। ऐसा सोचकर इंद्र ने उनकी तपस्या को भंग करने के लिए कामदेव, वसंत तथा अप्सराओं को भेजा। उन्होंने जाकर भगवान नर-नारायण को अपनी नाना प्रकार की कलाओं के द्वारा तपस्या भंग करने का प्रयास किया, किंतु उनके ऊपर कामदेव तथा उसके सहयोगियों का कोई प्रभाव न पड़ा। कामदेव, वसंत तथा अप्सराएं श्राप के भय से थर-थर कांपने लगे। उनकी दशा देखकर नर और नारायण ने कहा, 'तुम लोग मत डरो। हम प्रेम और प्रसन्नता से तुम लोगों का स्वागत करते हैं।'

नर और नारायण की अभय देने वाली वाणी को सुनकर काम अपने सहयोगियों के साथ अत्यन्त लज्जित हुआ। उसने उनकी स्तुति करते हुए कहा- प्रभो ! आप निर्विकार परम तत्व हैं। बड़े-बड़े आत्मज्ञानी पुरुष आपके चरण कमलों की सेवा के प्रभाव से काम विजयी हो जाते हैं। हमारे ऊपर आप अपनी कृपा दृष्टि सदैव बनाए रखें। हमारी आपसे यही प्रार्थना है। आप देवाधिदेव विष्णु हैं।

कामदेव की स्तुति सुनकर भगवान नर-नारायण प्रसन्न हुए और उन्होंने अपनी योगमाया के द्वारा एक अद्भुत लीला दिखाई। सभी लोगों ने देखा कि सुंदर-सुंदर नारियां नर और नारायण की सेवा कर रही हैं। नर नारायण ने कहा- 'तुम इन स्त्रियों में से किसी एक को मांगकर स्वर्ग में ले जा सकते हो, वह स्वर्ग के लिए भूषण स्वरूप होगी।'

उनकी आज्ञा मानकर कामदेव ने अप्सराओं में सर्वश्रेष्ठ अप्सरा उर्वशी को लेकर स्वर्ग के लिए प्रस्थान किया। उसने देव सभा में जाकर भगवान नर और नारायण की अतुलित महिमा के बारे में सबसे कहा, जिसे सुनकर देवराज इंद्र चकित और भयभीत हो गए। इंद्र को श्री नर और नारायण के प्रति अपनी दुर्भावना और दुष्कृति पर विशेष पश्चाताप हुआ।

नर और नारायण ने शिव जी का दर्शन पाने के लिए घोर तपस्या की। वे बिना कुछ खाए-पिए दिन-रात भोलेनाथ की पूजा करते रहे। लंबे अरसे के बाद शिव जी ने खुश होकर नर-नारायण को दर्शन दिया और वर मांगने को कहा। तब नर-नारायण ने कहा प्रभु हमारी एक ही इच्छा है कि आप इस स्थान में पार्थिव शिवलिंग के रूप में हमेशा रहें एवं इस जगह पर सदैव आपका आशीर्वाद बना रहे। तभी से शिव जी लिंग रूप में केदारनाथ में विराजित हैं। कहा जाता है की इसके आस-पास मंदिरों का निर्माण पांडवों ने करवाया था।

हक की रोटी कैसी होती है ? जानें एक वृद्धा का जवाब ,जिसने सबका दिल जीत लिया

एक राजा अपनी न्यायप्रियता के लिए प्रसिद्ध थे। वह अक्सर विद्वानों और दरबारियों से अनेक मामलों पर चर्चा करते रहते। एक बार उनके राज्य के सबसे बड़े विद्वान उनके दरबार में आए। वे दोनों भोजन करने के लिए बैठे, तभी राजा के मन में एक सवाल उठा।

उन्होंने विद्वान से पूछा, "कृपया बताएं कि हक की रोटी कैसी होती है।"

विद्वान ने कहा, "इसका जवाब मैं आपको दूं इससे अच्छा है कि आप इसे अपने नगर में ही रहने वाली एक वृद्धा से पूछें। आप उनसे हक की रोटी मांग भी सकते हैं। आपके प्रश्न का सटीक जवाब आपको मिल जाएगा।"

राजा उस वृद्धा के पास पहुंचे और बोले, "माता मुझे हक की रोटी चाहिए।" वृद्धा ने कहा, "राजन मेरे पास बस एक रोटी है, पर उसमें आधी हक की है और आधी बेहक की।"

राजा ने पूछा, "भला ऐसा कैसे?" वृद्धा ने कहा, "एक दिन मैं शाम के समय चरखा कात रही थी। अंधेरा हो चला था। इतने में रास्ते से गाने वालों की मंडली निकली। उन लोगों ने मशालें भी जला रखी थीं। उन मशालों की रोशनी में मैं चरखा कातती रही।

मैंने उस रोशनी में आधी 'पूनी' काती जबकि आधी पहले की थी। उस पूनी को बेचकर मैंने आटा खरीदा, फिर रोटी बनाई। इसलिए आधी रोटी हक की है और आधी बेहक की। इस आधी रोटी पर तो उस मंडली का हक है।" राजा समझ गए कि कई बार हम जिसे अपना मानते हैं उस पर दूसरों का भी हक होता है।

अदाकारी के बाद अब निर्माता की कुर्सी संभालेंगे पंकज त्रिपाठी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एक्टर पंकज त्रिपाठी अब अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़ चले हैं। वेब सीरीज के जरिए वे बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रहे हैं। उनकी पहली सीरीज का नाम है, 'परफेक्ट फैमिली'। यह आठ एपिसोड की ड्रामा सीरीज है। 'परफेक्ट फैमिली' को कब और कहां रिलीज किया जाएगा?

यूट्यूब पर देख सकेंगे सीरीज

पकंज त्रिपाठी की डेब्यू सीरीज सीधे यूट्यूब पर रिलीज होगी। इस प्लेटफॉर्म पर सीरीज को पेड मॉडल के तहत रिलीज किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, 'एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि जेएआर पिक्चर्स के अजय राय और मोहित छाबड़ा द्वारा निर्मित तथा पलक भांबरी द्वारा क्रिएट इस सीरीज का प्रीमियर 27 नवंबर को जेएआर सीरीज यूट्यूब चैनल पर होगा'।

ये सितारे आएंगे नजर

मेकर्स के मुताबिक, सीरीज 'परफेक्ट फैमिली' को भारत के विकसित होते डिजिटल इकोसिस्टम में एक महत्वपूर्ण प्रयोग के रूप में पेश किया गया है। सीरीज के पहले दो एपिसोड मुफ्त उपलब्ध रहेंगे, वहीं दर्शक 59 रुपये का भुगतान करके बाकी एपिसोड देख सकते हैं'। इस सीरीज का निर्देशन सचिन पाठक ने किया है। इसमें गुलशन देवैया, नेहा धूपिया, मनोज पाहवा, सीमा पाहवा, गिरिजा ओक और अन्य कलाकार शामिल हैं।

पंकज त्रिपाठी ने शेयर की खुशी

'परफेक्ट फैमिली' एक कॉमेडी ड्रामा सीरीज है, जो परिवार के ईर्द-गिर्द घूमती है। सीरीज को लेकर पकंज त्रिपाठी ने कहा कि पारंपरिक रिलीज फॉर्मेट को चुनौती देने वाले प्रोजेक्ट के साथ पहली बार निर्माता बनना जरूरी लगा। उन्होंने आगे कहा, 'परफेक्ट फैमिली' मेरे दिल के बेहद करीब है। दुनियाभर के परिवार इस शो में अपना एक हिस्सा देखेंगे'। एक्टर ने आगे कहा, 'यूट्यूब का पेड मॉडल भारतीय क्रिएटर्स के लिए एक बिल्कुल नया रास्ता खोलता है'। इस सीरीज की कहानी कर्करिया परिवार और उनके बेटे दानी की है।

जया बच्चन और वहीदा रहमान ने दी कामिनी कौशल को श्रद्धांजलि, अभिनेत्री की प्रार्थना सभा में पहुंचे सितारे

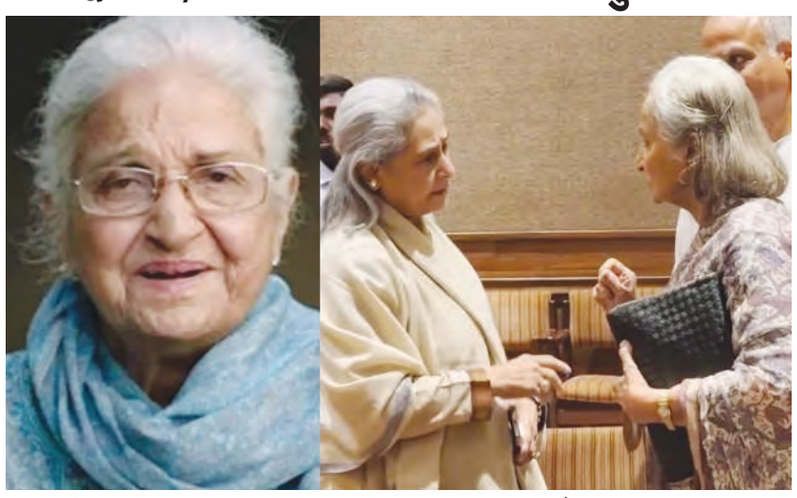

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री कामिनी कौशल का 98वें वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। अब उनके निधन के बाद आज मुंबई में उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एक प्रार्थना सभा आयोजित की गई। इस प्रेयर मीट में जया बच्चन और वहीदा रहमान भी शामिल हुईं और उन्होंने कामिनी कौशल को श्रद्धांजलि दी।

जया बच्चन और वहीदा रहमान पहुंचीं

वेटरन एक्ट्रेस जया बच्चन जहां सफेद रंग के सलवार-सूट में कामिनी कौशल को श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचीं। वहीं अभिनेत्री वहीदा रहमान भी काले रंग की फ्लोरल साड़ी में प्रेयर मीट में शामिल हुईं। इस दौरान वहीदा रहमान और जया बच्चन पूरी गर्मजोशी से एक-दूसरे से मिलीं। प्रार्थना सभा में उपस्थित लोगों ने मौन रहकर शोक व्यक्त किया और सिनेमा में उनके योगदान पर विचार किया।

कामिनी कौशल का करियर आजादी के तुरंत बाद के वर्षों में शुरू हुआ। उन्होंने दिलीप कुमार, राज कपूर, देव आनंद और बलराज साहनी जैसे दिग्गजों के साथ अभिनय किया। कामिनी कौशल ने दिलीप कुमार से लेकर शाहरुख खान और शाहिद कपूर तक की फिल्मों में काम किया। बाद के वर्षों में कामिनी कौशल 'कबीर सिंह', 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'लागा चुनरी में दाग' जैसी फिल्मों में नजर आईं।

लाहौर में हुआ था जन्म

24 जनवरी 1927 को लाहौर में जन्मीं कामिनी कौशल का निधन 14 नवंबर को हो गया था। कामिनी कौशल ने साल 1946 में फिल्म 'नीचा नगर' से अपने करियर की शुरुआत की थी। फिल्म 'नीचा नगर' का पहला प्रदर्शन 29 सितंबर 1946 को फ्रांस के कान अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में हुआ। वहां इस फिल्म को 'गोल्डन पाम' पुरस्कार मिला। यह चेतन आदर्श के निर्देशन में बनी पहली फिल्म थी।

कामिनी कौशल की प्रमुख फिल्में

अगर कामिनी कौशल की प्रमुख फिल्मों की बात करें तो इनमें शहीद (1948), नदिया के पार (1948), आग (1948), जिद्दी (1948), शबनम (1949), आरजू (1950) और बिराज बहू (1954) जैसी फिल्में शामिल हैं।

मान्या आनंद ने एक्टर धनुष के मैनेजर पर लगाया आरोप, कास्टिंग काउच का है मामला

हाल ही में साउथ की मशहूर अभिनेत्री ने सुपरस्टार धनुष के मैनेजर श्रेयस पर कास्टिंग काउच के जरिए उनका शोषण करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि अभिनेता के मैनेजर ने उनसे नई फिल्म के बारे में बात की और एक सुझाव दिया। पढ़िए पूरी खबर।

कौन हैं वो अभिनेत्री और क्या लगाया आरोप?

वह अभिनेत्री कोई और नहीं, बल्कि मान्या आनंद हैं, जो तमिल टेलीविजन की जानी-पहचानी एक्ट्रेस हैं। अभिनेत्री ने सिनेउलगम से बातचीत में एक्टर धनुष के मैनेजर श्रेयस से बातचीत के बारे में बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि श्रेयस ने उनसे कहा, 'एक कमिटमेंट है।' आगे अभिनेत्री ने श्रेयस से पूछा कि कैसी कमिटमेंट? मैं कमिटमेंट क्यों दूं? एक्ट्रेस ने किसी भी अनैतिक शर्त को मानने से साफ इनकार कर दिया। अभिनेत्री ने आगे आरोप लगाया कि उनके इनकार के बाद, श्रेयस ने कहा, 'आप धनुष सर के होते हुए भी उनकी बात नहीं मानेंगी?'

'लेकिन बदले में कुछ और की उम्मीद...'

इस घटना के बाद, मान्या आनंद ने बताया कि श्रेयस ने उनसे कई बार संपर्क किया। और यहां तक कि उनके पहले मना करने के बावजूद एक स्क्रिप्ट भी पोस्ट की। हालांकि आगे बातचीत के दौरान जब अभिनेत्री से पूछा गया कि क्या उन्होंने श्रेयस द्वारा भेजी गई स्क्रिप्ट देखी है।

इस पर उन्होंने कहा, 'नहीं, मैंने उसे नहीं पढ़ा। मैं फिल्म नहीं कर रहा हूं। हम कलाकार हैं, हम कुछ और काम कर रहे हैं। आप हमसे काम लेते हैं, लेकिन बदले में कुछ और की उम्मीद नहीं कर सकते। अगर हम आपकी मांगें मान लेते हैं, तो हमारा नाम कुछ और होगा। मुझे लगता है कि बेहतर होगा कि लोग इस चलन को पहचानें और इसे सुलझाएं।'

कौन हैं मान्या आनंद?

मान्या आनंद को तमिल टेलीविजन में उनके कामों के लिए पहचाना जाता है। अभिनेत्री को लोकप्रिय धारावाहिक 'वनथाई पोला' में उनके किरदार के लिए जाना जाता है।

दीपिका पादुकोण को अपने फैसलों पर होता है पछतावा!

अब फिल्म चुनते वक्त इन बातों का रखती हैं ध्यान

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में शामिल हैं। अपने 18 साल के करियर में दीपिका पादुकोण ने अब तक कई कामयाब फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'ओम शांति ओम' से की और वह पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 ए.डी.' में नजर आईं। हालांकि, उनकी कुछ फिल्में ऐसी भी रहीं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। हाल ही में दीपिका ने एक इंटरव्यू में माना कि कई बार उन्होंने गलत फैसले भी लिए हैं, जिसका उन्हें पछतावा है।

दीपिका के लिए पैसा सबकुछ नहीं

दीपिका ने बताया कि वह फिल्म चुनते वक्त किन बातों का ध्यान देती हैं। दीपिका ने बताया 'सबसे बड़ी चीज प्रमाणिकता है। जो भी चीज सच्ची नहीं लगती, वह मुझे रास नहीं आती। कभी-कभी लोग बहुत सारा पैसा देते हैं और सोचते हैं कि इससे सब कुछ हो जाएगा लेकिन वह काफी नहीं होता। मुझे लोगों या संदेश पर यकीन है और मैं उस पर कायम रहूंगी।'

फैसलों पर विचार करती हैं दीपिका

दीपिका ने माना कि वह अपने विचार को लेकर इतनी स्पष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा 'क्या मैं हमेशा से चीजों को लेकर इतनी स्पष्ट थी? शायद नहीं। हालांकि अब मैं उस स्पष्टता तक पहुंच गई हूं। क्या मैं कभी-कभी पीछे मुड़कर सोचती हूं कि मैं क्या सोच रही थी? जी हां मैं सोचती हूं। इससे मैं सीखती हूं। शायद आज से 10 साल बाद, मैं आज के कुछ फैसलों पर सवाल उठाऊंगी जो फैसले अभी मुझे सही लगते हैं।'

दीपिका का वर्कफ्रंट

दीपिका की फिलहाल दो फिल्में पाइपलाइन में हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म 'किंग' में वह एक सहायक भूमिका में हैं। इसमें सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी जैसे कलाकार होंगे। यह फिल्म अप्रैल 2026 में रिलीज होने वाली है।

इसके बाद दीपिका एटली के साथ अल्लू अर्जुन अभिनीत एक फिल्म में काम करेंगी। इस फिल्म को फिलहाल 'AA22xA6' नाम से बुलाया जा रहा है। यह 2027 में रिलीज होगी।

सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में शामिल हुईं ऐश्वर्या राय, बोलीं- मानव सेवा ही ईश्वर की सेवा है

आंध्र प्रदेश के पुट्टपर्थी में श्री सत्य साईं बाबा के जन्म शताब्दी समारोह में प्रधानमंत्री मोदी, आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू और अभिनेत्री ऐश्वर्या राय शामिल हुईं। कार्यक्रम में बोलते हुए ऐश्वर्या राय ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया। साथ ही सत्य साईं बाबा के बताए रास्ते पर चलने की बात कही।

स्वामी जी के उपदेशों को याद किया

कार्यक्रम में ऐश्वर्या राय बच्चन कहती हैं, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी इस खास अवसर पर हमारे साथ हैं, मैं उनका आभार व्यक्त करती हूं। मैं उनकी प्रेरणादायक बातें सुनने के लिए उत्साहित हूं। मोदी जी की उपस्थिति इस शताब्दी समारोह में हमें श्री सत्य साईं बाबा के उपदेशों की याद दिलाती है। स्वामी जी ने कहा था कि मानव सेवा ही ईश्वर की सेवा है। स्वामी जी हमेशा एक सार्थक, उद्देश्यपूर्ण और आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए कहते थे। उन्होंने अनुशासन, समर्पण, भक्ति, दृढ़ संकल्प और विवेक जैसी पांच बातों को महत्व देने की बात कही थी।'

बिना स्क्रिप्ट पढ़े राशि खन्ना ने क्यों साइन की 'उस्ताद भगत सिंह'?

अभिनेत्री राशि खन्ना इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म '120 बहादुर' को लेकर सुर्खियों में हैं। उन्होंने अपने फिल्मी करियर में कई तरह की भूमिकाएं निभाई हैं लेकिन कोई ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं था, जिसकी स्क्रिप्ट पढ़े बिना उन्होंने साइन किया हो। हालांकि उन्होंने बताया कि तेलुगु फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' की स्क्रिप्ट सुने बिना ही इसे साइन किया।

बिना स्क्रिप्ट पढ़े फिल्म को कहा हां

राशि खन्ना ने फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' के बारे में कई बातें बताई हैं। उन्होंने अपने सह-कलाकार पवन कल्याण की भी तारीफ की है। अपनी अगली फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में काम करने के बारे में पूछे जाने पर, राशि ने बताया 'यह एकमात्र ऐसी फिल्म है जिसे मैंने बिना स्क्रिप्ट सुने साइन कर लिया। मैंने हां कह दिया क्योंकि यह पवन कल्याण की फिल्म है। मैं हमेशा से उनके साथ काम करना चाहती थी क्योंकि उनके पास स्टारडम है। मुझे पता है कि यह उनकी फिल्म है और मैं इसका हिस्सा हूं। मुझे इससे कोई दिक्कत नहीं है। कभी-कभी आप ऐसी फिल्में मशहूर होने के लिए करते हैं।'

इसलिए पवन कल्याण को पसंद करती हैं राशि

पवन कल्याण के बारे में बात करते हुए राशि ने कहा 'मैं इस चीज को बहुत पसंद करती हूं कि वह महिलाओं के प्रति सम्मान रखते हैं। दूसरी बात यह है कि आम लोगों को भी वह बहुत प्रेम करते हैं। इन सबके अलावा वह एक बहुत अच्छे अभिनेता हैं।' राशि ने आगे बताया 'उनकी कॉमिक टाइमिंग शानदार है। मैंने सेट पर ऐसी छोटी-छोटी चीजें देखीं, जिनसे मैं हैरान हो गई। मुझे नहीं लगता कि उन्हें पता है कि वो कितने अच्छे हैं। ये पहली बार था जब मैं किसी सेट पर किसी स्टार से इतना प्रभावित हुई।'

राशि खन्ना का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि राशि खन्ना अपकमिंग तेलुगु फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ नजर आने वाली हैं। वह 21 नवंबर को रिलीज होने वाली फिल्म '120 बहादुर' में फरहान अख्तर के साथ नजर आने वाली हैं। वह वेब सीरीज 'तलाखों में एक' में पुलिस का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं।

'120 बहादुर' के सेंसर सर्टिफिकेट के खिलाफ दायर याचिका पर जल्द सुनवाई

दिल्ली हाई कोर्ट ने बुधवार को फरहान अख्तर स्टारर फिल्म '120 बहादुर' को लेकर नया आदेश दिया है। इस फिल्म के खिलाफ रिलीज से पहले एक याचिका दायर की गई, जिसमें इसके सेंसर सेर्टिफिकेट को चुनौती दी गई। दायर याचिका में कहा गया है कि फरहान अख्तर की फिल्म ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ करती है। इसी याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट जल्द सुनवाई करेगा।

कब होगी याचिका पर सुनवाई

'120 बहादुर' के सेंसर सर्टिफिकेट को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट 26 नवंबर को सुनवाई करेगा। बताते चलें कि इस याचिका में फिल्म '120 बहादुर' पर आरोप लगाया गया है कि यह ऐतिहासिक तथ्यों से छेड़छाड़ करती है। याचिका में फिल्म का नाम बदलने की मांग भी की गई है। 26 नवंबर को जज देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जज तुषार राव गेडेला की कोर्ट इस मामले को सुनेगी।

किसने दायर की थी याचिका

यह याचिका अहीर रेजिमेंट मोर्चा और एक धर्मार्थ ट्रस्ट के ट्रस्टी के अलावा रेजांग ला की लड़ाई में शहीद हुए कई सैनिकों के परिवारों ने दायर की है। हालांकि जब मामले की सुनवाई शुरू हुई तो याचिकाकर्ताओं की तरफ से कोई भी

पेश नहीं हुआ। फिल्म में मेजर शैतान सिंह भाटी और उनकी रेजिमेंट की कहानी दिखाई गई है। यह फिल्म 21 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या है फिल्म '120 बहादुर' की कहानी?

फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' की कहानी 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की लड़ाई पर आधारित है। इस लड़ाई में 13 कुमाऊं रेजिमेंट के लगभग 120 भारतीय सैनिकों ने मेजर शैतान सिंह भाटी के नेतृत्व में 3,000 से अधिक चीनी सैनिकों का बहादुरी से सामना किया था। अंतिम सांस तक अपनी चौकी की रक्षा की। फिल्म में फरहान मेजर शैतान सिंह भाटी के किरदार में ही नजर आएंगे।

सर्दियों में बच्चों को बीमारियों से बचाना है तो भूलकर भी न करें ये गलतियां

सर्दियां अपने साथ न सिर्फ ठंडक और रजाई का मज़ा लाती हैं, बल्कि बीमारियों का खतरा भी बढ़ा देती हैं खासकर छोटे बच्चों के लिए। ठंडी हवाएं, तापमान में उतार-चढ़ाव और कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता के कारण बच्चों को खांसी, जुकाम, बुखार, गले में दर्द और निमोनिया जैसी समस्याएं जल्दी घेर लेती हैं। ऐसे में माता-पिता को अपने नन्हे-मुन्नों की देखभाल में लापरवाही नहीं करनी चाहिए।

सर्दियों में बच्चों की सेहत की जिम्मेदारी सिर्फ कपड़े पहनाने तक सीमित नहीं है। सही खानपान, पर्याप्त धूप, और साफ-सुथरा माहौल उनके अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है। अगर आप अपने बच्चे को सर्दियों में फिट रखना चाहते हैं, तो इन 5 गलतियों से जरूर बचें।

बच्चों को ज्यादा कपड़ों में लपेट देना

कई माता-पिता ठंड से बचाने के लिए बच्चों को जरूरत से ज्यादा कपड़े पहना देते हैं। इससे बच्चे का शरीर पसीना छोड़ता है और पसीना सूखने पर ठंड लग जाती है। सर्दी से बचाने के लिए बच्चों को लेयरिंग में कपड़े पहनाएं ताकि जरूरत के अनुसार एक लेयर कम या ज्यादा की जा सके।

ठंड के डर से बाहर खेलना बंद कर देना

ठंड में बच्चे को घर के अंदर रखने से उसकी इम्यूनिटी कमजोर हो सकती है। धूप से मिलने वाला विटामिन D शरीर को मजबूत बनाता है।दिन में थोड़ी देर बच्चों को धूप में जरूर खेलने दें, इससे फेफड़े और हड्डियां मजबूत होती हैं।

बार-बार न नहलाना या बिल्कुल न नहलाना

सर्दियों में कई माता-पिता बच्चों को ठंड के डर से हफ्तों तक नहीं नहलाते। इससे शरीर पर बैक्टीरिया और धूल जमा होकर स्किन इंफेक्शन का खतरा बढ़ाता है। गुनगुने पानी से दो-तीन दिन में एक बार स्नान कराएं और बाद में तुरंत मॉइस्चराइजर लगाएं।

ठंड में फलों और तरल पदार्थों की कमी करना

सर्दियों में बच्चे अक्सर पानी और फलों से दूरी बना लेते हैं। इससे शरीर में पानी की कमी और इम्यूनिटी में गिरावट आती है। बच्चों को सूप, हॉट मिल्क, सिट्रस फ्रूट (संतरा, मौसमी) और सूखे मेवे देना न भूलें।

कमरे में धूप या हवा का आना रोक देना

बंद कमरे में बैक्टीरिया और नमी जमा हो जाती है, जिससे सांस की समस्या बढ़ती है। रोजाना कुछ देर कमरे की खिड़कियां खोलें ताकि ताजी हवा और धूप अंदर आ सके। इसके अलावा सर्दियों में बच्चों के हाथ-पैर गर्म रखें लेकिन ओवर-कवर्ड नहीं। सोने से पहले हल्के गुनगुने दूध में हल्दी डालकर दें। यदि बच्चा बार-बार बीमार पड़ता है तो डॉक्टर से विटामिन सप्लीमेंट्स की सलाह लें।

पांच दिनों से है बुखार तो हो सकता है इन गंभीर बीमारियों का संकेत

बुखार शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली का एक सामान्य संकेत है कि शरीर किसी संक्रमण से लड़ रहा है। सामान्यतौर पर वायरल या मौसमी बुखार 3 से 5 दिनों के भीतर खुद ही ठीक हो जाते हैं। हालांकि अगर आपका बुखार पांच दिनों से अधिक समय तक बना रहता है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि आपको किसी साधारण संक्रमण के बजाय किसी गंभीर अंतर्निहित बीमारी की जांच करानी चाहिए।

पांच दिनों से अधिक रहने वाला लगातार बुखार डेंगू, निमोनिया, चिकनपॉक्स या टाइफाइड जैसी बीमारियों का संकेत हो सकता है, जिनके लिए समय पर और सटीक निदान तथा उचित चिकित्सा उपचार आवश्यक है। इन बीमारियों में देरी करना स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकता है।

डेंगू

डेंगू बुखार अक्सर तेज बुखार (103F - 104F) के साथ शुरू होता है। इसके प्रमुख लक्षणों में आंखों के पीछे तेज दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में असहनीय दर्द (जिसे 'ब्रेकबोन फीवर' भी कहते हैं), और त्वचा पर लाल चकत्ते शामिल हैं। इसके साथ खाने का टेस्ट नहीं आना, उल्टी महसूस होना और मसूड़ों या नाक से खून आना डेंगू के गंभीर होने का संकेत हो सकता है, जिसके लिए तुरंत अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत होती है।

निमोनिया

अगल पांच दिनों से अधिक बुखार है तो ये निमोनिया का संकेत भी हो सकता है। निमोनिया फेफड़ों का एक गंभीर संक्रमण है। इसके लक्षणों में तेज बुखार के साथ ठंड लगना और कांपना, बलगम वाली खांसी (जो पीले, हरे या खूनी हो सकती है), और सांस लेने में कठिनाई (सांस फूलना) शामिल है। ऐसी स्थिति में सीने में तेज दर्द महसूस हो सकता है, जो सांस लेने या खांसने पर बढ़ जाता है। निमोनिया का संदेह होने पर डॉक्टर से तुरंत संपर्क करना चाहिए।

चिकनपॉक्स

कई बार 5 दिन से अधिक बुखार होना चिकनपॉक्स का संकेत भी हो सकता है। चिकनपॉक्स की पहचान करना आसान है। यह हल्के बुखार के साथ शुरू होता है, जिसके बाद शरीर पर छोटे, लाल खुजलीदार दाने निकलने लगते हैं। ये दाने जल्द ही तरल पदार्थ से भरे हुए फफोलों में बदल जाते हैं, जो सूखकर पपड़ी बन जाते हैं। बुखार, सिरदर्द और भूख न लगना भी इसके सामान्य लक्षण हैं। यह एक अत्यधिक संक्रामक रोग है।

टाइफाइड के लक्षण

टाइफाइड के लक्षण धीरे-धीरे बढ़ते हैं। इसमें बुखार सीढ़ीनुमा पैटर्न में बढ़ता है, यानी पहले सप्ताह में धीरे-धीरे बढ़ता है और 104F तक पहुंच जाता है। अन्य लक्षणों में गंभीर पेट दर्द, कब्ज या दस्त, भूख में कमी, और गंभीर थकान शामिल हैं। कुछ मरीजों में पेट या सीने पर गुलाबी धब्बे भी दिख सकते हैं। बुखार के साथ ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से परामर्श लेनी चाहिए।

ठंड में तंदरुस्त रहना है तो जरूर खाएं आटे और गोंद से बनी बर्फी, शरीर को मिलेगी गर्मी

ठंड शुरू हो चुकी है। सर्दियां आते ही तिल, गुड़, मूंगफली और ड्राई फ्रूट्स को डाइट में जरूर शामिल कर लेना चाहिए। इससे शरीर गर्म रहता है और ताकत भी मिलती है। सर्दियों में दादी नानी तरह-तरह के लड्डू बनाकर परिवार को खिलाती हैं। सर्दियों में आटे के लड्डू, गोंद के लड्डू, मेथी के लड्डू और अलसी के लड्डू घरों में बनते हैं। अगर लड्डू बनाने का समय नहीं है तो आप बर्फी भी बना सकते हैं। सर्दियों में रोजाना ये 1 बर्फी खाने से ही शरीर बीमारियों से बचा रहेगा। फटाफट नोट कर लें सर्दियों में आटे की बर्फी की रेसिपी।

आटे की बर्फी की रेसिपी

पहला स्टेप- सबसे पहले कड़ाही में 2 बड़े चम्मच देसी घी डालें और अब इसमें गोंद को अच्छी तरह से भून लें। 1 कटोरी गोंद का इस्तेमाल करेंगे। अगर गोंद मोटा हो तो इसे एक बार में न भूनें थोड़ा कर करके भूनें। गोंद को मीडियम फ्लेम पर ही भूनें जिससे वो अंदर तक सिंक जाए। गोंद फ्राई होने पर फूलकर मोटा हो जाता है।

दूसरा स्टेप- अब आपको 2 छोटे कप गेहूं का आटा लेना है और उसे गोंद वाली कड़ाही में बचे घी में ही भून लें। अगर घी कम लग रहा हो तो थोड़ा और मिला सकते हैं। अब आटे को धीमी आंच पर ब्राउन होने और खुशबू आने तक अच्छी तरह से भून लें।

तीसरा स्टेप- अब 1 मुट्ठी बादाम, 1 मुट्ठी काजू लें और इन्हें मिक्सी में डालकर ग्राइंड कर लें। अब आटा भुन गया है तो इसमें 1 कटोरी मावा मिला दें। अगर मावा नहीं है तो आप मिल्क पाउडर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं या इसकी जगह मलाई भी उपयोग कर सकते हैं। आटे में मावा को अच्छी तरह मिला दें।

चौथा स्टेप-अब एक पैन में 1 कटोरी सूखा नारियल का पाउडर या कद्दूकस किया हुआ नारियल लें और 1 चम्मच घी डालकर हल्का भून लें। नारियल को आटे वाले मिक्सचर में मिला लें। इसमें ड्राई फ्रूट्स का पाउडर और भुना हुआ गोंद हल्का क्रश करके मिला दें। अब 2 कटोरी गुड़ लें और 2 चम्मच पानी डालकर इसे मैल्ट होने तक किसी पैन में पकाएं। गुड़ में 1 उबाल आने का बाद इसे आटे वाले मिश्रण में मिला दें।

पांचवां स्टेप-फ्लेवर के लिए इलायची पाउडर, सौंठ का पाउडर और आधा जायफल को घिस दें। अब सारी चीजों को अच्छी तरह मिला लें।

इस मिश्रण से आप लड्डू बना सकते हैं या इसे सेट करके बर्फी की शेप दे सकते हैं। आप इसे सेट कर दें और आधा घंटे के लिए छोड़ दें। एकदम हेल्दी और टेस्टी बर्फी बनकर तैयार हो जाएंगे। सर्दियों में आपको भी ये रेसिपी जरूर ट्राई करनी चाहिए।

आखिर ठंड में क्यों बढ़ जाती है डिहाइड्रेशन की समस्या?

सर्दियों में अक्सर लोग डिहाइड्रेशन की समस्या को नजरअंदाज कर देते हैं। अधिकांश लोगों को लगता है कि चूंकि ठंड में पसीना नहीं आता, इसलिए उन्हें कम पानी पीने की जरूरत है। यह एक बड़ी गलती है! यही वजह है कि ठंड के दिनों में डिहाइड्रेशन का जोखिम बढ़ जाता है, लेकिन इसके लक्षण इतनी धीमी गति से सामने आते हैं कि लोग इसे पहचान नहीं पाते।

इसका एक कारण यह है कि ठंडी हवा में सांस लेने पर शरीर से नमी तेजी से बाहर निकलती है। दूसरा कारण यह है कि ठंडे मौसम में शरीर प्यास लगने के संकेत को दबा देता है, यानी हमें कम प्यास महसूस होती है। इसके अलावा लोग चाय, कॉफी या सूप जैसे गर्म पेय पदार्थों पर अधिक निर्भर रहते हैं, जो पानी की कमी को पूरा नहीं कर पाते।

शरीर में पानी की कमी से थकान, सिरदर्द और कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं, और अगर इसे ठीक न किया जाए तो यह गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। आइए इस लेख में सर्दियों में डिहाइड्रेशन की समस्या के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कम प्यास लगना

ठंड में डिहाइड्रेशन बढ़ाने का सबसे बड़ा कारण है कि प्यास कम लगती है। ठंडे तापमान में शरीर रक्त वाहिकाओं को संकुचित करता है, जिससे गर्मी शरीर के अंदर बनी रहे। यह प्रक्रिया मस्तिष्क में प्यास लगने वाले संकेतों को दबा देती है। दूसरा हमें पसीना आता है इसलिए हमें यह महसूस नहीं होता कि हमें पानी पीने की जरूरत है।

श्वसन जल हानि

सर्दियों में हवा आमतौर पर रूखी और ठंडी होती है। जब हम ठंडी हवा में सांस लेते हैं, तो शरीर इसे गर्म करने और नम करने के लिए अपनी आंतरिक नमी का उपयोग करता है। जब हम सांस बाहर छोड़ते हैं, तो वह नमी वाष्प के रूप में बाहर निकल जाती है। बार-बार ऐसा होने पर, शरीर से तरल पदार्थ का नुकसान होता रहता है, जिसे श्वसन जल हानि कहते हैं।

ठंड में अधिक पेशाब आना

ठंडे वातावरण में शरीर रक्त वाहिकाओं को संकुचित करता है जिससे रक्त हृदय के आस-पास केंद्रित हो जाता है। ऐसे में मस्तिष्क किडनी को अधिक पेशाब बनाने का संकेत देता है। इसे कोल्ड डाययूरेसिस कहते हैं, जिससे शरीर से और अधिक तरल पदार्थ बाहर निकल जाता है।

पेशाब के रंग से करें डिहाइड्रेशन की पहचान

डिहाइड्रेशन को पहचानने का सबसे आसान तरीका है अपने पेशाब के रंग को देखना। अगर आप पर्याप्त हाइड्रेटेड हैं, तो आपके पेशाब का रंग हल्का पीला या लगभग पारदर्शी होगा। अगर पेशाब का रंग गहरा पीला है, तो यह स्पष्ट संकेत है कि आपको तुरंत और अधिक पानी पीने की जरूरत है।

अस्थमा से कितना अलग है सीओपीडी, क्या ये दोनों एक ही बीमारी हैं?

विश्व सीओपीडी दिवस हर साल नवंबर के तीसरे बुधवार को मनाया जाता है। इस साल यह दिन 19 नवंबर है। इसका उद्देश्य क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। सीओपीडी श्वसन और फेफड़ों से जुड़ी एक बेहद गंभीर बीमारी है। अक्सर लोग इस बीमारी को अस्थमा से जोड़ कर देखते हैं, हालांकि दोनों में सांस लेने में कठिनाई होती है, लेकिन ये एक ही बीमारी नहीं हैं।

सीओपीडी एक प्रगतिशील बीमारी है, जिसका अर्थ है कि समय के साथ फेफड़ों की कार्यक्षमता बिगड़ती जाती है, और यह नुकसान अक्सर स्थायी होता है। यह मुख्य रूप से धूम्रपान या प्रदूषण के कारण होता है। दूसरी ओर अस्थमा सांस की नली में अस्थायी सूजन के कारण होता है, जो एलर्जी या ट्रिगर्स के संपर्क में आने पर होता है। अस्थमा का सही इलाज करने पर फेफड़ों की कार्यक्षमता आमतौर पर सामान्य हो जाती है।

ऐसे में इन दोनों के बीच इस अंतर को समझना इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि गलत निदान से गलत उपचार हो सकता है, जो सीओपीडी के मरीजों के लिए घातक साबित हो सकता है। दोनों बीमारियों की जड़ें, गंभीरता और उपचार के दृष्टिकोण में मौलिक अंतर है, जिसकी जानकारी जीवन बचाने और फेफड़ों के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अनिवार्य है।

इन दोनों बीमारियों का मूल कारण

सीओपीडी का मुख्य कारण आमतौर पर लंबे समय तक धूम्रपान या प्रदूषण के संपर्क में रहना होता है, और यह अक्सर 40 साल की उम्र के बाद शुरू होता है। इसके विपरीत अस्थमा की शुरुआत अक्सर बचपन में होती है और यह मुख्य रूप से एलर्जी (जैसे पराग, धूल) या आनुवंशिक कारणों से ट्रिगर होता है।

फेफड़ों को होने वाला नुकसान

सीओपीडी में फेफड़ों की कार्यक्षमता का नुकसान स्थायी होता है। यह वायुमार्ग को संकुचित कर देता है और फेफड़ों के वायुकोषों को नष्ट कर देता है। वहीं अस्थमा में सांस की नली में होने वाली सूजन और संकुचन अस्थायी होती है, जो दवा लेने पर वापस सामान्य हो सकता है।

उपचार और दवाएं

सीओपीडी का उपचार मुख्य रूप से बीमारी की प्रगति को धीमा करने पर केंद्रित होता है, जिसके लिए लंबे समय तक काम करने वाले ब्रोंकोडायलेटर्स का उपयोग किया जाता है। अस्थमा के उपचार में आमतौर पर इनहेल्ड स्टेरॉयड और शॉर्ट-एक्टिंग ब्रोंकोडायलेटर्स (रिलीवर) शामिल होते हैं, जिनका उपयोग ट्रिगर होने पर किया जाता है।

दोनों बीमारियों की गंभीरता

सीओपीडी समय के साथ धीरे-धीरे बिगड़ती जाती है, खासकर यदि रोगी धूम्रपान करता है या लगातार वायु प्रदूषण में रहता है। मरीज को लगातार सांस फूलने की शिकायत रहती है। अस्थमा के लक्षण समय-समय पर आते हैं, और अटैक के बीच मरीज लगभग सामान्य महसूस करता है।

ठंड में गर्म पानी से नहा रहे हैं तो हो रहा है सेहत को नुकसान

सर्दियों के दिनों में कड़ाके की ठंड से बचने के लिए अक्सर कुछ लोग गर्म पानी से नहाना पसंद करते हैं। हालांकि यह आदत उस समय तो राहत देती है, लेकिन यह आपके स्वास्थ्य, खासकर त्वचा और हृदय को गंभीर नुकसान पहुंचा सकती है। हमारी त्वचा पर एक प्राकृतिक तेल की परत होती है, जिसे सीबम कहते हैं, जो नमी को बनाए रखने का काम करती है। बहुत गर्म पानी इस प्राकृतिक तेल को पूरी तरह से धो डालता है।

ऐसे में बहुत गर्म पानी से नहाने से त्वचा रूखी, बेजान हो जाती है साथ ही खुजली और एलर्जी का जोखिम बढ़ जाता है। इतना ही नहीं, एक्जिमा जैसी त्वचा संबंधी बीमारियां ट्रिगर हो सकती हैं। इसलिए विशेषज्ञों का मानना है कि पानी को केवल 'गुनगुना' रखना ही समझदारी है, न कि 'खौलता हुआ', ताकि आपको नहाते समय ठंड भी न लगे और अपने स्वास्थ्य को सुरक्षित रख सकें।

त्वचा की प्राकृतिक नमी का ह्रास

अत्यधिक गर्म पानी त्वचा की सबसे ऊपरी परत में मौजूद प्राकृतिक नमी और लिपिड बाधा को भंग कर देता है। इस प्राकृतिक तेल को सीबम कहते हैं, जो त्वचा को रूखेपन और बाहरी तत्वों से बचाता है। इसे बार-बार हटाने से त्वचा बहुत ज्यादा रूखी हो जाती है, उसमें खुजली होने लगती है, और रूखेपन के कारण त्वचा में दरारें पड़ सकती हैं।

हृदय पर अनावश्यक दबाव

गर्म पानी से नहाने पर रक्त वाहिकाएं तेजी से फैलती हैं, जिसे वासोडिलेशन कहते हैं। यह ब्लडप्रेशर को अचानक कम कर सकता है। हृदय को इस कमी को पूरा करने के लिए तेजी से काम करना पड़ता है। हृदय रोगी या हाई ब्लड प्रेशर वाले लोगों के लिए यह अतिरिक्त प्रयास अनावश्यक दबाव डालता है और खतरनाक साबित हो सकता है।

बालों और स्कैल्प को नुकसान

गर्म पानी केवल त्वचा ही नहीं, बल्कि बालों और स्कैल्प के लिए भी हानिकारक है। यह स्कैल्प से प्राकृतिक तेलों को हटा देता है, जिससे स्कैल्प रूखी हो जाती है और डैंड्रफ की समस्या बढ़ सकती है। यह बालों के क्यूटिकल्स को भी क्षतिग्रस्त करता है, जिससे बाल रूखे और बेजान हो जाते हैं और फिर टूटने लगते हैं।

तो क्या गर्म पानी नहीं नहाएं?

सर्दी में नहाने के लिए सबसे अच्छा तापमान वह है जो सिर्फ गुनगुना हो, न कि भाप वाला गर्म। स्नान की अवधि को भी सीमित रखना चाहिए, 10 से 15 मिनट का स्नान पर्याप्त हैं। गर्म पानी से नहाने के तुरंत बाद शरीर पर मॉइस्चराइजर लगाना जरूरी है, ताकि नमी को त्वचा में रोका जा सके।

मानसिक शांति चाहिए तो अपनाएं ये तीन सलाह, तनाव से मिलेगा छुटकारा

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में मानसिक तनाव एक बड़ी चुनौती है, और अक्सर लोग इसे कम करने के लिए तुरंत समाधान खोजते हैं। इसी विषय पर मशहूर डॉक्टर मल्हार गणला ने लंबे समय तक मानसिक शांति बनाए रखने के लिए तीन ऐसे 'टिप्स' साझा किए हैं, जो हमारी जीवनशैली और सोच में गहरे बदलाव ला सकते हैं।

ये तीन सिद्धांत हमें यह सिखाते हैं कि तनाव का मुख्य कारण बाहरी परिस्थितियां नहीं, बल्कि हमारी आंतरिक अपेक्षाएं और शिकायतें हैं। डॉक्टर गणला का कहना है कि यदि हम अपनी पुरानी शिकायतों को छोड़ दें, तो हम एक स्थायी शांति का अनुभव कर सकते हैं। इन 'हैक्स' को अपनाना मस्तिष्क के कोर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को नियंत्रित करने का एक अचूक तरीका है। आइए इस लेख में डॉक्टर मल्हार गणला के बताए गए तीन टिप्स के बारे में विस्तार से बताता है, जिन्हें कोई भी व्यक्ति अपनी दिनचर्या में शामिल करके तनाव-मुक्त जीवन जी सकता है।

माता-पिता से शिकायतें छोड़ें

मानसिक शांति की पहली सीढ़ी है क्षमा करना। कई लोग अपने माता-पिता को अपने करियर या जीवन की रुकावटों के लिए कोसते रहते हैं। वे सोचते हैं कि माता-पिता को उनके लिए कुछ और करना चाहिए था। यह सोच गलत है। उनका कहना है कि आपके माता-पिता ने अपने समय की अर्थव्यवस्था और सीमित संसाधनों के हिसाब से हमेशा सबसे अच्छा ही किया।

इस 'नादानी' को छोड़ दें क्योंकि कोई भी इंसान आपकी ग्रोथ में बाधा डालने के लिए जिम्मेदार नहीं है। एक बार जब आप अपने माता-पिता की शिकायतों को अपने दिमाग से निकाल देंगे, तो दूसरों को माफ करना बहुत आसान हो जाता है।

हर मौके का पूरा लाभ उठाएं

दूसरा दिलचस्प बात हमारा समय और ऊर्जा बहुत सीमित है। उम्र बढ़ने के साथ यह समझ आती है कि हम सब कुछ नियंत्रित नहीं कर सकते। इसलिए, यह सोचने में ऊर्जा बर्बाद न करें कि 'काश मैं वहां होता' या 'यह करने से क्या होगा'। इसके बजाय, जो भी मौका मिल रहा है, उसे तुरंत लें और उसका पूरा लाभ उठाएं। अगर कोई दोस्त हिमालय जा रहा है, और आप जा सकते हैं, तो तुरंत जाएं! क्योंकि 'एवरीथिंग कैन लिटरली बीइंग द लास्ट' (हर मौका आखिरी हो सकता है)। बस उठो, और मौके में शामिल हो जाओ।

प्लान की अपेक्षा छोड़ें, वर्तमान पर ध्यान दें

तीसरा सबसे बड़ा तनाव कम करने वाला तरीका है, यह स्वीकार करना कि किसी को भी अपना 'प्लान' नहीं मिलता। बहुत से लोग जीवन में सफलता का एक निश्चित खाका तैयार करते हैं। जैसे बीच पर बंगला, पहाड़ पर घूमना, और सब कुछ मेरी इच्छा के अनुसार हो। यह अपेक्षा कि 'जो भी होने वाला है लाइफ में मेरे हिसाब से होएगा', एक तनावपूर्ण मानसिकता है। जितना जल्दी आप यह विचार छोड़ देंगे, उतनी जल्दी आप फ्री होकर अपने लक्ष्य पर फोकस कर पाएंगे।

तनाव प्रबंधन

इन तीन सिद्धांतों को अपनाने से आप जीवन की अनिश्चितताओं को स्वीकार करना सीख जाते हैं। जब आप शिकायतें छोड़ते हैं, वर्तमान के अवसरों का आनंद लेते हैं और अवास्तविक अपेक्षाओं को त्यागते हैं, तो आपका मस्तिष्क शांत होता है। यह दीर्घकालिक शांति और मानसिक स्वास्थ्य के लिए सबसे प्रभावी तरीका है। इन हैक्स का उपयोग करके आप मानसिक रूप से लंबे समय के लिए बहुत अच्छा महसूस करेंगे।

मोदी ने किसान सम्मान निधि की 21वीं किस्त जारी की

9 करोड़ किसानों के खाते में 18000 करोड़ से ज्यादा ट्रांसफर; नेचुरल फार्मिंग पर जोर दिया

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। पीएम मोदी ने बुधवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 21वीं किस्त जारी की। उन्होंने तमिलनाडु के कोयंबटूर से देशभर के करीब 9 करोड़ से ज्यादा किसानों के खाते में 18000 करोड़ रुपए से ज्यादा ट्रांसफर किए।

इस दौरान उन्होंने कहा कि इस योजना से देश के छोटे किसानों के खाते में अब तक 4 लाख करोड़ रुपए भेजे जा चुके हैं। किसानों को 10 लाख करोड़ रुपए की मदद भी दी गई है। उन्होंने नेचुरल फार्मिंग को बढ़ावा देने की बात कही। मोदी ने कहा कि नेचुरल फार्मिंग से हमारा एग्रीकल्चर एक्सपोर्ट 2 गुना हुआ है।

मोदी ने कहा कि जब मैं मंच पर आया तो काफी किसान गमछा घुमा रहे थे, मुझे लगा बिहार की हवा यहां मेरे आने से पहले पहुंच गई है। किसान सम्मान निधि योजना के तहत छोटे किसानों को एक साल में 2-2 हजार रुपए की तीन किस्तें (कुल 6000 रुपए) दी जाती हैं। यह राशि उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाती है।

पीएम बोले- नेचुरल फार्मिंग मेरे दिल के करीब

मोदी ने कहा कि कोयंबटूर का टेक्सटाइल सेक्टर देश की इकोनॉमी में बहुत बड़ा कॉन्ट्रिब्यूटर है। नेचुरल फार्मिंग मेरे दिल के बहुत करीब है। मैं तमिलनाडु के सभी किसानों को शुभकामनाएं देता हूं। कोई मैकेनिकल इंजीनियरिंग और पीएचडी करके खेती कर रहा है। कोई नासा में काम करते हुए खेती कर रहा है और अन्य किसानों को ट्रेंड कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एक साल पहले सरकार ने नेचुरल किसान और नेचुरल फार्मिंग की शुरुआत की, जिससे कई किसान जुड़ चुके हैं। तमिलनाडु में ही 35 हजार हेक्टेयर पर नेचुरल फार्मिंग हो रही है। पीएम ने कहा कि कर्नाटक और केरल में मल्टीलेयर फार्मिंग हो रही है। एक साथ नारियल, मिर्ची और अन्य फसलें उगाई जा रही हैं।

केंद्र सरकार ने कुछ राज्यों में 21वीं किस्त पहले ही जारी कर दी है। 26 सितंबर 2025 को पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के किसानों को ये किस्त दी गई, क्योंकि इन राज्यों में बाढ़ और भूस्खलन से हुए नुकसान की भरपाई के लिए अग्रिम राहत दी गई थी। इसके अलावा 7 अक्टूबर 2025 को जम्मू-कश्मीर के किसानों को भी ये किस्त मिल चुकी है।

सीमेंट परिवहन हुआ सस्ता, मध्यमवर्गीय परिवारों को मिलेगी राहत

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देशभर में सीमेंट परिवहन लागत कम करने के उद्देश्य से एक बड़े सुधार की घोषणा की। सरकार का मानना है कि इस कदम से घर बना रहे मध्यमवर्गीय परिवारों को सीधी राहत पहुंचेगी। मंत्री ने बल्क सीमेंट टर्मिनल पॉलिसी और कंटेनर रेट रेशनलाइजेशन कार्यक्रम के बाद बताया कि रेलवे ने बल्क सीमेंट परिवहन के लिए 90 पैसे प्रति जीटीकेएम की एकसमान दर लागू की है।

जीटीकेएम के आप क्या समझते हैं?

जीटीकेएम का अर्थ है सकल टन-किलोमीटर। यह रेलवे और माल ढुलाई उद्योग में परिवहन शुल्क की गणना के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक मानक उपाय है। 1 जीटीकेएम, 1 किलोमीटर के लिए 1 सकल टन भार परिवहन के बराबर है। जब रेलवे 90 पैसे प्रति जीटीकेएम दर बताता है, तो इसका मतलब है कि एक किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर परिवहन किए गए प्रत्येक सकल टन सीमेंट के लिए शुल्क 0.90 रुपये है।

सेंसेक्स 513 अंक चढ़कर 85,186 पर बंद:निफ्टी में भी 142 अंक की तेजी रही

मुंबई, 19 नवंबर (एजेंसियां)। शेयर बाजार में आज यानी 19 नवंबर को तेजी देखने को मिली है। सेंसेक्स 513 अंक की बढ़त के साथ 85,186 पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 142 अंक की बढ़त रही, ये 26,052 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 20 में बढ़त और 10 में गिरावट रही। आईटी और बैंकिंग शेयर्स में आज ज्यादा बढ़त रही। वहीं फाइनेंस और एनर्जी शेयर्स में गिरावट रही।

टेनेको क्लीन एयर इंडिया का शेयर 27% प्रीमियम के साथ NSE पर 509 रुपए के भाव पर लिस्ट हुआ। वहीं BSE पर 25% प्रीमियम के साथ शेयर 498 रुपए पर लिस्ट हुआ। हालांकि बाद में इसके शेयर में थोड़ी गिरावट देखने को मिली और ये NSE पर 490 रुपए पर बंद हुआ। इसका इश्यू प्राइस 397 रुपए किया था।

एशियाई बाजारः जापान का निक्केई 0.34% नीचे 48,537 पर, कोरिया का कोस्पी 0.61% नीचे 3,929 पर और हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग 0.38% नीचे 25,830 पर बंद हुआ।

अमेरिकी बाजारः 18 नवंबर को अमेरिका का डाउ जोन्स 1.07% गिरकर 46,091 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 1.21% और S&P 500 0.83% गिरकर बंद हुआ।

सोना 1,704 बढ़कर 1.24 लाख प्रति 10 ग्राम हुआ

इस साल 47,722 महंगा हो चुका, चांदी 4,414 बढ़कर 1.58 लाख किलो

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। सोना-चांदी के दाम में आज यानी 19 नवंबर को बढ़त रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम सोना 1,704 रुपए बढ़कर 1,23,884 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 1,22,180 रुपए प्रति 10 ग्राम थी।

चांदी 4,414 रुपए बढ़कर 1,58,120 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई है। इससे पहले इसकी कीमत 1,53,706 प्रति किलोग्राम थी। 17 अक्टूबर को सोने ने 1,30,874 रुपए और 14 अक्टूबर को चांदी ने 1,78,100 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

IBJA की सोने की कीमतों में 3% GST, मेकिंग चार्ज और ज्वेलर्स मार्जिन शामिल नहीं होता इसलिए शहरों के रेट्स इससे अलग होते हैं। इन रेट्स का इस्तेमाल RBI सोवरेन गोल्ड बॉन्ड के रेट तय करने के लिए करता है। कई बैंक गोल्ड लोन के रेट तय करने के लिए इसे इस्तेमाल करते हैं।

इस साल अब तक सोने की कीमत 47,722 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,23,884 रुपए हो गया है।

चांदी का भाव भी इस दौरान 72,103 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,58,120 रुपए प्रति किलो हो गई है।

सोने के दाम में उतार-चढ़ाव की उम्मीद

एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में सोने के दामों में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। हालांकि शादियों का सीजन चालू हो चुका है इससे सोने को सपोर्ट मिलेगा। इससे आने वाले दिनों में इसकी कीमत फिर एक बार 1.25 लाख रुपए तक जा सकती है।

वॉट्सएप के 3.5 अरब यूजर्स का डेटा खतरे में

प्रोफाइल पिक्चर-स्टेटस जैसी डिटेल्स लीक हो रहीं, रिसर्चर्स ने एप में खामी ढूंढी

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। वॉट्सएप इस्तेमाल करने वाले 3.5 अरब से ज्यादा यूजर्स के फोन नंबर खतरे में हैं। एक बड़ी सिक्योरिटी कमजोरी की वजह से यूजर्स की प्रोफाइल पिक्चर, स्टेटस और अबाउट सेक्शन की डिटेल्स लीक हो सकती हैं। वियना यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने इस खामी का पता लगाया है।

रिसर्चर्स के मुताबिक इस खामी के कारण किसी भी नंबर को चेक करके पता चल जाता है कि वो वॉट्सएप पर एक्टिव है या नहीं। फिर प्रोफाइल पिक्चर, स्टेटस और अबाउट सेक्शन की डिटेल्स आसानी से निकाली जा सकती हैं। इनका गलत इस्तेमाल हो सकता है।

रिसर्चर्स ने बताया कि प्रॉब्लम वॉट्सएप के कॉन्टैक्ट डिस्कवरी फीचर में है। इसे यूजर्स की फोन एड्रेस बुक को सिंक करके लोगों को ढूंढना आसान बनाने के लिए बनाया गया था, लेकिन अनजाने में इसने यूजर डेटा की बड़े पैमाने पर हार्वेस्टिंग (चोरी) का दरवाजा भी खोल दिया।

वियना यूनिवर्सिटी के रिसर्चर्स ने लिबफोनजेन टूल यूज करके 245 देशों के रियलिस्टिक फोन नंबर्स जेनरेट किए। फिर वॉट्सएप के XMPP प्रोटोकॉल से कनेक्ट कर क्वेरी भेजी।

भारत के 74.9 करोड़ यूजर्स के नंबर खतरे में

रिसर्चर्स ने बताया कि 3.5 अरब यानी 350 करोड़ यूजर्स में से भारत में सबसे ज्यादा 74.9 करोड़ (21.67%), इंडोनेशिया में 23.5 करोड़ (6.81%), ब्राजील में 20.7 करोड़ (5.99%), अमेरिका में 13.8 करोड़ (3.99%) और रूस में 13.3 करोड़ (3.84%) अकाउंट्स शामिल थे।

इसमें 81% एंड्रॉयड और 19% iOS यूजर्स शामिल हैं। इसके अलावा 9% बिजनेस अकाउंट्स हैं, जो वॉट्सएप बिजनेस फीचर्स से ज्यादा डेटा शेयर करते हैं। वेस्ट अफ्रीका जैसे रीजन में 80% प्रोफाइल पब्लिक हैं, जहां मैसेजिंग के लिए वॉट्सएप ही यूज होता है।

वॉट्सएप VP ऑफ इंजीनियरिंग नितिन गुप्ता ने कहा, 'रिसर्च ने हमारे एंटी-स्क्रैपिंग मेजर्स को टेस्ट करने में मदद की। अभी तक कोई गलत इस्तेमाल नहीं दिखा।' मेटा अब और पहले से ज्यादा मजबूत एंटी-स्क्रैपिंग टूल्स डेवलप कर रहा है।

साइबर सिक्योरिटी एक्सपर्ट्स ने इस खामी को लेकर कहा कि प्रोफाइल को प्राइवेट सेट करें, 'अबाउट' में पर्सनल डिटेल्स न डालें, स्टेटस शेयरिंग लिमिट करें। अगर आप बिजनेस यूजर हैं, तो वॉट्सएप बिजनेस API के सिक्योर फीचर्स यूज करें। फ्यूचर में ऐसी कमजोरियां कम होंगी, लेकिन प्राइवेसी अब यूजर की जिम्मेदारी भी है।

गौतम अडानी का नाम जुड़ते ही रॉकेट बना शेयर

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर) के शेयरों में बुधवार को 17.29% तेजी आई और 20.69 रुपये पर पहुंच गए। जेपी पावर की सहयोगी कंपनी जेपी एसोसिएट्स के क्रेडिटर्स ने अडानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड की समाधान योजना के पक्ष में सर्वसम्मति से वोट दिया है। इस कारण जेपी पावर के शेयरों में आज जबरदस्त तेजी देखने को मिली। पिछले सत्र में यह 17.64 रुपये पर बंद हुआ था और आज 17.79 रुपये पर खुला। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 27.62 रुपये और न्यूनतम 12.35 रुपये है।

अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता ने 17,000 करोड़ रुपये की पेशकश के साथ जेपी एसोसिएट्स के लिए सबसे बड़ी बोली लगाई थी। लेकिन क्रेडिटर्स ने अडानी एंटरप्राइजेज के ऑफर को मंजूरी दी। इसकी वजह यह थी कि अडानी की तरफ से ज्यादा अग्रिम भुगतान का ऑफर दिया गया है। JAL पर क्रेडिटर्स का 55,000 करोड़ का कर्ज है। पिछले साल जून में कंपनी को इनसॉल्वेंसी प्रॉसीडिंग्स के लिए स्वीकार किया गया था।

जयप्रकाश एसोसिएट्स जेपी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी है। इसके पास सीमेंट, पावर, इंजीनियरिंग, हॉस्पिटैलिटी, रियल एस्टेट और स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसे कई बिजनेस हैं। एक अलग एक्सचेंज फाइलिंग में जेपी पावर ने हाल ही में बताया कि उसके नॉन-एग्जीक्यूटिव प्रेजिडेंट मनोज गौड़ को प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने पीएमएलए के तहत गिरफ्तार किया है। कंपनी ने कहा कि यह कथित अपराध जेपी पावर से जुड़ा नहीं है। यह मामला जेपी इन्फ्राटेक लिमिटेड से संबंधित है, जिसे अब सुरक्षा रियलिटी ने खरीद लिया है।

पीयूष गोयल 20-22 नवंबर को इस्राइल दौरे पर व्यापार और रणनीतिक सहयोग को नई गति मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली , 19 नवंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 20 से 22 नवंबर 2025 तक तीन दिवसीय आधिकारिक इस्राइल दौरे पर जाएंगे। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, यह यात्रा इस्राइल के अर्थव्यवस्था और उद्योग मंत्री निर बरकात के निमंत्रण पर हो रही है।

दौरे का उद्देश्य दोनों देशों के बीच बढ़ती रणनीतिक और आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करना है। गोयल के साथ सीआईआई, फिक्की, एसोचैम और स्टार्ट-अप इंडिया से जुड़े 60 सदस्यीय व्यवसायिक प्रतिनिधिमंडल भी जाएगा, जो भारत-इस्राइल उद्योग सहयोग को नए स्तर पर ले जाने का संकेत है।

गोयल बरकत और अन्य प्रमुख मंत्रियों सहित वरिष्ठ इस्राइली नेतृत्व के साथ उच्च-स्तरीय द्विपक्षीय बैठकें करेंगे। चर्चाएं व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ावा देने और कृषि, जल, रक्षा, उभरती प्रौद्योगिकियों, जीवन विज्ञान, उन्नत विनिर्माण और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित होंगी। दोनों पक्षों द्वारा प्रस्तावित भारत-इस्राइल मुक्त व्यापार समझौते (FTA) की प्रगति की समीक्षा करने की भी उम्मीद है।

इस यात्रा के दौरान, गोयल भारत-इस्राइल व्यापार मंच को संबोधित करेंगे, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख व्यापारिक संगठन और उद्योग प्रतिनिधि एक साथ आएंगे। इस कार्यक्रम में पूर्ण सत्र, तकनीकी चर्चाएं और बी2बी बैठकें शामिल होंगी। इनका उद्देश्य निवेश को बढ़ावा देना, वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार करना और संयुक्त उद्यम के अवसरों की खोज करना है। सीईओ फोरम का चौथा संस्करण भी आयोजित किया जाएगा।

इसके अलावा, मंत्री प्रमुख इस्राइली निवेशकों से मिलने के अलावा कृषि, विलवणीकरण, अपशिष्ट जल उपचार, साइबर सुरक्षा, स्मार्ट मोबिलिटी और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में काम करने वाली प्रमुख इस्राइली कंपनियों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। गोयल के कार्यक्रम में तेल अवीव के प्रमुख नवाचार केंद्रों और संस्थानों का दौरा भी शामिल है, जहां वे इस्राइल के तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र की जानकारी प्राप्त करेंगे। भारतीय प्रवासियों और भारतीय मूल के व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत सहित सांस्कृतिक और सामुदायिक कार्यक्रमों की भी योजना है।

शेरकोटी ब्रांड ने सबको पछाड़ा

लखनऊ, 19 नवंबर (एजेंसियां)। शेरकोटी के सीएमडी ज़ैद ने आज शेरकोटी पेंट्स की लखनऊ ब्रांच पहुँच कर वहां के ब्रांच हेड सलमान और उनकी टीम को काम की सराहना की। लखनऊ में कस्टमर से जो फीडबैक मिल रहा है, वह बहुत शानदार है। लोग शेरकोटी पेंट्स की क्वालिटी से संतुष्ट नजर आए। ग्राहकों के अनुसार शेरकोटी पेंट ने बाकी ब्रांड के पीछे छोड दिया है। सिर्फ लखनऊ ही नहीं, बल्कि पूरे हिंदुस्तान में शेरकोटी पेंट्स ने ज़बरदस्त धूम मचा रखी है। भारत की बाकी सभी ब्रांचें भी बेहतरीन काम कर रही हैं और सब मिलकर शेरकोटी पेंट्स को पूरे देश में एक मजबूत और भरोसेमंद ब्रांड बना रहे हैं।

भारत को ऑफर ही ऑफर दे रहा रूस, क्या अमेरिका से बढ़ेगी दिल्ली की दूरी?

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। रूस कई व्यापारिक मामलों में भारत के लगातार करीब आने की कोशिश में है। पहले भारत को सस्ता कच्चा तेल बेचा। फिर कहा कि वह भारत को एलएनजी की सप्लाई बढ़ाना चाहता है। अब बात बंदरगाह पर आ गई है। रूस ने भारत के जहाज निर्माण और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर में पहल की पेशकश की है।

रूस ने भारत को जहाज बनाने के क्षेत्र में कई नए प्रस्ताव दिए हैं। रूस भारत के लिए मछली पकड़ने वाले जहाज, यात्री जहाज और सहायक जहाजों के मौजूदा डिजाइन दे सकता है या फिर नए डिजाइन भी बना सकता है। यह सब इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समुद्री क्षेत्र में साझेदारी को बढ़ाने के प्रयासों का हिस्सा है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में हिंद महासागर भी शामिल है। रूस के इस कदम से भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में कुछ दूरी आ सकती है। क्योंकि अमेरिका नहीं चाहता कि भारत के रूस के साथ व्यापारिक नजदीकियां बढ़ें।

क्या है रूस का नया प्रस्ताव?

हाल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खास सलाहकार और पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) निकोलाई पैट्रुशेव भारत आए थे। उन्होंने शिपिंग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल से मुलाकात की। इस मुलाकात में दोनों देशों ने जहाज बनाने, बंदरगाहों के इंफ्रास्ट्रक्चर और समुद्री लॉजिस्टिक्स में सहयोग की संभावनाओं पर बात की। इस बैठक में जहाजों के क्रू (चालक दल) को ट्रेनिंग देने और गहरे समुद्र में रिसर्च करने जैसे मुद्दों पर भी खास ध्यान दिया गया।

पैट्रुशेव ने सोनोवाल से कहा, 'हम भारत को जहाज बनाने के क्षेत्र में दिलचस्प प्रस्ताव दे सकते हैं। इसमें मछली पकड़ने वाले जहाजों, यात्री जहाजों और सहायक जहाजों के मौजूदा डिजाइन देना या फिर नए डिजाइन बनाना शामिल है।' उन्होंने यह भी बताया कि रूस के पास खास तरह के जहाज बनाने का बहुत अनुभव है। जैसे कि बर्फ में चलने वाले और आइसब्रेकर जहाज। उन्होंने कहा कि ग्रीन शिपबिल्डिंग में भी सहयोग के मौके हैं, जो आजकल भारत की समुद्री क्षेत्र में एक बड़ी प्राथमिकता है।

यह पहली बार नहीं है जब रूस ने भारत को इस तरह का प्रस्ताव दिया है। कुछ समय पहले रूस ने भारत को प्रस्ताव दिया था कि वह लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) की सप्लाई बढ़ा सकता है। रूस के ऊर्जा मंत्री सर्गेई त्सिविलेव ने कहा था कि भारत अपनी ऊर्जा में गैस का हिस्सा 15% तक बढ़ाना चाहता है। हम रूस की मौजूदा और आने वाली परियोजनाओं से एलएनजी की पेशकश करने के लिए तैयार हैं।

अमेरिका के साथ रिश्तों पर असर

अगर रूस भारत के साथ व्यापारिक नजदीकियां बढ़ता है तो इससे ट्रंप को नाराजगी हो सकती है। रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर ट्रंप रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर निशाना साधते रहे हैं। ट्रंप कह चुके हैं कि जो देश रूस का आर्थिक रूप से साथ देंगे, उन पर ज्यादा टैरिफ लगाया जाएगा।

दैनिक पंचांग

श्री सिद्धार्थी (विश्वावसु) नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947,** सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
सूर्योदय **06-25**
सूर्यास्त. **17-36**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत्-**1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**
दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष गुरुवार **20 Nov**
तिथि - अमावस्या **12-17** तक उपरान्त प्रतिपदा
नक्षत्र - विशाखा **10-58** तक उप अनुराधा
योग - शोभन **09-52** तक अतिगण्ड
करण - नाग **12-17** तक उप किंस्तुघ्न

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक	वृश्चिक	06-09 बजे
चंद्र	वृश्चिक	धनु	08-23 बजे
मंगल	वृश्चिक	मकर	10-30 बजे
बुध	वृश्चिक	कुंभ	12-29 बजे
शुक्र	कर्क	मीन	13-58 बजे
शनि	तुला	मेष	15-34 बजे
राहु	मीन	वृष	17-19 बजे
केतु	सिंह	मिथुन	19-18 बजे
		कर्क	21-34 बजे
		सिंह	23-44 बजे
		कन्या	01-50 बजे
		तुला	04-00 बजे

देवकार्ये अमावस्या

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावें व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 13-26 14-50

पं.महेशचन्द्र शर्मा **9247132654 9167555710**

दिन का चौघडिया		रात का चौघडिया	
शुभ	06-25 - 07-49 शुभ	अमृत	17-36 - 19-15 शुभ
रोग	07-49 - 09-13 अशुभ	चंचल	19-15 - 20-50 शुभ
उत्पात	09-13 - 10-37 अशुभ	रोग	20-50 - 22-26 अशुभ
चंचल	10-37 - 12-02 शुभ	काल	22-26 - 00-02 अशुभ
लाभ	12-02 - 13-26 शुभ	लाभ	00-02 - 01-38 शुभ
अमृत	13-26 - 14-50 शुभ	उत्पात	01-38 - 03-14 अशुभ
काल	14-50 - 16-14 अशुभ	शुभ.	03-14 - 04-50 शुभ
शुभ	16-15 - 17-36 शुभ	अमृत	04-50 - 06-25 शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)

आप अपने परिवार के हित और अपने व्यावसायिक हित के बीच अपने आप को फंसा हुआ पाएंगे । अपने परिवार के कल्याण को चुने और थोड़ी देर के लिए अन्य बातों को बस्ते में डाल दे । आपका वित्तीय भाग्य बहुत मजबूत है। आप आज बोली भी लगा सकते हैं और उसमे जीतने की संभावना काफी प्रबल है। इस समय किये गए सभी निवेश आपको भविष्य में अच्छी तरह से लाभान्वित करेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आज का दिन प्रशासनिक नौकरियों में या किसी भी क्षमता में सरकार के लिए काम कर रहे लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है। जो भी विस्तारपूर्ण काम काज जो काफी समय से लंबित था , उसे करने के लिये आज प्रयत्न करे क्यों की वह आसानी से समाप्त हो जाएगा । अगर आप अपने वर्तमान कार्यस्थल पर बैचनी या फंसा हुआ सा महसूस कर रहे है।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज के दिन अप्रत्याशित धन की प्राप्ति के योग है । आज का दिन लॉटरी और सट्टा बाजार के लिए भी लाभप्रद है परन्तु ये धन लाभ कई तरह की जिम्मेदारियां भी साथ लायेगा जिसे आपको नजरअंदाज नहीं करना है । आपको इस पैसे के संबंध में आज एक महत्वपूर्ण काम का निर्वहन करना पड़ सकता है।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,)

आज आप आत्मविश्वास और सकारात्मक रहेंगे । आज किसी भी साक्षात्कार या ग्राहक के साथ किसी भी सौदे को तय करने के लिए एक अच्छा दिन है। आपको आज एक अछा लाभ मिल सकता है । आप दिन के उत्तरार्ध में किसी कार्य को लेकर कुछ अटक सकते है। कल के लिए मनोरंजन या मनोरंजन के लिए अपनी योजनाओं को स्थगित करें एवं अपने सहयोगी से आज मदद ले ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आपको महसूस होगा की अपनी नौकरी में आपको वह संतुष्टि नहीं मिली जो आप चाहते थे और आज आप अपनी नौकरी छोड़ने के लिए अंतिम कदम भी उठा सकते हैं , हालांकि यह एक बुरी बात नहीं है क्यों की बहुत जल्द देर सारे सुनहरे अवसर आपके पास आ सकते है और आप जो चाहते थे , वो हो सकता है , हालाँकि प्रारंभिक वेतन कम हो सकता है, लेकिन यहाँ आपको प्रसन्नता मिलेगी ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

आज आप एक दार्शनिक मुद्रा में रहेंगे और गहरी सोच वाली ऐसी किसी भी नौकरी में आज आप सफलता को छुएंगे । शिक्षकों, वकीलों, दार्शनिकों, प्रचारकों और राजनेताओ के लिए आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा । लेकिन आपको सांसारिक एवं जीवन के गहरे सवालों के बीच ध्यान देने की जरूरत है।व्यावहारिक स्थिति से अपना मुख मोड़ना आज आपकी सबसे बड़ी समस्या है।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे । आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा । आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे । अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

आप कुछ मिलनसार नए लोगों या विदेशी प्रतिनिधियों से आज के दिन मिल सकते हैं ! स्वतंत्र रूप से उन लोगों के साथ संवाद करे और जितनी उपयोगी जानकारी इकट्ठा कर सके करे क्योंकि यह आपकी परियोजना के पूरा होने में आप के लिए बहुत मददगार साबित होगा । किसी भी विचलित करने वाले परिदृश्य से परेशान न हो जो की आपके वरिष्ठ सहकर्मी ने आपके लिए बनाया हो ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपका मन अभी आनंद और प्रेम की तरफ भाग रहा है , हालाँकि इसके विपरीत आपका मन हमेशा कार्यों में उलझा रहता है । लेकिन यह ठीक है, काम से एक दिन की छुट्टी ले और अपने दिन का आनंद लें। ज्यादा चिंता न करे , क्योंकि आपको आनंद लेने और कार्य करने की सीमा ज्ञात है ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खु, खे, खो, गा, गी)

आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है । आज इसका हल आपको नजर आ सकता है । आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे । अगर आप कुछ जोखिम लेंगे तो आपको अत्यधिक लाभ होगा जो अपने सोचा भी न होगा ।

कुंभ (गु, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

ऐसा लग रहा है की अपने कार्यस्थल के लिए आपकी यात्रा की लागत में दिन ब दिन बढ़ोतरी हो रही है । इसके अलावा ऑफिस की राजनीति आपके खिलाफ काफी मजबूत है और आप के खिलाफ प्रयुक्त हो रही है, लेकिन आप हमेशा की तरह काम करना जारी रखे और आपको जल्दी ही पदोन्नति मिल सकती है , हालाँकि समय कैसा भी हो , ईर्ष्या के कारण कार्यालय राजनीति चलती रहेगी ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

वृंदा करात पहुंची देवघर

कहा- बिहार चुनाव में आयोग की भूमिका संसदीय प्रणाली पर हमला, क्या कोई घुसपैठिया मिला

देवघर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। भाकपा (मार्क्सवादी) की वरिष्ठ नेत्री वृंदा करात ने बिहार चुनाव में चुनाव आयोग की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आयोग की भूमिका को संसदीय प्रणाली पर हमला बताया। वृंदा करात बुधवार को देवघर परिसदन में पत्रकारों से बात कर रही थीं।

वृंदा करात ने पूछा कि क्या चुनाव आयोग ने पूरे चुनाव में आदर्श आचार संहिता का पालन किया। उन्होंने घुसपैठियों के खिलाफ एसआईआर का जिक्र करते हुए सवाल किया कि क्या कोई घुसपैठिया मिला?

उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग ने 65 लाख मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए, जबकि पलायन करने वाले लोग अब इसकी शिकायत कहां करेंगे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बिहार चुनाव में सांप्रदायिक प्रचार हुआ, जिस पर आयोग ने किसी को एक भी नोटिस नहीं दिया। चुनाव में करोड़ों रुपए खर्च किए गए।

वृंदा करात ने बिहार सरकार द्वारा चुनाव के अंतिम समय में महिलाओं को 10 हजार रुपए देने के फैसले पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि आयोग ने इसे लागू होने कैसे दिया, जबकि अन्य राज्यों में इसे आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन बताकर रोक दिया गया था।

उन्होंने पूछा कि बिहार सरकार पांच साल तक कहां थी और शुरुआत से ही महिलाओं को यह राशि क्यों नहीं दी गई। वृंदा करात ने बिहार की जीत के बाद प्रधानमंत्री मोदी के 'गमछा लहराने' पर भी टिप्पणी की और पूछा कि क्या यह किसी प्रधानमंत्री को शोभा देता है और इसके पीछे वे क्या संदेश देना चाहते हैं।

योगगुरु बाबा रामदेव पहुंचे देवघर

बाबा बैद्यनाथ धाम में की पूजा, कथावाचक प्रदीप मिश्रा के कार्यक्रम में हुए शामिल

देवघर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। योगगुरु बाबा रामदेव बुधवार को देवघर पहुंचे। उन्होंने यहां विश्वप्रसिद्ध बाबा बैद्यनाथ धाम में विधिवत पूजा-अर्चना की। उनके आगमन को देखते हुए मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे।

बाबा रामदेव ने बाबा बैद्यनाथ से देश में सुख-समृद्धि, शांति और आध्यात्मिक उन्नति की कामना की। मंदिर प्रशासन के पदाधिकारी, पंडा समाज के सदस्य और पुजारियों की टीम ने परंपरागत वैदिक विधि-विधान से उनका पूजन संपन्न कराया। इस दौरान पूरा परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा।

योगगुरु के आगमन से पहले ही मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा बलों की अतिरिक्त तैनाती की गई थी। मंदिर प्रवेश द्वारों पर जांच व्यवस्था कड़ी की गई और भीड़ प्रबंधन के लिए विशेष बैरिकेडिंग लगाई गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वीआईपी मूवमेंट के बावजूद श्रद्धालुओं की सुविधा में कोई बाधा न आए, इसका पूरा ध्यान रखा गया।

योगगुरु के आगमन से मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया। कई लोग उनके दर्शन और उनके साथ तस्वीरें लेने के लिए उत्सुक थे।

मंदिर प्रबंधन ने भीड़ को व्यवस्थित करने के लिए अतिरिक्त कर्मियों को तैनात किया, जिससे दर्शन व्यवस्था सुचारू बनी रही।

36 लोगों को अगली सुनवाई से पहले नौकरी दे राज्य सरकार

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने खारिज की समीक्षा याचिका

बिलासपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने कोरिया जिले में हुई संयुक्त भर्ती 2012 के मामले में राज्य सरकार की समीक्षा याचिका खारिज कर दी है। साथ ही कोर्ट ने अगली सुनवाई के पहले याचिकाकर्ताओं की नियुक्ति प्रक्रिया पूरी करने कहा है। मामले की अगली सुनवाई 28 नवंबर को रखी गई है।

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने माना कि राज्य सरकार ने उम्मीदवारों को अपात्र करने का जो आदेश जारी किया था वह प्रासंगिक दस्तावेजों और सामग्री, विशेष रूप से समिति की रिपोर्ट पर विचार किए बिना पारित किया गया था। उम्मीदवारों को सुनवाई का मौका भी नहीं दिया गया था।

बता दें कि वर्ष 2012 में कोरिया जिले में चतुर्थ श्रेणी के पदों के लिए एक संयुक्त भर्ती अभियान चलाया गया था। परीक्षा में करीब 1100 अभ्यर्थी शामिल हुए थे। चयन प्रक्रिया पूरी करने के बाद चयनित अभ्यर्थियों को ज्वाइनिंग कराई गई।

कुछ महीने बाद मेरिट लिस्ट में आने वाले 36 अभ्यर्थियों को नकल प्रकरण तैयार कर नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया।

इस निर्णय को हाई कोर्ट में चुनौती दी गई थी। लगभग 10 साल बाद, 1 जुलाई 2024 को हाई कोर्ट ने नकल प्रकरण को खारिज कर दिया और इन 36 अभ्यर्थियों को दोषमुक्त कर दिया था। इन उम्मीदवारों ने नौकरी की मांग को लेकर प्रशासन के पास आवेदन भी किया लेकिन क्रियान्वयन नहीं किया गया। शासन की ओर से सिंगल बेंच के फैसले को डिवीजन बेंच में चुनौती दी गई। मामले की सुनवाई के बाद डिवीजन बेंच ने राज्य सरकार की समीक्षा याचिका खारिज कर दी है।

मामले में शासन की ओर से कहा गया था कि जांच समिति की रिपोर्ट में पाया गया था कि 36 उम्मीदवारों ने अनुचित साधनों का सहारा लिया था और इसलिए इनकी उम्मीदवारी खारिज कर दी गई। याचिकाकर्ताओं की ओर से कहा गया कि जांच समिति ने किसी भी उम्मीदवार को सुनवाई का मौका नहीं दिया और रिपोर्ट तैयार कर ली। दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने कहा है कि याचिकाकर्ताओं की चपरासी/चौकीदार के पदों पर नियुक्ति के लिए, जैसा भी मामला हो, विचार किया जाना चाहिए।

1 दिसंबर से 200 यूनिट तक बिजली बिल हाफ

रायपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ सरकार ने 100 यूनिट को बढ़ाकर 200 यूनिट बिजली बिल हाफ योजना की घोषणा कर दी है। इससे लाखों उपभोक्ताओं को राहत मिलेगी। अब 200 यूनिट पर 800-900 रुपए तक आने वाला बिल अब 420 से 435 रुपए तक आ सकता है। बिजली बिल हाफ को लेकर 10 दिन पहले ही बता दिया था।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विधानसभा के विशेष सत्र के समापन पर इसका ऐलान किया। सीएम ने बताया कि घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 1 दिसंबर से नई योजना लागू होगी।

योजना के तहत 400 यूनिट प्रतिमाह तक बिजली खपत करने वाले घरेलू उपभोक्ताओं को 200 यूनिट तक हाफ बिजली का लाभ मिलेगा। इससे 45 लाख से ज्यादा परिवार लाभान्वित होंगे। 4 महीने पहले यानी 1 अगस्त 2025 को सरकार ने बिजली बिल हाफ योजना पर बड़ा बदलाव किया था।

डॉ संजुला सिंह संजू को कवि रत्न अवार्ड 2025

जमशेदपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। श्रीराम राष्ट्रीय साहित्यिक मंच अयोध्या धाम उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में उदासीन संगत ऋषि आश्रम रानोपाली में विश्व संभ्रांत समाज विराट अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, पुस्तक विमोचन एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम अयोजित किया गया। जिसमें वरिष्ठ कवि एवं साहित्यकार अशोक गोयल राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीराम राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था अयोध्या धाम उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में कार्यक्रम संचालित हुआ।

इस कार्यक्रम में देश भर से कवि एवं साहित्यकार पधारे हुए थे । सबने एक से बढ़कर एक रचनाओं का काव्य पाठ किया । राष्ट्रीय प्रभारी श्रीमती वीना

गोयल, वरिष्ठ कवि वीरेन्द्र पाठक, खंडेलवाल, साहू, मुल्कराज आकाश, डॉ संजुला सिंह संजू, प्रीति माधव भट्ट, रीतू पांडे, शशिकला, चंद्रकला, अंजली पाठक, राम लाल वर्मा, पंकज अंगार, सैनी आदि साहित्यकारों ने सहभागिता की।

डॉ संजुला सिंह संजू जो कवयित्री, लेखिका होने के साथ-साथ अयोध्या की एक वरिष्ठ पत्रकार भी हैं, उन्हें उनकी रचनाओं के लिए श्रीराम राष्ट्रीय कवि अवार्ड रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया। इसके पहले भी डॉ संजुला सिंह कई सम्मानित अवार्ड जीत चुकी हैं जिसमें विद्या वाचस्पति सम्मान भी है।

साहित्य के क्षेत्र में डॉ संजुला सिंह ने अपना एक विशेष स्थान बनाया है। डॉ संजुला सिंह की रचनाएं समाज को एक दिशा दिखाने वाली प्रेरक रचनाएं कही जाती हैं। वैसे तो ये हर विधा में रचनाएं लिखती हैं परन्तु इनकी ज्यादातर रचनाएं समाज में फैली कुरीतियों पर जो पथ प्रदर्शक के रूप में देखने को मिलती है।

10 लाख रुपए के आभूषण की चोरी

चतरा, 19 नवंबर (एजेंसियां)। चतरा जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के चंद्री कला गांव में एक सूने घर से लगभग 10 लाख रुपए के आभूषणों की चोरी हो गई है। यह घटना मंगलवार रात को उस समय हुई, जब गृहस्वामी कलीमुद्दीन खान का परिवार चतरा स्थित अपने दूसरे घर पर था। कलीमुद्दीन खान ने बताया कि चोरी की वारदात आधी रात 12 बजे के बाद अंजाम दी गई। उन्होंने प्रतापपुर पुलिस को घटना की सूचना दी और थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। प्रतापपुर थाने के एएसआई श्री राम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। शुरुआती जांच में कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जो संदेह पैदा कर रहे हैं। चोर मुख्य सड़क की ओर वाले दरवाजे से नहीं घुसे, बल्कि घर के अंदर की गली से प्रवेश कर अंदर का ताला तोड़ा।

खड़े ट्रक में घुसी स्कॉर्पियो, 6 की मौत

इनमें पिता-पुत्र भी, 5 घायल, मूवी देखकर लौट रहे थे 2 परिवार के 11 लोग

कोंडागांव, 19 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में 18 नवंबर की रात तेज रफ्तार स्कॉर्पियो खड़े ट्रक में घुस गई। हादसे में पिता-पुत्र समेत 2 परिवार के 6 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं 5 लोग घायल हैं, जिनमें 3 की हालत गंभीर है। घायलों को जगदलपुर रेफर किया गया है। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मृतकों की पहचान नूतन मांझी (18), शत्रुघ्न मांझी (26), लखनराम मंडावी (40), उपेंद्र मंडावी (17) और रूपेश मंडावी (23) के रूप में हुई है, जबकि एक की पहचान नहीं हुई है। सभी लोग छत्तीसगढ़ मूवी देखकर लौट रहे थे। मरने वालों में लखनराम मंडावी और उपेंद्र मंडावी पिता-पुत्र हैं।

दरअसल, 18 नवंबर की रात को सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के बड़े डोंगर गांव के रहने वाले 11 लोग छत्तीसगढ़ फिल्म 'माटी' देखने के लिए गए थे। फिल्म खत्म होने के बाद स्कॉर्पियो से अपने गांव बड़े डोंगर लौट रहे थे। वह मसोरा टोल प्लाजा के पास पहुंचे थे कि हादसे का शिकार हो गए।

बताया जा रहा है कि मसोरा टोल प्लाजा के पास एक खराब ट्रक खड़ा था। इसी ट्रक में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो जा घुसी। हादसा इतना भयंकर था कि स्कॉर्पियो के परखच्चे उड़ गए। 6 लोगों की मौके पर मौत हो गई। इसमें कुछ के माथे पर, कुछ के हाथ और कुछ के सीने पर चोटें आईं हैं।

वहीं 5 लोग घायल हैं, जिसमें कुछ लोगों के हाथ टूट गए हैं, तो किसी के सिर पर गंभीर चोट है। 3 लोगों को जगदलपुर रेफर किया गया है, जबकि 2 लोगों का कोंडागांव में ही इलाज चल रहा है। एक मृतक और 5 घायलों की पहचान नहीं हो पाई है।

खराब ट्रक को सड़क से क्रेन नहीं मिलने से हटा नहीं पाए थे

वहीं हादसे के बाद मसोरा टोल प्लाजा प्रबंधन ने कहा कि खराब ट्रक को हटाने के लिए क्रेन नहीं मिल रहा था, जिससे ट्रक को हटाया नहीं गया। उनके पास भी क्रेन नहीं है। अगर क्रेन मिल जाता तो इतना बड़ा हादसा नहीं होता। टोल प्लाजा प्रबंधन ने लापरवाही स्वीकार की है।

वहीं हादसे की जानकारी मिलते ही कोंडागांव पुलिस मौके पर पहुंची। मृतकों के शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

नक्सली मुठभेड़ में हॉक फोर्स के इंस्पेक्टर शहीद

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र की टीम को लीड कर रहे थे, दो वीरता पदक भी मिल चुके

बालाघाट, 19 नवंबर (एजेंसियां)। बालाघाट में नक्सलियों से मुठभेड़ में हॉक फोर्स के इंस्पेक्टर आशीष शर्मा शहीद हो गए। उन्हें गोली लगी थी। एंटी नक्सल ऑपरेशन डीजीपी पंकज श्रीवास्तव ने इसकी पुष्टि की है। डीजीपी ने बताया कि बुधवार को मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया था।

तीनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्र के बोर तालाब के पास नक्सलियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। पुलिस के पहुंचने पर नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। तीनों टीम को लीड कर रहे इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को गोली लग गई। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

नरसिंहपुर एसपी डॉ. ऋषिकेश मीना एएसपी संदीप भूरिया समेत पुलिस बल आशीष शर्मा के घर के लिए रवाना हो गया है। एएसपी

ने बताया कि अभी शहीद के घर में जानकारी नहीं दी है। सिर्फ उनके भाई को बताया है, जो पार्थिव शरीर लेने बालाघाट के लिए रवाना हो गए हैं।

जनवरी में होने वाली थी शादी

बताया जा रहा है कि आशीष शर्मा मूल रूप से नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा में बोहानी गांव के रहने वाले थे। उनका चयन 2016 में सब इंस्पेक्टर के पद पर हुआ था। इससे पहले, वे इंटेलिजेंस में आरक्षक के पद पर सेवाएं दे रहे थे।

नक्सलियों का एनकाउंटर करने पर पुरस्कार स्वरूप मध्य प्रदेश सरकार ने आउट ऑफ टर्न प्रमोशन दिया था। पिछले दो साल में भारत सरकार से उन्हें दो वीरता पदक मिला।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने आशीष शर्मा को X पर श्रद्धांजलि देते हुए लिखा- आज मध्य प्रदेश हॉक फोर्स के निरीक्षक आशीष शर्मा नक्सलियों से मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए। मैं उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ हैं।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र की संयुक्त टीम द्वारा छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव के जंगलों में नक्सल विरोधी ऑपरेशन के दौरान उन्होंने अभूतपूर्व वीरता और साहस का प्रदर्शन किया।

नक्सल उन्मूलन के राष्ट्रीय अभियान में उनका सर्वोच्च बलिदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। उन्हें पूर्व में कर्तव्य के दौरान अदम्य साहस, असाधारण बहादुरी प्रदर्शित करने के लिए दो बार भारत सरकार द्वारा वीरता पदक से सम्मानित किया गया था।

लापता बच्चे की कुएं से मिली लाश

परिजनों ने हत्या की आशंका जताई, पुलिस को शव उठाने से रोका

पलामू, 19 नवंबर (एजेंसियां)। पलामू जिले के लेस्लीगंज थाना क्षेत्र के कुन्दरी गांव में दो दिनों से लापता आठ वर्षीय बच्चे का शव कुएं से बरामद किया गया है। बच्चे की पहचान इसी गांव के रामप्रवेश वर्मा के बेटे विवेक कुमार वर्मा के रूप में हुई है। परिजनों ने बच्चे की हत्या की आशंका जताई है, जबकि पुलिस इसे एक हादसा मानकर जांच कर रही है। विवेक 17 नवंबर को खेलते समय लापता हो गया था, जिसके बाद परिजन लगातार उसकी तलाश कर रहे थे। बुधवार को स्थानीय लोगों ने गांव के आहार में स्थित एक कुएं में बच्चे का शव उपलाता देखा। इस खबर से गांव में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर लेस्लीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया।

एसएनएमएमसीएच के सर्जिकल आईसीयू में घुसा सियार

लाइट जलाते ही भागा, बाल-बाल बचे मरीज और स्टाफ, सुरक्षा पर उठे सवाल

धनबाद, 19 नवंबर (एजेंसियां)। 600 बेड के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था का बुरा हाल है। यहां भर्ती मरीज किस हद तक असुरक्षित हैं, इसकी पोल सोमवार आधी रात के बाद की घटना से खुल गई।

24 घंटे संचालित अस्पताल के इमरजेंसी स्थित सर्जिकल आईसीयू के अंदर एक सियार घुसकर बैठ गया। उस वक्त वहां भर्ती अधिकतर मरीज सो रहे थे। यह घटना तब सामने आई, जब अस्पताल का एक आउटसोर्स कर्मचारी वार्ड की ओर जा रहा था।

उसने देखा कि एक सियार इमरजेंसी ब्लॉक में दाखिल होकर सर्जिकल आईसीयू की ओर बढ़ रहा है। कर्मचारी ने तुरंत नर्सिंग स्टाफ को सूचित किया और लाइटें

जलाने को कहा।

जैसे ही आईसीयू में रोशनी हुई, सियार एक बेड के नीचे से निकलकर तेजी से बाहर भाग गया। गनीमत रही कि इस घटना में किसी भी मरीज, अटेंडेंट या स्टाफ को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हालांकि, इस वाकये ने अस्पताल की सुरक्षा और स्वच्छता प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। मरीजों के परिजनों ने बताया कि अस्पताल परिसर में अक्सर कुत्ते और अन्य जंगली जानवर घूमते रहते हैं। उनका कहना है कि इमरजेंसी जैसे संवेदनशील क्षेत्र में जंगली जानवर का प्रवेश करना एक बड़ी सुरक्षा चूक है। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन की रात की सुरक्षा निगरानी पर सवाल उठाए हैं।

इस घटना पर अस्पताल प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं मिली है। हालांकि, स्टाफ सदस्यों के अनुसार, रात के समय अस्पताल के कई प्रवेश द्वार खुले रहते हैं, जिससे बाहरी जानवर आसानी से परिसर में प्रवेश कर जाते हैं।

झारखंड में सुबह कोहरा, दिन में धूप

अगले तीन दिन साफ रहेगा मौसम, सुबह के वक्त घना कोहरा, तापमान में होगी हल्की गिरावट

रांची, 19 नवंबर (एजेंसियां)। राज्य में 18 से 22 नवंबर तक अधिकांश जिलों में सुबह के समय हल्के से मध्यम स्तर तक कोहरा छाने का अनुमान है। रांची, बोकारो, गिरिडीह, हजारीबाग, रामगढ़, धनबाद और अन्य जिलों में सुबह दृश्यता प्रभावित रहेगी।

मौसम केंद्र रांची के अनुसार, कोहरे के बाद आसमान सामान्य रूप से साफ रहेगा और दिन में धूप निकलेगी। इस दौरान न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की गिरावट दर्ज हो सकती है।

19, 20 और 21 नवंबर को भी यही मौसम पैटर्न बने रहने का अनुमान है। दिन में धूप खिली रहेगी। उत्तरी और दक्षिणी झारखंड के कई जिलों में मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा।

22 नवंबर को भी अधिकांश हिस्सों में ठंड में हल्की बढ़ोतरी के साथ साफ मौसम बना रहेगा। रांची में दिन का तापमान 27 से 28 डिग्री और न्यूनतम 12 से 14 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने 23 और 24 नवंबर के लिए खास तौर पर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि इन दो दिनों में राज्य के कई इलाकों में सुबह घना कोहरा और धुंध छाई रह सकती है। इसके बाद आसमान में आंशिक बादल दिखाई दे सकते हैं। उत्तरी-पश्चिमी हवाओं के सक्रिय होने से रात का तापमान और गिर सकता है। पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पलामू, गुमला, चतरा, गढ़वा, कोडरमा और देवघर जैसे जिलों में मौसम इसी तरह बने रहने की संभावना है। हालांकि बारिश का कोई पूर्वानुमान नहीं है।

विभाग ने लोगों को सुबह यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की सलाह दी है, खासकर हाईवे और ग्रामीण सड़कों पर जहां कोहरे से दृश्यता कम हो सकती है।

प्रेम का शव लेने पहुंचे परिजन

पोस्टमॉर्टम हाउस में पिता का रो-रोकर बुरा हाल, कहा-बेटे को फर्जी केस में फंसाया गया था

धनबाद, 19 नवंबर (एजेंसियां)। धनबाद के झरिया में मंगलवार को हुए गोलीकांड के मृतक प्रेम यादव का शव बुधवार को परिजनों को सौंप दिया गया। परिजन धनबाद एसएनएमएमसीएच स्थित पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे थे। इस दौरान मृतक के पिता सुनील राय का रो-रोकर बुरा हाल था। परिजनों ने आरोप लगाया कि प्रेम यादव साजिश का शिकार हुआ है।

मृतक प्रेम यादव बिहार के सारण जिले के मकेर थाना क्षेत्र के फूलवारिया गांव का रहने वाला था। वह भेल्दी थाना क्षेत्र में हुए राहुल पांडेय हत्याकांड में वांछित था। हालांकि, प्रेम यादव के पिता सुनील राय ने आरोप लगाया कि उनके बेटे को दोनों मामलों में झूठा फंसाया गया था।

सुनील राय ने बताया कि प्रेम पिछले एक महीने से झरिया में रहकर ट्रांसपोर्टिंग का व्यवसाय देख रहा था और किसी भी आपराधिक गतिविधि में उसकी संलिप्तता नहीं थी। पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद परिजन शव लेकर अपने पैतृक गांव के लिए रवाना हो गए।

दरअसल, झरिया के कतरास मोड़ स्थित रतनजी भगवान जी पेट्रोल पंप के पास मंगलवार को दिनदहाड़े छपरा के कुख्यात अपराधी प्रेम यादव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तीन की संख्या में हमलावर एक बाइक पर सवार होकर पहुंचे थे। धीमी चलती बाइक से ही बीच में बैठे हमलावर ने प्रेम के सिर पर पिस्टल सटाकर गोली मार दी। कटे पेड़ की माफिक वह वहीं गिर पड़ा और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इधर, पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में बाइक सवार अपराधी गोली मारते दिख रहे हैं। प्रारंभिक जांच में पुलिस घटना को गैंगवार मानकर चल रही है।

इमरजेंसी ब्रेक लगाने के बाद भी नहीं रुकी ट्रेन

रायपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर में गेवरा-बिलासपुर मेमू ट्रेन हादसे में असिस्टेंट लोको पायलट रश्मि राज को रेलवे ने निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई प्रिंसिपल चीफ सेफ्टी ऑफिसर द्वारा उनका बयान दर्ज करने के बाद की गई है। रश्मि राज ने अपने बयान में कहा कि उन्होंने इमरजेंसी ब्रेक लगाया था, फिर भी ट्रेन नहीं रुकी। रेलवे ने इस बयान को जांच में लापरवाही मानते हुए यह कदम उठाया है। कमिश्नर ऑफ रेलवे सेफ्टी बीके मिश्रा ने चार दिन तक बिलासपुर में रहकर हादसे की जांच की। गंभीर रूप से घायल होने के कारण रश्मि राज का बयान शुरू में दर्ज नहीं हो पाया था, जिसके बाद उन्हें बयान देने के लिए कोलकाता बुलाया गया। इस बीच, प्रिंसिपल चीफ सेफ्टी ऑफिसर ने अस्पताल में उनसे पूछताछ की। हादसे के समय असिस्टेंट लोको पायलट रश्मि राज ट्रेन के इंजन पर ड्यूटी पर थीं। उन्होंने अपने बयान में बताया कि दुर्घटना से ठीक पहले एडवांस सिग्नल 'सिंगल येलो' था। इसके बाद आने वाले सिग्नल के बारे में मास्टर ने उन्हें बताया था कि 'सिग्नल ओके है।' इसी दौरान लोको कैब में सामने लगा सनलाइट पर्दा अचानक गिर गया।

शेख हसीना की फांसी के लिए मोहम्मद यूनुस बेचैन

इंटरपोल से मदद मांगेगा बांग्लादेश, क्या प्रत्यर्पण को भारत होगा तैयार?

ढाका, 19 नवंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना और गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल को भारत से प्रत्यर्पित कराने के लिए इंटरपोल की मदद लेने की तैयारी कर रहा है। यह कदम ढाका स्थित अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) के मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए दोनों को मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ दिनों बाद उठाया गया है। हसीना को भारत से प्रत्यर्पित कराने के लिए इंटरपोल से मदद लेने की योजना की खबर कई बांग्लादेशी मीडिया संस्थानों ने दी है। इससे पहले बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा था कि वह शेख हसीना के प्रत्यर्पण के लिए भारत को फिर से एक औपचारिक पत्र भेजने जा रहा है। यह दिखाता है कि बांग्लादेश के सर्वेसर्वा मोहम्मद यूनुस शेख हसीना को फांसी चढ़ाने के लिए कितने बेचैन हैं।

शेख हसीना और असदुज्जमां खान कमाल, दोनों को 2024 के जुलाई-अगस्त आंदोलन के दौरान मानवता के विरुद्ध अपराधों के लिए उनकी अनुपस्थिति में मौत की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, एक अन्य संदिग्ध पूर्व पुलिस प्रमुख चौधरी अब्दुल्ला अल-मामून सरकारी गवाह बन गए। उनकी ही गवाही पर शेख हसीना और असदुज्जमां खान को मौत की सजा सुनाई गई और अब्दुल्ला अल-मामून को फांसी के फंदे से बख्श दिया गया। उन्हें पांच साल की जेल की सजा सुनाई गई है।

शेख हसीना को देश क्यों छोड़ना पड़ा था?

जुलाई-अगस्त 2024 के बांग्लादेश के छात्र विरोध प्रदर्शनों को इस्लामी समूहों ने हाईजैक कर लिया था। इसके बाद हिंसा के जरिए शेख हसीना को सत्ता से बेदखल कर दिया गया। इस्लामी भीड़ उनकी हत्या करना चाहती थी, जिस कारण वह भागकर भारत आ गईं। वर्तमान में वह भारत में ही किसी अनजान लोकेशन पर रह रही हैं। रिपोर्टों के अनुसार, असदुज्जमां खान कमाल भी भारत में ही कहीं रह रहे हैं, लेकिन उनके निवास के बारे में कोई पुष्ट सूचना नहीं है।

शेख हसीना के लिए इंटरपोल रेड नोटिस जारी करेगा?

बांग्लादेशी दैनिक द फाइनेंशियल एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार,

सोमवार को शेख हसीना और असदुज्जमां खान कमाल को सजा सुनाए जाने के बाद, अभियोजक गाजी एमएच तमीम ने मंगलवार को कहा कि दोषसिद्धि वारंट के आधार पर दोनों भगोड़ों के लिए इंटरपोल रेड नोटिस का अनुरोध करने की तैयारी चल रही है। उन्होंने कहा, दोनों आरोपी फरार हैं, और ट्रिब्यूनल के गिरफ्तारी वारंट के साथ इंटरपोल को रेड नोटिस जारी करने के लिए एक आवेदन पहले ही जमा कर दिया गया है।

अब हम विदेश मंत्रालय के माध्यम से संगठन से गिरफ्तारी वारंट के बजाय दोषसिद्धि वारंट के आधार पर एक नया रेड नोटिस जारी करने का अनुरोध करेंगे। सोमवार के फैसले के बाद, यूनुस प्रशासन के कानून, न्याय और संसदीय मामलों के सलाहकार, आसिफ नजरुल ने कहा कि ढाका शेख हसीना और कमाल के प्रत्यर्पण के लिए नई दिल्ली को औपचारिक रूप से पत्र लिखेगा।

हालांकि भारत ने ढाका के अनुरोधों का सीधे तौर पर जवाब नहीं दिया है, लेकिन आईसीटी द्वारा दोनों को मौत की सजा सुनाए जाने के बाद उसने एक संतुलित बयान दिया। भारत ने कहा कि वह बांग्लादेश के लोगों के सर्वोत्तम हितों के लिए प्रतिबद्ध है और सभी हितधारकों के साथ हमेशा रचनात्मक रूप से जुड़ेगा। बांग्लादेश पुलिस ने पिछले साल दर्ज मामलों के बाद, शेख हसीना सहित मानवता के विरुद्ध अपराधों के आरोपी 12 फरार संदिग्धों के लिए इंटरपोल से रेड नोटिस जारी करने की मांग की थी।

ढाका के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह भारत को भेजे जाने वाले एक नोट को अंतिम रूप दे रहा है और इसे कुछ ही दिनों में भेज सकता है। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि ढाका ने पहले दिसंबर 2024 में भारत को पत्र लिखकर हसीना के प्रत्यर्पण का अनुरोध किया था, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।

भारत और बांग्लादेश के बीच 2013 की एक प्रत्यर्पण संधि है जो दोनों देशों को दोषी ठहराए गए भगोड़ों को सौंपने के लिए बाध्य करती है। हालांकि, यह संधि राजनीतिक प्रकृति वाले मामलों में इनकार करने की भी अनुमति भी देती है। विशेषज्ञों का कहना है कि हसीना का मामला कानूनी रूप से अस्पष्ट और राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में आ सकता है।

इमरान खान की बहनों को सड़क पर घसीटा

जेल में बंद भाई से मिलने नहीं दिया, पुलिस ने बदसलूकी की, जबरदस्ती हिरासत में लिया

इस्लामाबाद, 19 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और जेल में बंद इमरान खान की बहनों के साथ रावलपिंडी पुलिस ने बदसलूकी की। उन्हें सड़क पर घसीटा गया और जबरदस्ती हिरासत में लिया गया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह घटना उस समय हुई जब उनकी बहनें इमरान खान से होने वाली साप्ताहिक मुलाकात के लिए अडियाला जेल पहुंची थीं, लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया।

इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने X पोस्ट में कहा कि इमरान खान की बहनें अलीमा खान, नोरीन नियाजी और डॉ. उज्मा खान जेल के बाहर शांतिपूर्वक बैठी थीं, तभी पुलिस ने उन्हें जबरन उठाकर ले जाने की कोशिश की।

पार्टी ने आरोप लगाया कि सिर्फ खान की बहनें ही नहीं, बल्कि खैबर प्रांत की मंत्री मीना खान अफरीदी, सांसद शाहिद खट्टक और कई महिला कार्यकर्ताओं के साथ भी पुलिस ने मारपीट की।

पीटीआई ने कहा कि इमरान खान को उनके परिवार से मिलने का अधिकार अदालत ने दिया है, लेकिन सरकार इन मुलाकातों को जुल्म और दबाव का तरीका बना

रही है। पार्टी की तरफ से पोस्ट किए गए एक वीडियो में अलीमा और उज्मा, नोरीन को संभालते दिखती हैं, जो बेहद घबराई हुई नजर आती हैं। अलीमा कहती हैं कि उन्हें सड़क पर घसीटा गया।

एक और वीडियो में नोरीन बताती हैं कि महिला पुलिसकर्मियों ने उनके बाल पकड़कर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। उन्होंने कहा कि सभी लोग शांतिपूर्वक बैठे थे और उन्हें समझ नहीं आ रहा कि अचानक ऐसा क्यों किया गया।

यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान में इमरान खान की बहनों के साथ इस तरह घटना हुई हो। इससे पहले सितंबर 2025 में, अडियाला जेल के बाहर मीडिया से बात करते वक्त अलीमा पर अंडे फेंके जाने की घटना हुई थी।

इसके अलावा अलीमा, नोरीन और उज्मा को अप्रैल 2025 में जेल पहुंचने की कोशिश के दौरान भी गिरफ्तार किया गया था।

अलीमा खान भाई इमरान खान की चैरिटेबल वेलफेयर संस्थाओं से जुड़ी हैं। डॉ. उज्मा खान क्वालिफाइड सर्जन हैं। वहीं, नोरीन नियाजी के बारे में सार्वजनिक तौर पर काफी कम जानकारी मौजूद है।

भारत के राफेल विमान पर चीन-पाकिस्तान ने चलाया था फेक कैम्पेन

जे-35 बेचने की थी साजिश, अमेरिकी रिपोर्ट में खुलासा

वॉशिंगटन, 19 नवंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी संसद के एक पैनल ने मंगलवार को अपनी सालाना रिपोर्ट में मई महीने में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को लेकर अपनी रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन और पाकिस्तान ने मिलकर भारतीय राफेल के खिलाफ फेक कैम्पेन चलाया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन असल में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष का फायदा अपने हथियारों को बेचने के लिए इस्तेमाल करना चाहता था। चीन राफेल के खिलाफ कैम्पेन चलाया जे-35 लड़ाकू बेचने की कोशिश कर रहा था। चीन का मकसद पश्चिमी देशों के हथियारों के ऊपर अपने जे-35 को वर्चस्व बनाते हुए दिखाना था।

यूएस पैनल की रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने मई में हुए

भारत-पाकिस्तान संघर्ष को न सिर्फ काफी करीबी से मॉनिटर किया, बल्कि उसे अपने आधुनिक हथियारों को बेचने के लिए वास्तविक युद्ध-मैदान की तरह इस्तेमाल भी किया। यह दावा अमेरिकी संसदीय आयोग की नई रिपोर्ट में किया गया है।

यूएस-चाइना इकोनॉमिक एंड सिक्योरिटी रिव्यू कमीशन (यूएससीसी) ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि बीजिंग ने भारत-पाकिस्तान युद्ध को एक 'मौके' की तरह देखा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत-पाकिस्तान के हुए संघर्ष में चीन ने अपने हाई-टेक हथियारों और इंटेलिजेंस सिस्टम्स की क्षमताओं को लाइव कॉम्बैट कंडीशंस में आजमाया। रिपोर्ट में एचक्यू-9 एयर डिफेंस सिस्टम, पीएल-15 लंबी दूरी की मिसाइल और जे-10सी लड़ाकू विमानों के इस्तेमाल को चीन की रियल-वर्ल्ड फील्ड एक्सपेरिमेंट स्ट्रैटेजी का हिस्सा बताया गया है।

रेफरल अस्पताल में नवजात की मौत, हंगामा

परिजनों ने एएनएम पर लापरवाही का आरोप लगाया

गोड्डा, 19 नवंबर (एजेंसियां)। गोड्डा जिले के ठाकुर गंगटी हरिदेवी रेफरल अस्पताल में कथित लापरवाही के कारण एक नवजात बच्चे की मौत हो गई। परिजनों ने अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों पर गंभीर आरोप लगाते हुए हंगामा किया। यह घटना ठाकुर गंगटी प्रखंड के बनियाडीह निवासी बिपिन यादव के परिवार के साथ हुई।

बिपिन यादव की पत्नी सबिता देवी को प्रसव पीड़ा होने पर बीते 17 नवंबर को परिजन उन्हें हरिदेवी रेफरल अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां मौजूद नर्स ने परिजनों को बताया कि प्रसव में अभी समय है। आज सुबह सबिता देवी को अचानक पेट में तेज दर्द हुआ। परिजन उसे आनन-फानन में दोबारा ठाकुर गंगटी हरिदेवी रेफरल अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में प्रसव पीड़ा के दौरान बच्चे की मौत हो गई।

भारत को अपना 'अदृश्य' फाइटर जेट देने को तैयार रूस

एसयू-57 नहीं है नाम, मोदी-पुतिन बैठक के पहले ऐलान

मास्को, 19 नवंबर (एजेंसियां)। रूस ने भारत को अपने दूसरे स्टील्थ फाइटर जेट एसयू-75 का ऑफर दिया है। यह ऑफर एसयू-57 फाइटर जेट के बाद आया है। यह एक सिंगल इंजन का स्टील्थ फाइटर जेट है। इसे एसयू-75 चेकमेट के नाम से भी जाना जाता है। इससे पहले भारत की सरकारी एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने सुखोई एसयू-75 का मॉडल विकसित करने के लिए सहयोग करने में रुचि व्यक्त की थी। रूस का यह ऑफर दिसंबर महीने में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से पहले आया है। पुतिन भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए अगले महीने नई दिल्ली का दौरा करने वाले हैं।

एसयू-75 चेकमेट को विकसित करने वाली सुखोई की पैरेंट कंपनी रोस्टेक के सीईओ सर्गेई चेमेजोव ने दुबई एयरशो में कहा कि रूस जल्द ही इस विमान का बेंच टेस्ट शुरू करेगा। उन्होंने कहा, एक नए

विमान को विकसित करने में काफी समय लगता है, औसतन 10 से 15 साल। हमारा विमान लगभग उड़ान के चरण में है, उन्होंने स्पष्ट किया कि यह जल्द ही बेंच परीक्षण में बदल जाएगा। चेमेजोव ने आगे कहा कि रोस्टेक इस विमान पर काम जारी रखे हुए है, और उनका मानना है कि इसकी मांग बढ़ेगी। यह सस्ता है, सिंगल इंजन वाला है, और मुझे लगता है कि इसके हथियार हवाई और जमीनी, दोनों तरह के लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए जरूरी सभी चीजों को संभालने के लिए पर्याप्त होंगे। दक्षता, कीमत और गुणवत्ता के मामले में, मुझे लगता है कि यह काफी अच्छा होगा।

रूस ने एसयू-75 चेकमेट का अनावरण 2021 एमएकेएस एयरशो में किया था। हालांकि, यूक्रेन युद्ध के कारण इस विमान का आगे का विकास रुका हुआ है। अब, बेंच टेस्ट की संभावना और 2026 में पहली उड़ान निर्धारित होने के साथ, रूस चेकमेट को एफ-35 लाइटनिंग II के एक किफायती, निर्यात के लिए अनुकूल प्रतिद्वंद्वी के रूप में स्थापित करने के लिए उत्सुक है। एफ-35 अमेरिका का सबसे शक्तिशाली पांचवीं पीढ़ी का लड़ाकू विमान है। एफ-35 की बहुत ज्यादा कीमत और मेंटीनेंस लागत, मिशन के लिए कम उपलब्धता कई सवाल भी खड़े करती है। इसके बावजूद अमेरिका लगातार इस विमान को बेचने के लिए बाकी देशों पर दबाव बनाता रहता है।

कुछ महीने पहले टीएएसएस से बात करते हुए, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था, हम रूस के साथ काम करने में बहुत सहज हैं। हमारी ओर से कोई समस्या नहीं है। भारत और रूस के बीच संबंध बेहद मजबूत हैं, जो मिग-21 और एसयू-30एमकेआई जैसे प्रतिष्ठित विमानों के दशकों के सफल सह-उत्पादन पर आधारित हैं।

सीपीएन-यूएमएल की सभा के विरोध में जेन-जी प्रदर्शनकारियों ने किया बवाल

कार्यकर्ताओं में झड़प, लगा कर्फ्यू

काठमांडू, 19 नवंबर (एजेंसियां)। नेपाल के बारा जिले में बुधवार को पूरे इलाके में तनाव फैल गया। दरअसल जेन जी युवाओं और कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सिस्ट-लेनिनिस्ट) सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। स्थिति बिगड़ने के बाद प्रशासन ने भारत सीमा से सटे इस क्षेत्र में कर्फ्यू लगाने का फैसला लिया। ये पूरा मामला एक सभा से जुड़ा था। आज सीपीएन-यूएमएल के शीर्ष नेताओं की एक सभा थी। जेन जी प्रदर्शनकारी इसका विरोध कर रहे थे।

रैली के पक्ष में यूएमएल के कार्यकर्ता भी वहां मौजूद थे। ऐसे में दोनों धड़ों में नारे लगने लगे। धीरे-धीरे हालात बिगड़ना शुरू हुए और फिर नारेबाजी हिंसक झड़प में बदल गई। इसके बाद प्रशासन तुरंत हरकत में आया। पुलिस ने तनाव बढ़ने को देखते हुए तत्काल कर्फ्यू का आदेश जारी किया, ताकि स्थिति पर नियंत्रण रखा जा सके। सिमरा एयरपोर्ट के 500 मीटर दायरे में दोपहर 12:30 बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू लागू किया गया। घटना उस समय भड़की जब बुद्ध एयर का एक विमान सीपीएन-यूएमएल के महासचिव शंकर पोखरेल और युवा नेता महेश बस्नेत को लेकर काठमांडू से सिमरा के लिए उड़ान भरने वाला था। दोनों नेताओं को यहां एक बड़े विरोध-सभागत कार्यक्रम को संबोधित करना था।

सऊदी अरब के पैसे से बसाया जाएगा गाजा

बदले में ट्रम्प ने जर्नलिस्ट मर्डर केस में क्राउन प्रिंस को क्लीन चिट दी

वॉशिंगटन, 19 नवंबर (एजेंसियां)। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने व्हाइट हाउस में कहा कि उनका देश गाजा को फिर से बसाने के लिए पैसा खर्च करेगा। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि खर्च करने की रकम कितनी होगी, यह अभी तय नहीं हुआ है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान को पत्रकार जमाल खशोगी हत्या मामले में प्रभावी तौर पर क्लीन चिट दे दी है। उन्होंने मंगलवार देर रात व्हाइट हाउस में एमबीएस के साथ मीडिया से बात करते हुए कहा कि क्राउन प्रिंस को इस मामले की कोई जानकारी नहीं थी।

ट्रम्प ने कहा- खशोगी बहुत विवादित व्यक्ति थे। इस मुद्दे को उठाकर मेहमान को शर्मिंदा क्यों

किया जा रहा है। ऐसी चीजें होती रहती हैं।

व्हाइट हाउस में हुई मुलाकात के दौरान दोनों देशों के बीच नागरिक परमाणु सहयोग और एफ-35 लड़ाकू विमानों की आपूर्ति को लेकर भी महत्वपूर्ण समझौते हुए।

पत्रकार ने ट्रम्प से पूछा कि अमेरिकी खुफिया विभाग दावा करता है कि प्रिंस सलमान ने खशोगी की क्रूर हत्या की साजिश रची थी। ऐसे में आपके परिवार का सऊदी में व्यापार करना क्या सही है?

ट्रम्प ने पत्रकार को बीच में टोकते हुए पूछा- आप कहां से आई हैं? पत्रकार ने जवाब दिया- एबीसी न्यूज से हूं। ट्रम्प ने कहा- फेक न्यूज, एबीसी फेक न्यूज। इस बिजनेस में सबसे बुरे संस्थानों में से एक।

ट्रम्प ने आगे कहा- मेरा पारिवारिक बिजनेस से कोई लेना-देना नहीं है। मेरा परिवार पूरी दुनिया में बिजनेस करता है। इस बीच, जमाल खशोगी की विधवा ने टीवी पर आकर कहा कि उनके पति के मामले में अभी न्याय अधूरा है और वह उनके शरीर को वापस लाने की मांग करती हैं।

सऊदी अरब के नागरिक खशोगी तुर्किये में रहने वाली अपनी मंगेतर हेटिस सेंगीज से शादी करना चाहते थे। इसकी इजाजत के लिए दस्तावेज लेने वह 2 अक्टूबर 2018 को इस्तांबुल स्थित सऊदी अरब के दूतावास गए थे, लेकिन वापस नहीं लौटे।

अमेरिकी संसद ने एपस्टीन से संबंधित फाइल जारी करने के लिए विधेयक पारित किया

वॉशिंगटन, 19 नवंबर (एजेंसियां)। एपस्टीन फाइल्स मामला अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पीछा नहीं छोड रहा है।

अमेरिकी संसद के दोनों सदनों- प्रतिनिधि सभा और सीनेट ने मंगलवार को निर्णायक रूप से एक विधेयक पारित कर न्याय विभाग पर दोषी यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित उसकी फाइलें सार्वजनिक करने के लिए दबाव बनाया है। कांग्रेस से विधेयक पारित किए जाने के बाद इसे ट्रंप को भेज दिया गया है।

यह उस प्रयास को मंजूरी देने के समान था, जिसके लिए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रिपब्लिकन नेतृत्व के विरोध से पार पाने के लिए कई महीने तक संघर्ष करना पड़ा था। संसद के एक छोटे, द्विदलीय समूह को जुलाई में प्रतिनिधि सभा में विधेयक को लाने के लिए मशक्कत करनी पड़ी। तब ट्रंप ने धोखा बताकर अपने समर्थकों से इसे खारिज करने को कहा था। लेकिन ट्रंप और प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष माइक जॉनसन दोनों ही मत विभाजन रोकने के अपने प्रयासों में विफल रहे।

अब राष्ट्रपति ने विधेयक को लेकर बढ़ती लामबंदी के बीच इस पर अपना रुख नरम कर लिया है और यहां तक कहा है कि वह इस पर हस्ताक्षर करेंगे।

निचले सदन द्वारा विधेयक पारित करने के कुछ घंटे बाद सीनेट ने आम-सहमति से विधेयक को पारित करने की मंशा जाहिर कर दी।

476 ड्रोन और 48 मिसाइल, रूस ने यूक्रेन में रातो-रात मचाई तबाही

19 की मौत और कई घायल

कीव, 19 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के पश्चिमी शहर टर्नोपिल में रूस के बड़े ड्रोन और मिसाइल हमले ने भारी तबाही मचा दी। रात में हुए इस हमले में 19 लोगों की मौत हो गई जबकि कई आवासीय इमारतें मलबे में बदल गईं। यह हमला ऐसे समय हुआ जब यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की रूस के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ाने के लिए तुर्की पहुंचे हैं।

यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लाइमेंको के अनुसार, हमला दो नौ मंजिला इमारतों पर हुआ, जिनमें कई परिवार सो रहे थे। 66 से ज्यादा लोग घायल हुए, जिनमें 16 बच्चे शामिल हैं। यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि रूस ने रातभर में 476

ड्रोन और डिकॉय ड्रोन के साथ 48 मिसाइलें दागीं। इसमें 47 क्रूज मिसाइलें थीं, जिनमें से 6 को छोड़कर बाकी को इंटरसेप्ट कर लिया गया।

रूसी हमलों के बीच जेलेंस्की तुर्की पहुंचे, जहां वे राष्ट्रपति रेचेप तैयप एर्दोआन से मुलाकात कर रहे हैं। उनका कहना है कि बातचीत का मुख्य उद्देश्य यूक्रेन के लिए "न्यायपूर्ण शांति" की दिशा में अधिकतम समर्थन जुटाना है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस पर वैश्विक दबाव अभी भी पर्याप्त नहीं है और हर नया हमला यह साबित करता है कि दबाव बढ़ाना जरूरी है। जेलेंस्की ने कहा कि अमेरिका की ओर से कुछ नए संकेत मिले हैं, हालांकि उन्होंने विस्तार नहीं बताया। शुक्रवार से रूस की तेल इंडस्ट्री पर कठोर अमेरिकी प्रतिबंध लागू होने वाले हैं, जिनका उद्देश्य व्लादिमीर पुतिन को बातचीत की मेज पर लाना है। पहले कहा गया था कि अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ भी तुर्की आएंगे, लेकिन बाद में यह स्पष्ट किया गया कि वे नहीं आएंगे। रूसी हमलों के दौरान एक ड्रोन रोमानिया के हवाई क्षेत्र में घुसा, जिसके बाद वहां के वायुसेना बेस से दो यूरोफाइटर टाइफून और दो F-16 विमान उड़ान पर भेजे गए।

लाहौर हाईकोर्ट का पाक पुलिस को आदेश

भारतीय महिला और उसके पाकिस्तानी पति को परेशान न करें

लाहौर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के लाहौर हाईकोर्ट ने भारत के पंजाब की रहने वाली सरबजीत कौर और उनके पाकिस्तानी पति नासिर हुसैन को पुलिस की दखलअंदाजी से सुरक्षा दी है। दंपती ने याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि स्थानीय पुलिस उन पर अपनी शादी खत्म करने का दबाव बना रही है।

3 नवंबर को गुरु नानक देव जी के जन्म उत्सव में शामिल होने भारत से गए करीब 2,000 श्रद्धालुओं के जत्थे में 38 वर्षीय सरबजीत कौर भी शामिल थीं। वे पंजाब के कपूरथला की रहने वाली और दो बच्चों की तलाकशुदा मां हैं।

4 नवंबर को कौर ननकाना

साहिब जाने वाले समूह से अलग होकर लाहौर के पास शेखूपुरा पहुंचीं। यहां उन्होंने नासिर हुसैन से मुस्लिम रीति-रिवाजों के अनुसार निकाह किया। निकाह से पहले उनका नाम बदलकर नूर रखा गया। मामला तब सामने आया जब 13 नवंबर को जत्था भारत लौटा और कौर लापता पाई गईं।

याचिका में कौर और हुसैन ने दावा किया कि पुलिस ने शेखूपुरा स्थित उनके घर पर गैरकानूनी तरीके से छापा मारा और लगातार दबाव बना रही है।

कौर ने कहा कि उन्होंने वीजा बढ़वाने और पाकिस्तानी नागरिकता प्रक्रिया के लिए इस्लामाबाद स्थित भारतीय हाई कमीशन से संपर्क किया है।

जस्टिस फारूक हैदर ने सुनवाई के दौरान पुलिस को आदेश दिया कि वे दंपती को परेशान न करें और किसी भी तरह का अनावश्यक दबाव न बनाएं।

सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में सरबजीत कौर कहती दिख रही हैं कि वे नासिर हुसैन को 9 साल से फेसबुक के माध्यम से जानती थीं और अपनी इच्छा से पाकिस्तान आकर शादी की है।

भजनलाल सरकार बना रही बड़ा प्लान

50 अस्पतालों में नई व्यवस्था की तैयारी

जयपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार ने प्रदेश के सरकारी और राजस्थान मेडिकल एजुकेशन सोसायटी (राजमेस) से जुड़े 30 मेडिकल कॉलेजों के 50 संबद्ध अस्पतालों में शैक्षणिक और प्रशासनिक कामकाज पृथक करने की तैयारी शुरू कर दी है। राजस्थान सरकार की मंशा है कि अपना सर्वश्रेष्ठ समय अस्पताल को दे पाने वाले चयनित डॉक्टरों में से ही फुल टाइम प्रशासक नियुक्त किया जाए।

यह प्रयोग सफल नहीं होने पर शैक्षणिक काम के लिए डॉक्टर और प्रशासनिक कामकाज के लिए प्रशासनिक अधिकारी आरएएस या आइएएस अधिकारी नियुक्त करने के विकल्प पर भी मंथन शुरू किया गया है। प्राचार्य और अधीक्षक पद पर नियुक्त डॉक्टर के लिए निजी प्रेक्टिस बंद करने का निर्णय भी इसी से जोड़कर देखा जा रहा है।

अक्टूबर माह में सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रोमा सेंटर के आईसीयू में आग लगने से 6 मरीजों की मौत हो गई थी।

3 अन्य मृतकों के परिजनों ने भी आग के कारण अपने मरीज की मौत का आरोप लगाया था। कुछ समय पहले एसएमएस मेडिकल कॉलेज में डॉक्टरों की मीटिंग में चिकित्सा शिक्षा सचिव अस्पतालों में प्रशासनिक अधिकारी नियुक्त करने का प्रस्ताव भी रख चुके हैं, जिस पर डॉक्टरों ने आपत्ति जताई थी।

प्राइवेट प्रेक्टिस पर विवाद बढ़ा

स्वास्थ्य मंत्री बोले- मुझे इस्तीफे नहीं मिले, प्रशासक नियुक्ति पर विचार

जयपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज से संबद्ध सभी अस्पतालों के अधीक्षकों ने सोमवार को सामूहिक रूप से अपने इस्तीफ़े कॉलेज प्रिंसिपल को सौंप दिए। यह कदम चिकित्सा शिक्षा विभाग के हालिया आदेश के विरोध में उठाया गया, जिसमें कहा गया था कि सरकारी मेडिकल कॉलेजों के प्रिंसिपल, नियंत्रक और संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षक निजी प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। इस आदेश का चिकित्सकों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया। अधीक्षकों का कहना है कि यह निर्णय वरिष्ठ चिकित्सकों के अधिकारों का हनन है। आदेश के बाद राजस्थान मेडिकल कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन भी खुलकर विरोध में उतर आया है। एसोसिएशन ने सवाल उठाया है कि इस तरह का आदेश क्यों जारी किया गया और इसके पीछे सरकार का उद्देश्य क्या है, इसकी स्पष्टता नहीं है।

मामले पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने कहा कि उन्हें अब तक किसी अधीक्षक का इस्तीफ़ा प्राप्त नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि चिकित्सकों ने कुछ मांगें रखी थीं, जिन पर सरकार विचार कर रही है। मंत्री ने संकेत दिया कि यदि मांगें उचित लगती हैं तो उन पर निर्णय लिया जाएगा। चिकित्सा

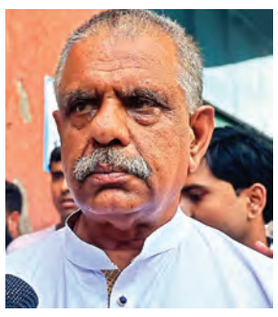

मंत्री ने यह भी कहा कि प्राचार्य और अधीक्षक जैसे पद पूर्णकालिक प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभाने के लिए होते हैं। यदि ये अधिकारी ओपीडी चलाने और निजी तौर पर मरीज देखने में व्यस्त रहेंगे तो अस्पताल के प्रशासनिक कामकाज पर असर पड़ सकता है। इसी आधार पर सरकार ने यह आदेश जारी किया है।

अलग से प्रशासक नियुक्त करने के संकेत

मंत्री खींवसर ने कहा कि यदि प्राचार्य और अधीक्षक केवल मरीज देखना चाहते हैं और प्रशासनिक दायित्व निभाने में रुचि नहीं रखते, तो सरकार मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में अलग से एडमिनिस्ट्रेटिव अधिकारी नियुक्त करने पर विचार कर सकती है।

11 नवंबर को जारी आदेश में कई महत्वपूर्ण बदलाव शामिल हैं- मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल और अधीक्षक निजी प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। डॉक्टर सीधे प्रिंसिपल नहीं बनाए जा सकेंगे। प्रिंसिपल पद के लिए 3 वर्ष अधीक्षक/अतिरिक्त प्रिंसिपल और 2 वर्ष एचओडी का अनुभव अनिवार्य। प्रिंसिपल चयन के लिए 4 सदस्यीय उच्चस्तरीय कमेटी बनाई गई। प्रिंसिपल और अधीक्षक को क्लीनिकल कार्य सिर्फ 25% तक सीमित किया गया। दोनों पदाधिकारियों को यूनिट हेड या एचओडी नहीं बनाया जाएगा।

स्वास्थ्य विभाग के इस परिवर्तनकारी निर्णय के बाद पूरे राज्य में चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था को लेकर बहस छिड़ गई है।

सांवलिया सेठ मंदिर कोष की सुरक्षा पर कोर्ट का ऐतिहासिक आदेश

मंदिर निधि से 18 करोड़ की मंजूरी रद्द

चित्तौड़गढ़, 19 नवंबर (एजेंसियां)। सांवलियाजी मंदिर मंडल की ओर से मातृकुंडिया तीर्थ स्थल के विकास के लिए 18 करोड़ रुपए की राशि जारी करने को लेकर 12 अप्रेल 2018 को लिए गए प्रस्ताव को सिविल न्यायालय मंडफिया ने निरस्त घोषित कर दिया है। न्यायालय ने मंदिर मंडल अधिनियम 1992 की धारा 28 के प्रावधानों के प्रतिकूल होने से साथ ही प्रतिवादी मुख्य कार्यपालक अधिकारी व सांवलिया मंदिर मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष को स्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया गया है कि वे इस प्रस्ताव के अनुसरण में मन्दिर निधि से किसी भी प्रकार की राशि खर्च या जारी नहीं करें। जो राशि जारी हुई है, उसे वापस मंदिर मंडल के खाते में जमा कराना होगा।

मंडफिया निवासी मदनलाल जैन सहित करीब आधा दर्जन लोगों ने सिविल न्यायालय मंडफिया में नवंबर 2018 में सांवलियाजी मंदिर मंडल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी व अध्यक्ष सहित 49 लोगों के खिलाफ जनहित वाद पेश किया था। जिसमें बताया था कि मंदिर की व्यवस्थाओं का सुचारू संचालन करने के लिए राज्य सरकार ने वर्ष 1992 में सांवलियाजी मंदिर मंडल अधिनियम बनाया था। भगवान सांवलिया सेठ के भंडार से प्राप्त धन राशि से श्रद्धालुओं और यात्रियों के ठहरने की व्यवस्था, आसपास के 16 गांवों से सांवलियाजी तक सड़क निर्माण कार्य, शिक्षण संस्थाओं व मंदिर परिसर का विस्तार अक्षरधाम की तर्ज पर करने की योजना तथा वर्तमान में 39 परियोजनाएं निर्माणाधीन है। इन सभी योजनाओं की अनुमानित लागत करीब ढ़ाई से तीन अरब रुपए है।

बाहरी गांवों में विकास कार्यों के लिए अनुमोदन

वाद में कहा गया कि मंदिर मंडल की जनहित की योजनाएं लंबित होने के बाद भी मंदिर मंडल परिक्षेत्र के 16 गांवों को छोड़कर बाहरी गांवों में 47 लाख रुपए के काम करवाने का अनुमोदन कर दिया गया। जिसके बारे में देव स्थान विभाग ने भी कहा है कि यह कार्य नहीं करवाए जा सकते। प्रतिवादीगण मंदिर मंडल अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए भण्डार की राशि में से 18 करोड़ रुपए मातृकुंडिया की सरकारी योजनाओं में देने को तत्पर हो रहे हैं। प्रतिवादी गण ने मंदिर की राशि का दुरुपयोग करते हुए अन्य कार्यों के लिए जारी कर दी है।

18 करोड़ रुपए का प्रस्ताव निरस्त

पीठासीन अधिकारी विकास कुमार अग्रवाल ने सुनवाई के बाद 17 नवंबर 2025 को दिए अपने फैसले में मंदिर मंडल की ओर से मातृकुंडिया तीर्थ स्थल के विकास के लिए 18 करोड़ रुपए की राशि जारी करने के संबंध में लिए गए प्रस्ताव को निरस्त घोषित कर दिया। आदेश में प्रतिवादी मंदिर मंडल अध्यक्ष व मुख्य कार्यपालक अधिकारी को स्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया गया है कि वे प्रस्ताव के अनुसरण में मंदिर निधि से किसी भी प्रकार की राशि खर्च या जारी नहीं करें।

यदि कोई धन राशि जारी की गई है तो उस राशि को इस फैसले की तारीख से से दो माह के भीतर वापस मंदिर निधि में जमा करवाया जाए। दोनों प्रतिवादियों सहित सांवलियाजी मंदिर मंडल बोर्ड को स्थायी निषेधाज्ञा से पाबंद किया गया है कि वह सांवलियाजी मंदिर मंडल अधिनियम 1992 की धारा 28 में वर्णित प्रावधानों से परे जाकर मंदिर निधि का किसी भी रूप में दुरूपयोग नहीं करें।

नागौर में मूर्ति स्थापना विवाद के बीच दो माह के लिए धारा-163 लागू, कड़े प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

नागौर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। नागौर तहसील के ग्राम जोधियासी में प्रस्तावित मूर्ति स्थापना को लेकर दो समुदायों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। उप जिला मजिस्ट्रेट नागौर ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा 163 के तहत तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किए हैं, जो दो माह तक प्रभावी रहेंगे। प्रशासन ने साफ किया कि क्षेत्र में शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जारी आदेश के अनुसार, गांव में बिना अनुमति कोई भी जुलूस, सभा, धरना-प्रदर्शन या भीड़ का इकट्ठा होना पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। साथ ही, लाउडस्पीकर के उपयोग पर भी पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। आदेश में लाठी, भाला, तलवार, चाकू, किरच, बंदूक, पिस्तौल सहित किसी भी प्रकार के हथियार के साथ सार्वजनिक स्थान पर चलने पर रोक होगी। केवल ड्यूटी पर तैनात सुरक्षा बलों को ही इस प्रतिबंध से छूट दी गई है।

इसके अलावा, भड़काऊ भाषण, पोस्टर, पर्चे या सोशल मीडिया के माध्यम से अफवाह फैलाने या माहौल बिगाड़ने की कोशिश पर तुरंत कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने थाना प्रभारी, तहसीलदार, पटवारी और विकास अधिकारी को इन आदेशों का व्यापक प्रचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

आदेश का उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता-2023 की धारा 223 के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने अपील की है कि ग्रामीण शांति बनाए रखें और अफवाहों पर ध्यान न दें, क्योंकि किसी भी प्रकार की अशांति को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने किया लाठी-चार्ज, कई छात्रों को हिरासत में लिया

जयपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर में गुरुवार को उस समय तनाव का माहौल बन गया, जब परीक्षा परिणामों और मूल्यांकन प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं के विरोध में जुटे छात्रों पर पुलिस ने लाठी-चार्ज कर दिया। प्रदर्शनकारी छात्र नोटों की माला पहनकर विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ प्रतीकात्मक प्रदर्शन कर रहे थे। छात्रों का आरोप है कि 'नॉट प्रमोटेड' और री-इवैल्युएशन प्रक्रियाओं के नाम पर बड़ी धांधली की जा रही है, जिसके खिलाफ जवाब मांगने पर प्रशासन ने संवाद की बजाय बल प्रयोग का रास्ता चुना।

प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने एडमिन ब्लॉक और कुलपति कार्यालय के बाहर जमकर नारेबाजी की और कई छात्र भवन की छत पर भी चढ़ गए। प्रदर्शन को काबू में करने के लिए पुलिस ने बल का प्रयोग किया, जिसमें आधा दर्जन छात्रों को हिरासत में ले लिया गया। छात्र नेताओं का कहना है कि विश्वविद्यालय की गलतियों पर सवाल उठाना अपराध बन गया है। उनका आरोप है कि जब भी छात्र किसी अनियमितता के खिलाफ आवाज उठाते हैं, पुलिस प्रशासन विश्वविद्यालय की ढाल बनकर खड़ा हो जाता है और छात्रों को दबाने की कोशिश करता है।

छात्रों का आरोप

छात्रों का दावा है कि सेमेस्टर एग्जाम की कॉपी पुनर्मूल्यांकन के लिए आवेदन करने पर अतिरिक्त और अवैध राशि वसूली जा रही है, लेकिन इन मुद्दों की जांच करने के बजाय शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले छात्रों के साथ बदसलूकी और हिंसा की गई। छात्रों ने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में विरोध दर्ज कराना यदि गलत माना जाएगा, तो फिर छात्रों के अधिकारों और स्वतंत्रता का क्या अर्थ रह जाता है?

विश्वविद्यालय में तनाव

लाठीचार्ज के बाद से विश्वविद्यालय परिसर में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। इस पूरे घटनाक्रम में छात्र नेता कमल चौधरी सहित छह से अधिक छात्रों को पुलिस ने हिरासत में लिया है, जिसके बाद छात्र संगठनों ने कार्रवाई के खिलाफ और तीव्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

जूस पिलाने लेकर गए पति ने पत्नी के काटे कान

खुद थाने पहुंचकर बताई चौंकाने वाली वजह

कोटा, 19 नवंबर (एजेंसियां)। कोटा के महावीर नगर थाना क्षेत्र में बुधवार को एक हैरान करने वाला मामला सामने आया। यहां घरेलू विवाद ने हिंसक और खौफनाक रूप ले लिया। पति ने अपनी पत्नी को जूस पिलाने के बहाने घर से बाहर बुलाया और सुनसान सड़क पर ले जाकर बेरहमी से मारपीट की। उसने चाकू से पत्नी का एक कान काट दिया। घटना के बाद आरोपी स्वयं थाने पहुंचा और पुलिस को जानकारी दी जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया।

घायल महिला गिरिजेश के अनुसार वह पिछले 2 महीनों से अपने मायके देवली माझी गांव में रह रही थी। उसकी तबीयत खराब रहती थी और कुछ समय पहले ही अस्पताल से डिस्चार्ज हुई थी। इसी दौरान पति खुशराज ने उससे फोन पर कहा कि वह उसे डॉक्टर को दिखाने के लिए कोटा लेकर आएगा। महिला के पिता उसे कोटा छोड़कर वापस लौट गए। रात करीब 10 बजे खुशराज ड्यूटी से घर आया और जूस पिलाने के बहाने पत्नी को बाहर बुलाकर अपने साथ ले गया। चलते-चलते वह उसे एक सुनसान सड़क की ओर ले गया जहां अचानक उस पर हमला करना शुरू कर दिया। गिरिजेश ने बताया कि खुशराज ने उसे पहले धक्का देकर कांटों वाली झाड़ियों में फेंक दिया। इसके बाद चाकू से हमला करते हुए उसका एक कान काट दिया। दर्द से कराहती महिला किसी तरह वहां से बाहर निकली और खुशराज मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आरोपी पति खुशराज खुद महावीर नगर थाने पहुंचा और पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी गिरिजेश उस पर प्लॉट खरीदने के लिए दबाव डाल रही थी जिससे दोनों के बीच विवाद हो गया और यह घटना घटी।

जिम में हत्या: राजस्थान पुलिस को मिली बड़ी सफलता, मुख्य मास्टरमाइंड जीतू चारण को दबोचा

कुचामन शहर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। डीडवाना कुचामन जिले के चर्चित रमेश रूलानिया हत्याकांड में पुलिस ने अब तक की सबसे बड़ी सफलता हासिल की है। पहले 15 आरोपियों को गिरफ्तार करने के बाद अब पुलिस ने इस हत्याकांड के मुख्य मास्टरमाइंड जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू चारण और उसके सहयोगी रविन्द्र सिंह को भी दबोच लिया है। इसके साथ ही गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है।

दोनों आरोपियों को कड़ी सुरक्षा के बीच कुचामन न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें 23 नवंबर तक पुलिस रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस का मानना है कि जीतू चारण से पूछताछ के दौरान गैंग के आका रोहित गोदारा और सरगना वीरेन्द्र चारण तक पहुंचने के लिए महत्वपूर्ण सुराग मिलेंगे और गैंग की भविष्य की योजनाओं का भी खुलासा होगा।

एसपी ऋचा तोमर ने बताया कि जांच के दौरान यह बात सामने आई है कि मास्टरमाइंड जीतू चारण ने इस वारदात को अंजाम देने के लिए गणपत, धर्मेन्द्र, जुबेर और महेश को सुपारी दी थी। वहीं, रिमांड पर चल रहे अफताब ने जीतू चारण और गैंग के अन्य सदस्यों को सिम कार्ड उपलब्ध कराए और उनके ठहरने की व्यवस्था की थी।

सबसे चौंकाने वाली बात यह थी कि जीतू चारण ने शूटर गणपत को हथियार चलाने की ट्रेनिंग दी थी। इसके लिए सरगना वीरेन्द्र चारण से हथियार चलाने के वीडियो मंगवाए गए थे और गणपत को खेत में खेजड़ी के पेड़ पर फायरिंग करके अभ्यास कराया गया था।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, हत्याकांड का मास्टरमाइंड जितेंद्र सिंह उर्फ जीतू चारण और उसका सहयोगी रविन्द्र सिंह बाउंसर के रूप में काम कर रहे थे। रविन्द्र सिंह अजमेर जिले में बबूल के पेड़ों की कटाई का काम करता था, जिसके लिए सैकड़ों मजदूर काम करते थे। जीतू चारण इसी बहाने मजदूरों की निगरानी के नाम पर यहां काम कर रहा था, ताकि किसी को उस पर शक न हो।

उसने इसी भीड़-भाड़ वाली जगह का फायदा उठाकर अपनी फरारी काटी और अपने अन्य साथियों को भी काम के बहाने यहां पनाह दी। हत्या की योजना बनाने से करीब ढाई-तीन महीने पहले से ही जीतू चारण रविन्द्र सिंह के पास काम कर रहा था।

रिश्तेदारी से मिली शरणस्थली

जीतू चारण का ननिहाल इंडाली गांव में है, जबकि रविन्द्र सिंह का ससुराल भी इंडाली में है। इसी वजह से दोनों के बीच जान-पहचान बढ़ी और वे दूर के रिश्ते में जीजा-साला बन गए।

पसंद का खाना नहीं बनाने पर पत्नी की गला घोंटकर हत्या

70 साल के पति को कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

भीलवाड़ा, 19 नवंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा जिला एवं सेशन न्यायालय ने सवा 3 साल पुराने मामले में पत्नी की गला घोंटकर हत्या करने पर 70 वर्षीय पति को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सुजा सुनाई। वहीं तीस हजार रुपए जुर्माना भी चुकाने के आदेश दिए। अभियुक्त पति ने समय पर खाना नहीं लाने से पत्नी की साड़ी से गला घोंटकर हत्या कर दी थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार 16 अगस्त 2022 मांडल की नई नगरी निवासी सरिता देवी पत्नी गिरीराज बिड़ला ने हमीरगढ़ थाने में माता की हत्या का मामला दर्ज कराया था। परिवादी ने बताया कि हमीरगढ़ में उसके पिता नाथूलाल सोमाणी (70) व माता प्रेम देवी (67) रहते हैं। पुलिस ने जांच की तो सामने आया कि नाथूलाल को पसंद का खाना बनाकर नहीं देने और पोते केशव को लेकर पत्नी प्रेम देवी के साथ आए दिन झगड़ा होता था। दोनों के बीच बोलचाल हो गई तो प्रेम देवी ने नाथू लाल सोमाणी के मुंह और गाल पर मुक्कों कि मारी और गले को दबा दिया। गुस्साए नाथूलाल ने पत्नी प्रेम को लात की मारी और नीचे गिराने के बाद साडी से उसका गला घोंट दिया। प्रकरण की ट्रायल के दौरान लोक अभियोजक रघुनंदन सिंह कानावत ने 25 गवाह व 51 दस्तावेज पेश किए। जिला एवं सेशन न्यायाधीश अभय कुमार जैन दोनों पक्ष सुनने के बाद आरोपी नाथूलाल सोमाणी को को हत्या का दोषी माना।

एशिया के सबसे बड़े कच्चे डेम की नहरों में जल्द छोड़ा जाएगा पानी

2 जिलों के 83 गांवों को होगा फायदा

दौसा, 19 नवंबर (एजेंसियां)। एशिया के सबसे बड़े कच्चे डेम मोरेल बांध की नहरों में शीघ्र ही किसानों के लिए पानी छोड़ा जाएगा। रबी फसल की बुवाई कर रहे दौसा व सवाई माधोपुर जिलों के हजारों किसान बीते कई दिनों से नहरों में पानी छोड़े जाने का इंतजार कर रहे थे।

इस वर्ष भी इंद्रदेव की मेहरबानी से किसानों को पर्याप्त सिंचाई जल मिलने की उम्मीद जताई गई है। विभागीय अनुमान के अनुसार इस बार करीब तीन माह तक किसानों को मोरेल बांध की नहरों में भरपूर पानी उपलब्ध रहेगा। दोनों जिलों के 83 गांवों में करीब 18 हैक्टेयर भूमि पर सिंचाई होने का दावा किया गया है।

आज बैठक में होगा निर्णय

मोरेल बांध की नहरों में पानी छोड़े जाने को लेकर बुधवार को सवाई माधोपुर में जल वितरण कमेटी की बैठक आयोजित होगी। यह

बैठक भरतपुर संभागीय आयुक्त टीना सोनी की अध्यक्षता में होगी। बैठक में दोनों जिलों के प्रशासनिक अधिकारी, जल संसाधन विभाग, जल उपभोक्ता संगम से जुड़े पदाधिकारी और किसान शामिल होंगे। संभावना जताई गई है कि एक-दो दिन में पानी छोड़े जाने की तारीख निर्धारित कर दी जाएगी।

जल संसाधन विभाग के सहायक अभियंता चेतराम मीना ने बताया कि बांध की कुल लंबाई 5364 मीटर, भराव गेज 30 फीट और कुल भराव क्षमता 2707 एमसीएफटी है। इसमें 2496 एमसीएफटी लाइव और 211 एमसीएफटी डेड स्टोरेज है। वर्तमान में बांध पूरा भरा हुआ है तथा 2496 एमसीएफटी पानी सिंचाई के लिए उपलब्ध रहेगा। उन्होंने बताया कि यदि किसान पानी का दुरुपयोग नहीं करें तो 90 दिन सिंचाई के बाद भी करीब 1 हजार एमसीएफटी पानी शेष बच सकता है, जो भूजल स्तर को स्थिर रखने में सहायक होगा। इतिहास में इस वर्ष मोरेल बांध पर सबसे अधिक समय तक चादर चलने का रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। 14 जुलाई से लगातार चार माह से चादर जारी है। डेढ़ इंच की चादर दर्ज की गई और अनुमान है कि नहरें खुलने के बाद भी कुछ दिन तक यह स्थिति बनी रहेगी। गत वर्ष भी करीब तीन माह तक चादर चली थी।

उधारी के विवाद में किराना दुकान को पेट्रोल छिड़ककर लगा दी थी आग, तीन आरोपी गिरफ्तार

जोधपुर, 19 नवंबर (एजेंसियां)। फलोदी के भोजाकोर के खुमाणाराम मार्केट में 15 नवंबर की रात उधारी के पुराने विवाद को लेकर तीन लोगों ने महादेव किराणा स्टोर में पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी थी। घटना के मात्र दो दिन के अंदर लोहावट पुलिस ने सभी तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधीक्षक फलोदी कुंदन कंवारिया ने इसे अपराधियों के खिलाफ चल रहे विशेष अभियान की बड़ी सफलता बताया। दुकान संचालक सुमेरबन निवासी भोजाकोर ने 16 नवंबर को लोहावट थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 15 नवंबर शाम करीब सात बजे गौतम पुत्र सोनाराम भील (निवासी कुशलावा), मुकनाराम उर्फ मुकेश पुत्र पेंपाराम मेघवाल और मुकेश पुत्र भैरूलाल सेवग (दोनों निवासी भोजाकोर) उनकी दुकान पर आए थे। उधारी मांगने पर कहासुनी हो गई। इसके बाद सुमेरबन दुकान बंद कर घर चले गए। रात आठ से नौ बजे के बीच किसी ने फोन करके बताया कि दुकान में आग लगी है। सुमेरबन तुरंत मौके पर पहुंचे और शटर खोलकर किसी तरह आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दुकान का सारा सामान जलकर राख हो चुका था। जांच में पता चला कि तीनों आरोपियों ने पेट्रोल डालकर आग लगाई थी, जिससे उन्हें भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

डीजीपी ने रिश्वत लेने वाले उपनिरीक्षक की गिरफ्तारी पर एसीबी की सराहना की

इस घटना ने पुलिस के प्रति जनता के विश्वास को बहुत ठेस पहुँचाई

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी ने बुधवार को भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) को मेदक जिले में भ्रष्टाचार के आरोप में टेकमल उपनिरीक्षक की गिरफ्तारी पर बधाई दी। उन्होंने एसीबी महानिदेशक चारु सिन्हा और एसीबी के अन्य अधिकारियों व कर्मचारियों की विशेष रूप से प्रशंसा की। इस अवसर पर बोलते हुए, डीजीपी ने एसीबी को किसी भी परिस्थिति में भ्रष्ट पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की अनदेखी न करने की सलाह दी। डीजीपी ने पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों को रिश्वत लेने के आरोप में टेकमल पुलिस थाने के उपनिरीक्षक की गिरफ्तारी के बाद

अपने प्रदर्शन की आत्म-समीक्षा करने की सलाह दी। पुलिस महानिदेशक का मानना है कि रिश्वत लेने के आरोपी पुलिस अधिकारी की गिरफ्तारी के बाद स्थानीय लोगों द्वारा पटाखे फोड़ने और खुलेआम जश्न मनाने की घटना जनता को एक कड़ा संदेश देती है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने पुलिस के प्रति जनता के विश्वास को बहुत ठेस पहुँचाई है। उन्होंने कहा कि इस घटना ने साबित कर दिया है कि जनता भ्रष्टाचार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती, वह पुलिस से कानून-व्यवस्था और अच्छी पुलिसिंग चाहती है और जनता पर अत्याचार करने वालों के प्रति निर्मम है। डीजीपी ने चेतावनी दी कि अगर कोई भी पुलिस अधिकारी और कर्मी भ्रष्टाचार में लिप्त पाया गया, तो वह इसे अपने अधीनस्थ अधिकारियों की गलती मानेंगे और उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारी और कर्मी नैतिकता और ईमानदारी से काम करें।

सऊदी बस हादसे के पीड़ितों के परिजन जेद्दा पहुँचे

डीएनए मिलान के बाद सऊदी अरब में ही होगा अंतिम संस्कार

हैदराबाद, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। इस सप्ताह की शुरुआत में सऊदी अरब में हुए सड़क हादसे के पीड़ितों के परिजन बुधवार सुबह जेद्दा पहुँच गए। तेलंगाना हज समिति ने मंगलवार रात पीड़ितों के परिवारों और समिति के तीन अधिकारियों की यात्रा की व्यवस्था की थी। तेलंगाना हज समिति के अध्यक्ष सैयद गुलाम अफ़ज़ल बियाबानी खुसरो पाशा ने बताया कि आठ और लोग आज या कल उड़ानों की उपलब्धता के आधार पर सऊदी रवाना होंगे।

सऊदी पहुँचने के बाद परिजनों का डीएनए परीक्षण किया जाएगा और उसे जली हुई लाशों से लिए गए डीएनए नमूनों से मिलाया जाएगा। पहचान की पुष्टि होने के बाद मृतक का अंतिम संस्कार सऊदी अरब में ही किया जाएगा।

अन्नकूट प्रसाद वितरण आज

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री विठलेश्वर मंदर जनरल बाजार सिकंदराबाद में कार्तिक मास काकड आरती समाप्ति महोत्सव पर अन्नकूट प्रसाद का वितरण आज गुरुवार को सुबर नौ बजे से 12 बजे तक आयोजित किया गया है। मुख्य पुजारी पंडित पंढरीनाथ नसींकर ने बताया कि प्रात: 6 बजे भगवान की काकड आरती होगी। उसके बाद अभिषेक, अलंकार तथा विशेष पूजा की जाएगी। 12 बजे तक भगवान को अर्पण और प्रसाद वितरण होगा। । शाम पांच से आठ बजे तक मुख दर्शन और आठ बजे शयन आरती होगी। मंदिर के न्यासी श्रीनिवास पटाले और सत्यनारायण, एल रमेश और पंढरीनाथ ने श्रद्धालुओं से कार्यक्रम का लाभ लेने की अपील की है।

तेलंगाना टीम बस दुर्घटना पीड़ितों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था का समन्वय कर रही है : ओवैसी

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के अध्यक्ष और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने घोषणा की है कि तेलंगाना सरकार का एक तीन सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बस दुर्घटना के 45 पीड़ितों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था के लिए सऊदी अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। बुधवार को पार्टी मुख्यालय, दारुस्सलाम में पत्रकारों से बात करते हुए, ओवैसी ने बताया कि सऊदी अरब में भारत के राजदूत डॉ. सुहेल एजाज खान ने स्थिति की जानकारी देने के लिए उनसे संपर्क किया था। ओवैसी ने इसे एक दुखद घटना बताते हुए कहा, "डॉ. सुहेल आवश्यक प्रक्रियाओं का प्रबंधन करने के लिए मदीना पहुँच गए हैं। पीड़ितों के परिवारों के आज बाद में मदीना पहुँचने की उम्मीद है, और विदेश मंत्रालय के अधिकारी भी डॉ. सुहेल के साथ समन्वय कर रहे हैं।"

हैदराबाद में 21 से 25 नवंबर तक "कंटेम्परेरी नाउ' कला प्रदर्शनी

34 वरिष्ठ कलाकारों की समकालीन कृतियों का अनोखा संगम

हैदराबाद, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कंटेम्परेरी नाउ भारत की प्रमुख कला दीर्घाओं और उनकी समकालीन कलाकृतियों को 21 से 25 नवंबर तक शहर में लेकर आ रहा है। यह प्रदर्शनी फिल्म नगर के पास स्थित स्पिरिट कनेक्ट, रामा नायडू स्टूडियो में आयोजित की जाएगी। चेन्नई में सफल शुरुआत के बाद, हैदराबाद में कंटेम्परेरी नाउ का पहला संस्करण पाँच प्रमुख गैलरियों के 34 वरिष्ठ समकालीन कलाकारों को एक मंच पर ला रहा है। प्रदर्शित कृतियाँ आकृति और अमूर्तता के ज़रिये पहचान, स्मृति और रोज़मर्रा के अनुभवों का गहन अन्वेषण करती हैं। यह आयोजन आर्ट कनेक्ट, हैदराबाद द्वारा चेन्नई की अश्विता गैलरी, ओजस आर्ट, एसाइन, आर्चर आर्ट गैलरी और आर्ट अलाइव गैलरी के सहयोग से प्रस्तुत किया जा रहा है। सहभागी गैलरियां अपनी क्यूरेटोरियल विशेषज्ञता, ऐतिहासिक दृष्टिकोण और विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों के साथ प्रदर्शनी को और समृद्ध बना रही हैं। आर्ट कनेक्ट की संस्थापक मिहीका बजाज ने कहा कि यह सिर्फ एक प्रदर्शनी नहीं, बल्कि कला से जुड़ने, विचार करने और उद्देश्यपूर्ण संग्रह शुरू करने का आमंत्रण है। वहीं, अश्विता के निदेशक अश्विन ई. राजगोपालन ने कहा कि कंटेम्परेरी नाउ दर्शकों के लिए स्मृति, पहचान और रूप से जुड़ी अनूठी कृतियों से संवाद का दुर्लभ अवसर लेकर आया है।

आईबोम्मा प्रशासक रवि पांच दिन की पुलिस हिरासत में

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली आपराधिक न्यायालय ने बुधवार को आईबोम्मा हैकिंग और मूवी-पायरेसी वेबसाइट के कथित प्रशासक इम्मादी रवि को पाँच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। रवि उस हाई-प्रोफाइल पायरेसी रैकेट का मुख्य आरोपी है जिसने दोनों तेलुगु राज्यों में सनसनी फैला दी थी। साइबर अपराध अधिकारियों, जिन्होंने एक सप्ताह की हिरासत की माँग की थी, ने अदालत को बताया कि तकनीकी साक्ष्य, डिजिटल नेटवर्क, बैकएंड संचालन और अन्य प्रमुख लिंक का विश्लेषण करने के लिए रवि से सीधी पूछताछ आवश्यक थी। याचिका की जाँच के बाद, अदालत ने पाँच दिन की हिरासत मंजूर कर ली। इस बीच, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इस मामले पर अपना ध्यान केंद्रित कर लिया है और संभावित वित्तीय संबंधों, धन लेनदेन और विदेशी धन प्रवाह की जाँच कर रहा है। अधिकारियों को उम्मीद है कि हिरासत अवधि के दौरान और भी महत्वपूर्ण जानकारी सामने आएगी। जाँच में इस रैकेट में कथित रूप से शामिल अन्य लोगों की भी जाँच की जा रही है, जिनमें तकनीकी सहयोगी और पायरेसी से लाभान्वित होने वाले प्लेटफ़ॉर्म शामिल हैं। इस मामले ने तेलुगु फिल्म उद्योग का काफी ध्यान आकर्षित किया है, तथा निर्माता और डिजिटल अधिकार निकाय इस घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

"इंदिरम्मा साड़ियों" का अभियान राजनीतिक नौटंकी : भाजपा

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर राज्य भर की महिलाओं को एक करोड़ साड़ियाँ वितरित करने के कांग्रेस सरकार के फैसले की आलोचना की और इसे 'राजनीतिक रूप से प्रेरित और चापलूसी भरा' कदम बताया। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता और मीडिया प्रभारी एन.वी. सुभाष ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि यह पहल भाजपा के महिला-केंद्रित कल्याण कार्यक्रमों की चुनावी नकल है।

उन्होंने कहा, "लगता है कांग्रेस ने हमसे सीख ली है, लेकिन जैसा कि कहावत है, 'नकल मरने के लिए अकाल चाहिए'," उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी कांग्रेस आलाकमान को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं। पार्टी प्रवक्ता ने आगे कहा कि भाजपा भारत के सांस्कृतिक मूल्यों के अनुरूप महिलाओं को सम्मान के प्रतीक के रूप में सम्मान देती है, जबकि कांग्रेस उन्हें केवल वोट बैंक मानती है। उन्होंने महिला सशक्तिकरण में भाजपा के प्रदर्शन के उदाहरण के रूप में मध्य प्रदेश में 'लाडली बहना' जैसी योजनाओं और महाराष्ट्र व बिहार में इसी तरह के कार्यक्रमों का हवाला दिया। हाल ही में बिहार चुनावों में महिलाओं के बीच भाजपा के शानदार प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री पर 'नकलची मॉडल' का आरोप लगाते हुए, सुभाष ने कहा कि साड़ी वितरण आगामी नगर निगम और स्थानीय निकाय चुनावों से पहले एक हताशा भरा प्रयास है। उन्होंने आंकड़ों पर भी सवाल उठाया और पूछा कि जब तेलंगाना में 1.68 करोड़ महिलाएं हैं, तो केवल एक करोड़ साड़ियाँ क्यों दी जा रही हैं।

जब कांग्रेस सरकार महिलाओं को 3,000 रुपये मासिक सहायता देने के वादे सहित अपनी छह गारंटियों को लागू करने में विफल रही है, तो लोग प्रतीकात्मक इशारों से गुमराह नहीं होंगे। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि यह योजना 'तेजी से विश्वसनीयता खो रही पार्टी का एक और जुमला' है।

सुरेखा ने इंदिराम्मा साड़ी पहनने पर गर्व जताया, राज्य की पहल का समर्थन किया

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। वन, पर्यावरण एवं धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि वह तेलंगाना सरकार द्वारा राज्य भर की महिलाओं को प्रदान की जा रही उच्च गुणवत्ता वाली इंदिराम्मा साड़ी पहनने पर गर्व महसूस करती हैं। मंत्री ने कहा कि गरीब और ज़रूरतमंद महिलाओं के लिए इस प्रतिष्ठित योजना के तहत दी गई साड़ी पहनना सम्मान की बात है। इंदिरा गांधी जयंती के अवसर पर, राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की उपस्थिति में इंदिराम्मा साड़ी वितरण कार्यक्रम का आधिकारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम में भाग लेने के बाद, मंत्री सुरेखा ने मीडिया से बातचीत की और बताया कि सरकार महिलाओं के सम्मान को बढ़ाने के लिए केवल उच्च गुणवत्ता वाली साड़ियाँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने घटिया गुणवत्ता वाली साड़ियाँ वितरित करने और कार्यक्रम को शर्मसार करने के लिए पिछली सरकार की भी आलोचना की। कोंडा सुरेखा ने कहा कि वर्तमान सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री और सशक्त महिला नेता इंदिरा गांधी को श्रद्धांजलि के रूप में इस योजना को शुरू किया है। यह कार्यक्रम दो चरणों में लागू किया जा रहा है। पहले चरण में, आज से 9 दिसंबर तक, जिसे तेलंगाना तल्ली दिवस के रूप में मनाया जाता है, ग्रामीण महिलाओं को साड़ियाँ वितरित की जाएँगी। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में, 1 मार्च, 2026 से शहरी महिलाओं को साड़ियाँ प्रदान की जाएँगी। राज्य में एक करोड़ पात्र महिलाओं को कुल एक करोड़ उच्च-गुणवत्ता वाली साड़ियाँ वितरित की जाएँगी - पहले चरण में 65 लाख और दूसरे चरण में 35 लाख। मंत्री ने यह भी बताया कि साड़ियाँ पूरी तरह से सिरिसिला बुनकरों द्वारा बनाई जाती हैं, और चूँकि उत्पादन में समय लगता है, इसलिए सरकार ने वितरण को दो चरणों में करने की योजना बनाई है। उन्होंने दृढ़ता से दोहराया कि सरकार किसी भी परिस्थिति में साड़ियों की गुणवत्ता से समझौता नहीं करेगी। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक पात्र महिला को सम्मान के साथ उच्च-गुणवत्ता वाली इंदिराम्मा साड़ी मिले।

पूर्व सैनिकों के लिए 28 नवंबर को रोजगार मेला

हैदराबाद, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सैनिकों को नागरिक कार्यबल में दोबारा शामिल होने में सहायता देने के उद्देश्य से पूर्व सैनिक कल्याण विभाग (एमओडी) के पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) द्वारा 28 नवंबर को सिकंदराबाद स्थित वायुसेना स्टेशन हकीमपेट में रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह मेला भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के पूर्व सैनिकों को सुरक्षा, आईटी, प्रशासन, लॉजिस्टिक्स, स्वास्थ्य और इंजीनियरिंग जैसे क्षेत्रों के बड़े कॉर्पोरेट और उद्योग नियोक्ताओं से जोड़ने के लिए एक विशेष मंच प्रदान करेगा।

डीजीआर वित्त वर्ष 2025-26 में पूरे देश में कुल 18 रोजगार मेले आयोजित कर रहा है, जिनमें से दिल्ली, चेन्नई, अहमदाबाद, लखनऊ, वाराणसी और कोलकाता में आठ मेले पहले ही आयोजित किए जा चुके हैं।

दक्षिण मध्य रेलवे में क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता संपन्न

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के प्रधान कार्यालय में क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में सिकंदराबाद मंडल, हैदराबाद मंडल, विजयवाडा मंडल, गुंतकल मंडल की नाटक मंडलियों ने नाटकों का मंचन किया। इस प्रतियोगिता का समापन व पुरस्कार वितरण समारोह 18 नवंबर को संपन्न हुआ। मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक राजेश पी.खाडे की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव , विशिष्ट अतिथि के रूप में अपर महाप्रबंधक सत्यप्रकाश उपस्थित थे। महाप्रबंधक ने क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता के सफलतापूर्वक आयोजन करने पर राजभाषा संगठन को बधाई दी। उन्होंने नाटक प्रतियोगिता में भाग लेनेवाले सभी कर्मचारियों की प्रशंसा की और कहा कि 'ग' क्षेत्र में होने के बावजूद इस रेलवे के कर्मचारियों ने बड़े उत्साह से इस प्रतियोगिता में भाग लिया और अपने-अपने नाटकों का मंचन किया। इसके लिए उन्होंने सभी कलाकारों को बधाई दी। इस कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी ने अपने संबोधन में बताया कि राजभाषा के प्रचार-प्रसार के लिए राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। इसी श्रृंखला में क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि इस नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त नाटक अखिल रेल स्तर पर आयोजित होनेवाली नाटक प्रतियोगिता में इस रेलवे का प्रतिनिधित्व करेगा।

इस प्रतियोगिता के लिए आमंत्रित निर्णायकों चंद्रकांत खानापुरकर तथा सुहास भटनागर ने इस प्रतियोगिता में नाटकों के मंचन तथा कलाकारों के प्रदर्शन पर अपनी-अपनी टिप्पणी दी। अखिल रेल स्तर पर नाटकों के उत्तम प्रदर्शन के लिए उन्होंने सुझाव दिए। क्षेत्रीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान विजयवाडा मंडल द्वारा मंचित नाटक "अखंड पर्व' को, द्वितीय स्थान हैदराबाद मंडल द्वारा मंचित नाटक "जीवन' को तथा तृतीय स्थान सिकंदराबाद मंडल द्वारा मंचित नाटक "भक्ति से बडी कोई शक्ति नहीं' और गुंतकल मंडल द्वारा मंचित नाटक " हिंदी हैं हम' को संयुक्त रूप से प्राप्त हुआ. रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित विभिन्न वर्ग, जैसे कि सर्वश्रेष्ठ अभिनेता/अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता/अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ निर्देशन, सर्वश्रेष्ठ स्क्रिप्ट, सर्वश्रेष्ठ संगीतकार, सर्वश्रेष्ठ रूप-सज्जा, सर्वश्रेष्ठ मंच-सज्जा, सर्वश्रेष्ठ वेश-भूषा, सर्वश्रेष्ठ प्रकाश परिकल्पना आदि के लिए पुरस्कार प्रदान किए गए। उप महाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ.श्याम सुंदर साहू ने इस कार्यक्रम के आयोजन के उद्देश्य को स्पष्ट करते हुए कहा कि राजभाषा के प्रयोग-प्रसार के लिए नाटकों का आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी/प्र.का.एम.के.नागराजु के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

सिंगरेणी मज़दूरों के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहीं कविता हिरासत में

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति प्रमुख और पूर्व सांसद कल्वाकुंतला कविता ने एचएमएस सिंगरेणी यूनियन के नेताओं के साथ बुधवार को सिंगरेणी भवन का घेराव कर विरोध प्रदर्शन किया और सिंगरेणी मज़दूरों की लंबे समय से लंबित समस्याओं के तत्काल समाधान की मांग की। पुलिस ने हस्तक्षेप किया और कविता और अन्य को हिरासत में लेकर नामपल्ली पुलिस स्टेशन भेज दिया। कविता ने मांग की कि तेलंगाना कोयला ब्लॉकों की नीलामी रोकी जाए और कंपनी की वित्तीय स्थिरता की रक्षा के लिए नए ब्लॉक विशेष रूप से सिंगरेणी को आवंटित किए जाएँ।

उन्होंने मज़दूरों के वेतन से आयकर कटौती को हटाने की भी मांग की ताकि उनका वित्तीय बोझ कम हो सके। बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए, कविता ने दावा किया कि सिंगरेणी के हर ठेके का 25% गबन किया जा रहा है, जिसमें से 10% कांग्रेस नेताओं को फायदा पहुँचाया जा रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती है तो वे सीबीआई का दरवाजा खटखटाएँगी। उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था किए बिना आश्रितों की नौकरियाँ हटाने के लिए सरकार की आलोचना की और एक मेडिकल बोर्ड की स्थापना की लंबे समय से चली आ रही माँग पर ज़ोर दिया, जिसे उन्होंने श्रमिकों के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण बताया।

दो दिन की हड़ताल खत्म, तेलंगाना में फिर पटरी पर लौटी कपास खरीद

जिनिंग मिलें खुलते ही मंडियों में बढ़ी आवक, किसानों ने राहत की सांस ली

हैदराबाद, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में बुधवार को कपास खरीद फिर से शुरू हो गई। दो दिन तक जारी रही जिनिंग मिलों की हड़ताल खत्म होते ही राज्यभर की मंडियों में कामकाज तेज़ हो गया।

17 और 18 नवंबर को हुई इस हड़ताल के दौरान सभी 323 जिनिंग मिलें बंद रहीं, जिससे हज़ारों किसान चिंतित थे। बुधवार सुबह आदिलाबाद, वारंगल, करीमनगर और नलगोंडा की प्रमुख मंडियों में कामकाज शुरू होते ही कपास की आवक में तेज़ बढ़ोतरी दर्ज की गई। कई दिन से अपनी कपास बेचने के इंतज़ार में खड़े किसानों ने राहत महसूस की, क्योंकि जिनिंग मिलों ने नई आवक लेना शुरू कर दिया। अनुमान है कि बुधवार को ही विभिन्न मंडियों में कुल मिलाकर एक लाख क्विंटल से अधिक कपास पहुंची, जो इस सीज़न की सबसे बड़ी दैनिक आवकों में से एक रही। किसानों को बुधवार को 7,500 रुपये से 8,050 रुपये प्रति क्विंटल तक की कीमत मिली। अच्छी तरह सुखाई गई कपास को भारतीय कपास निगम (सीसीआई) के न्यूनतम समर्थन मूल्य के करीब तक दरें प्राप्त हो रही हैं।

गौरतलब है कि मिलों ने नमी के मानदंडों में ढील, खरीद सीमा और सीसीआई की निविदा वर्गीकरण प्रणाली में बदलाव जैसी मांगों को लेकर प्रोसेसिंग रोक दी थी।

आज केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की पूजा आरती अभिषेक और प्रसाद का सभी वॉकर्स ने लाभ लिया। मुख्य यजमान शालिनी पंजाबी राजेश पुजारी रहे। पूजा में राजेंद्र अग्रवाल सुरेंद्र अग्रवाल गोपाल बलदवा संध्या रानी अग्रवाल, दिया अग्रवाल अशोक रूंगटा राजेश शालिनी विट्ठलदास अग्रवाल बड़े गांव वाले अशोक लाखोटिया पीएसआर मूर्ति हनमंतैया अशोक कुमार सरायवाला राहुल सिंघल डॉ राधा कृष्ण आदि ने भाग लिया।

अग्रणी महिला मंच ने वीर शहीर रानी लक्ष्मी बाई की जयंती हिमायत नगर स्थित कार्यालय में मनाया। अंजना मेहता ने रानी लक्ष्मी बाई की वेश भूषा धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। अवसर पर अध्यक्ष सुमन भुवानिया , बबिता गर्ग , रितु गर्ग , श्रद्धा सुखिया , रितु गोयल , संगीता जजोड़िया , वंदना पछरिया , प्रीति गोयल , संतोष अग्रवाल , सपना जैन , नीता अग्रवाल , सोनिया गोयल , संगीता बिंदल , एवं पवन भुवानिया भी उपस्थित थे।

कोटी प्रसूति अस्पताल से गर्भवती महिला लापता

सीसीटीवी फुटेज की मदद से तलाश में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। कोटी सरकारी प्रसूति अस्पताल से एक पूर्ण गर्भवती महिला के लापता होने से उसके परिवार में चिंता फैल गई है। रंगा रेड्डी जिले के मंचल के कागज घाट गांव की 25 वर्षीय स्वप्ना सोमवार को प्रसव के लिए अपने पति शिव कुमार और मां के साथ अस्पताल आई थी। पुलिस के अनुसार, डॉक्टरों ने अनुमान लगाया था कि 24 घंटे के भीतर प्रसव हो सकता है, इसलिए परिवार उसे भर्ती कराने की प्रक्रिया में था। लेकिन थोड़ी ही देर बाद स्वप्ना अचानक अस्पताल से बाहर चली गई और फिर दिखाई नहीं दी।

पति की शिकायत पर सुल्तान बाजार पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है। शुरुआती जांच में पता चला है कि स्वप्ना खुद ही एक ऑटो रिक्शा में बैठकर अस्पताल से निकली थी। उसकी तलाश में अस्पताल और आसपास के क्षेत्रों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जांच अधिकारी एम. श्वेता ने बताया कि अपहरण या किसी तरह के बल प्रयोग के संकेत नहीं मिले हैं। उन्होंने कहा कि ऑटो चालक का पता लगाया जा रहा है, ताकि यह जानकारी मिल सके कि स्वप्ना कहाँ उतरी। पुलिस का कहना है कि लापता महिला का जल्द से जल्द पता लगाने के लिए प्रयास जारी हैं।

जबरन वसूली रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल करते हुए, एक प्रमुख दवा समूह, हेटेरो ग्रुप ऑफ़ कंपनीज़ के खिलाफ उच्च-स्तरीय जबरन वसूली और साइबर धमकी की साजिश में शामिल दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। हेटेरो समूह के एक प्रतिनिधि ने बताया कि कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी को अगस्त में 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मांग करते हुए कई धमकी भरे ईमेल मिले थे। आरोपियों ने संवेदनशील आंतरिक जानकारी होने का झूठा दावा किया और मनगढ़ंत आरोपों को यूएसएफडीए तक पहुँचाने की धमकी दी। दबाव बढ़ाने के लिए फर्जी दस्तावेज़ों, स्क्रीनशॉट और एक एफडीए अधिकारी का रूप धारण करके, यहाँ तक कि एक वास्तविक यूएसएफडीए निरीक्षण भी करवाया गया। साइबर क्राइम डीसीपी बी साई श्री के अनुसार, आरोपियों की कार्यप्रणाली इस प्रकार है: यूएसएफडीए अधिकारियों के नाम पर फर्जी ईमेल आईडी बनाना, नियामक उल्लंघनों का आरोप लगाते हुए धमकी भरे मेल भेजना, भुगतान के लिए मजबूर करने हेतु जाली दस्तावेज़ साझा करना, गुप्त संचार के लिए सिग्नल ऐप का इस्तेमाल करना और झूठे आरोपों को दबाने के लिए 25 करोड़ अमेरिकी डॉलर की मांग करना रही है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में गादी मणिकांता और येंदापल्ली जेसी सुदर्शन शामिल हैं। सार्वजनिक सलाह के तौर पर, साइबराबाद पुलिस ने संगठनों और जनता को साइबर जबरन वसूली के प्रयासों, फर्जी नियामक ईमेल और धोखाधड़ी वाले दस्तावेजों के प्रति सतर्क रहने के लिए आगाह किया।

शमशाबाद सड़क हादसे में बी.टेक छात्र की मौत

हैदराबाद, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके शमशाबाद में मंगलवार रात हुए सड़क हादसे में एक बी.टेक छात्र की मौत हो गई। मृतक की पहचान 22 वर्षीय रामतेनकी सिद्धार्थ के रूप में हुई है, जो नरखुदा गांव में किराए के कमरे में रहता था और मूल रूप से मचेरियल जिले का निवासी था। घटना तब हुई जब सिद्धार्थ अपने दोस्त ए. रोहित के साथ मोटरसाइकिल से जा रहा था। शमशाबाद के वर्धमान कॉलेज रोड पर उनकी बाइक को अचानक एक ऑटोरिक्शा ट्रॉली ने टक्कर मार दी। टक्कर से दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान देर रात सिद्धार्थ ने दम तोड़ दिया। रोहित का इलाज जारी है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

कप्तान गिल भारतीय टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे

बीसीसीआई ने कहा- खेलने पर फैसला बाद में लेंगे, निगरानी कर रहे

मुंबई, 19 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान शुभमन गिल पर बीसीसीआई ने मेडिकल अपडेट दिया है। बुधवार को भारतीय बोर्ड ने एक प्रेस रिलीज के जरिए बताया- 'गिल तेजी से रिकवर कर रहे हैं। वे 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जाएंगे। मेडिकल टीम उनकी स्थिति पर नजर रखेगी। उनके दूसरा टेस्ट में खेलने को लेकर फैसला बाद में लिया जाएगा।'

भारतीय कप्तान को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन 15 नवंबर को गर्दन में चोट लगी। दिन का खेल खत्म होने के बाद उन्हें जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्हें एक दिन डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया और अगले दिन 16 नवंबर को डिस्चार्ज कर दिया गया।

कोलकाता टेस्ट में भारत की पहली पारी के दौरान रिटायर हुए

शनिवार को गिल कोलकाता टेस्ट की पहली पारी में वॉशिंगटन सुंदर के आउट होने के बाद बैटिंग करने उतरे थे। उन्होंने साइमन

हार्मर की पहली दो बॉल पर कोई रन नहीं बनाया। इसके बाद तीसरी बॉल पर चौका लगाकर अपना खाता खोला, इसी दौरान स्वीप खेलने के प्रयास में उनकी गर्दन में परेशानी हुई।

इसके बाद फिजियो आए और गिल उनके साथ मैदान से बाहर चले गए। वे भारतीय पारी में महज 4 रन ही बना सके। उन्हें स्टेडियम से एक निजी अस्पताल में स्कैन के लिए ले जाया गया। इस दौरान उन्हें गर्दन में ब्रेस पहने हुए देखा गया। ईडन से निकलते समय उनके साथ टीम के डॉक्टर और संपर्क अधिकारी भी थे।

गिल की गैरमौजूदगी में पंत ने संभाली कप्तानी

गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाते हैं तो उप कप्तान ऋषभ पंत ही टीम की कप्तानी करते हुए नजर आएंगे। कोलकाता टेस्ट से भी गिल के बाहर होने के बाद पंत ने ही टीम की कमान संभाली थी। कप्तान की गैरमौजूदगी में उप कप्तान ही टीम को लीड करता है।

भारत पहला टेस्ट 30 रन से हारा

भारतीय टीम रविवार को कोलकाता टेस्ट 30 रन से हार गई। टीम 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 93 रन पर ढेर हो गई। इसके साथ ही साउथ अफ्रीका ने 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। ऐसे में भारत को यह सीरीज ड्रॉ कराने के लिए दूसरा मैच जीतना जरूरी है।

भारत एशिया कप राइजिंग स्टार्स के सेमीफाइनल में पहुंचा

ओमान को 6 विकेट से हराया; हर्ष दुबे ने फिफ्टी लगाई, एक विकेट भी लिया

दोहा, 19 नवंबर (एजेंसियां)। एशिया कप राइजिंग स्टार्स में भारत दूसरा मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच गया। टीम ने दोहा स्टेडियम में खेले जा रहे मुकाबले में ओमान को 6 विकेट से हरा दिया। हर्ष दुबे ने नाबाद फिफ्टी लगाने के साथ एक विकेट भी लिया।

इंडिया-ए के कप्तान जितेश शर्मा ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। ओमान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 135 रन बनाए। टीम से वसीम अली ने नाबाद 54 रन की पारी खेली। भारत से गुरजपनीत सिंह और सुयश शर्मा ने 2-2 विकेट चटकाए।

136 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी इंडिया-ए ने 17.5 ओवर में 4 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। टीम से हर्ष दुबे ने नाबाद 53 रन बनाए। आर्यन बिष्ट को एक विकेट मिला।

ओमान ओपनर्स ने 37 रन जोड़े

पहले बल्लेबाजी कर रही ओमान टीम के ओपनर्स ने पहले

विकेट के लिए 4 ओवर में 37 रन की साझेदारी की। कप्तान हम्माद मिर्जा 16 गेंदों पर 32 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 200 की स्ट्राइक रेट से पारी में 3 चौके और 2 सिक्स भी लगाए। हम्माद को विजयकुमार वैशाख ने आशुतोष शर्मा के हाथों कैच कराया।

करन सोनवाले 19 बॉल पर 12 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें लेग स्पिनर सुयस शर्मा ने एलबीडब्ल्यू किया। नारायण साईशिव 14 बॉल पर 16 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्हें नमन धीर ने नेहल वधेरा के हाथों कैच कराया। आर्यन बिष्ट को 4 रन पर हर्ष दुबे ने एलबीडब्ल्यू किया। जिकरिया इस्लाम लगातार दूसरे मैच में शून्य के स्कोर पर पवेलियन लौटे। उन्हें सुयश शर्मा ने लेग स्लिप पर नमन धीर के कैच पर आउट किया।

वसीम अली की नाबाद फिफ्टी

ओमान के लिए दूसरे विकेट के बाद बैटिंग करने उतरे वसीम अली ने शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने टी-20 में पहली फिफ्टी लगाते हुए 45 बॉल पर 54 रन बनाए। अली ने 120 की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 5 चौके और एक सिक्स भी लगाया। भारत की तरफ गुरजपनीत सिंह और सुयश शर्मा ने 2-2 विकेट निकाले। हर्ष दुबे, विजयकुमार वैशाख और नमन धीर को एक-एक विकेट मिला।

वैभव 12 रन बनाकर आउट

पिछले 2 मैच में भारत के लिए शानदार बल्लेबाजी करने वाले वैभव सूर्यवंशी 13 बॉल पर 12 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें जय ओडेदरा ने आर्यन बिष्ट के कैच पर पवेलियन भेजा। ओपनर प्रियांश आर्या भी कुछ खास नहीं कर सके। वे 6 बॉल पर 10 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 2 चौके भी लगाए। प्रियांश को शफीक जैन ने मुजाहिर रजा के हाथों कैच कराया।

पहले विकेट के बाद बल्लेबाजी करने आए नमन धीर ने ग्राउंड के चारों तरफ शॉट खेले। उन्होंने 2 चौके और 2 सिक्स की मदद से 19 बॉल पर 30 रन की पारी खेली। नमन को समय श्रीवास्तव ने पवेलियन भेजा।

हर्ष-नेहल की मैच विनिंग पार्टनरशिप

नमन के आउट होने के बाद टीम ने ऑलराउंडर हर्ष दुबे को बैटिंग में प्रमोट किया। हर्ष ने नेहल वधेरा के साथ चौथे विकेट के लिए 52 बॉल पर 66 रन की साझेदारी करके मैच में भारत की जीत सुनिश्चित कर दी। हर्ष ने शानदार बल्लेबाजी की और 44 बॉल पर 53 रन बनाए। 120.45 की स्ट्राइक रेट से खेलते हुए हर्ष ने पारी में 7 चौके और एक सिक्स भी लगाया।

वधेरा 24 बॉल पर 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे। उन्होंने पारी में एक सिक्स भी लगाया। नेहल को आर्यन बिष्ट ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए कप्तान जितेश शर्मा ने आर्यन की बॉल पर चौका लगाकर मैच जिता दिया। ओमान से जय ओडेदरा, शफीक जैन, समय श्रीवास्तव और आर्यन बिष्ट ने एक-एक विकेट लिए।

5 भारतीय वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के फाइनल में

अरुंधति ने 3 बार की मेडलिस्ट को हराया; मीनाक्षी-अंकुश की विनिंग-स्ट्रीक जारी

नूपुर-परवीन की विजयी शुरुआत

ग्रेटर नोएडा, 19 नवंबर (एजेंसियां)। 5 भारतीय मुक्केबाजों ने ग्रेटर नोएडा में जारी वर्ल्ड बॉक्सिंग कप के फाइनल में जगह बना ली। अरुंधति चौधरी ने पिछले 3 एडिशन में मेडल जीतने वाली जर्मन मुक्केबाज लियोनी मुलर को RSC से हराया। RSC वह स्थिति है, जब एक खिलाड़ी के घायल होने पर रेफरी खेल को रोक देता है।

अरुंधति के अलावा, मीनाक्षी, अंकुश फंगल, परवीन और नूपुर ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर फाइनल में जगह पक्की की।

अरुंधति करीब डेढ़ साल के बाद कोई इंटरनेशनल टूर्नामेंट खेल रहीं थीं। उन्होंने शुरुआती दोनों राउंड में अग्रेसिव खेल दिखाया। फिर राउंड-2 में अपने पंच से जर्मन दिग्गज को रिंग पर

गिरा दिया। राउंड-3 में फिर से पटखनी दी। यहां रेफरी को खेल बीच में रोकना पड़ा और अरुंधति को विनर घोषित कर दिया गया।

जीत के साथ वापसी से खुश हूं। शुरुआत में थोड़ी घबराहट हुई थी, क्योंकि मेरा आखिरी इंटरनेशनल एक्सपीरियंस पेरिस ओलिंपिक 2024 क्वालीफायर में हार के रूप में था, जिसके बाद मेरी कलाई की सर्जरी हुई थी। मैं इसी का इंतजार कर रही थी और अब मैं वापस आ गई हूं।

मीनाक्षी ने 5-0 की एकतरफा जीत दर्ज की

वर्ल्ड चैंपियन मीनाक्षी (48 kg) ने कोरिया की बाक चो-रोंग पर लगभग 5-0 की शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने सटीक मुक्के लगाए, जिससे उन्हें तीनों राउंड जीतने में मदद मिली। अंकुश फंगल (80 kg) ने ऑस्ट्रेलिया के मार्लन सेवेहोन को 5-0 से हराया।

नुपुर और परवीन ने पहला मैच जीता

नुपुर (80+ केजी) ने यूक्रेन की मारिया लोवचिन्स्का को शुरू से अंत तक दबदबा बनाए रखा। परवीन (60 केजी) ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पोलैंड की वर्ल्ड बॉक्सिंग कप की सिल्वर मेडलिस्ट विनर राइगेल्स्का अनेटा एल्जबिएटा को 3-2 के कड़े मुकाबले में मात दी।

ओलिंपिक मेडलिस्ट से भिड़ेंगी प्रीति

5वें सेशन में प्रीति (54 किग्रा) को ओलिंपिक मेडलिस्ट और 3 बार की वर्ल्ड चैंपियन हुआंग सियाओ-वेन के खिलाफ कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ेगा। स्वीटी बूरा (75 किग्रा) का सामना ऑस्ट्रेलिया की एम्मा-सू ग्रीट्री से होगा।

इसी तरह नरेंद्र और नवीन भी फाइनल में जगह बनाने की कोशिश में दिखेंगे। अभिनाश जामवाल अपने अभियान की शुरुआत यूक्रेन के एल्विन अलीयेव के खिलाफ खेलते हुए करेंगे।

स्नूकर विश्व कप: पाकिस्तान के असजद इकबाल ने किया बड़ा उलटफेर

भारत के पंकज आडवाणी को 4-0 से हराया

नई दिल्ली, , 19 नवंबर (एजेंसियां)। स्नूकर विश्व कप के क्वार्टरफाइनल में पाकिस्तान के असजद इकबाल ने भारत के तीन बार के आईबीएसएफ विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी को 4-0 से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। शुरू से ही बेहतरीन फॉर्म में दिखे इकबाल ने मैच के दौरान लगातार शानदार ब्रेक लगाए और आडवाणी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

इकबाल ने पहले फ्रेम में 81 का शानदार ब्रेक लगाकर बढ़त बनाई और दूसरे फ्रेम में 45 का ब्रेक जोड़कर स्कोर 2-0 कर दिया। आडवाणी, जिन्होंने प्री-क्वार्टरफाइनल में ब्रिजेश दामानी को मात दी थी, इस मुकाबले में अपने खेल का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर सके। तीसरे फ्रेम में इकबाल ने 68 और 49 के ब्रेक के साथ बढ़त को और मजबूत किया और चौथे फ्रेम में भी बढ़त बनाए रखते हुए सेमीफाइनल में जगह बना ली।

'आप हर दिन नहीं जीत सकते'

खराब प्रदर्शन जारी रहने पर निशानेबाज मनु भाकर ने दी सफाई

नई दिल्ली, 19 नवंबर (एजेंसियां)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता भारतीय महिला निशानेबाज मनु भाकर ने पिछले कुछ समय से जारी खराब प्रदर्शन पर सफाई दी है। मनु उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पा रही हैं , लेकिन उनका कहना है कि वह हर दिन नहीं जीत सकतीं। हालांकि, मनु ने आईएसएसएफ विश्व चैंपियनशिप में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन को बरकरार न रख पाने को झटका करार देते हुए हमवतन खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की।

इस साल खास कमाल नहीं दिखा पाई हैं मनु

हाल ही में संपन्न हुए इस टूर्नामेंट में 13 भारतीय पदक विजेताओं में मनु भाकर का

शामिल न होना निशानेबाजी जगत के कई लोगों के लिए थोड़ा आश्चर्य की बात है। मनु ने एक कार्यक्रम में कहा, मैं विश्व चैंपियनशिप में पदक जीतने का लक्ष्य लेकर चल रही थी। मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा लेकिन मैं शीर्ष तीन में जगह नहीं बना पाई। मेरी टीम की साथी ईशा सिंह ने पदक जीता। आप खेल में हर दिन जीत नहीं सकते। कभी कभी हार का सामना करना पड़ता है। मेरे लिए यह जरूरी है कि भारत को पदक जीतना चाहिए और यह मेरे या किसी और के जीतने से जुड़ा नहीं होना चाहिए। जब तक भारत कोई भी पदक जीत रहा है, मैं उसका हौसला बढ़ाते रहूंगी चाहे वह किसी भी खेल में हो।

मनु ने पेरिस ओलंपिक में शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन इस साल कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई हैं।

इस साल अगस्त में एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतना उनकी बड़ी उपलब्धियों में से एक है।

ट्राई सीरीज- जिम्बाब्वे से आखिरी ओवर में जीत पाया पाकिस्तान

बाबर शून्य पर आउट; नवाज ने चौके से जिताया, 2 विकेट भी लिए

रावलपिंडी, 19 नवंबर (एजेंसियां)। ट्राई-सीरीज के पहले मुकाबले में पाकिस्तान को जिम्बाब्वे से जीतने के लिए आखिरी ओवर में जाना पड़ा। टीम ने 148 रन का टारगेट 5 विकेट खोकर 19.2 ओवर में हासिल किया। बाबर आजम शून्य पर LBW आउट हो गए। ऑलराउंडर मोहम्मद नवाज ने चौका लगाकर जीत दिलाई। उन्होंने 2 विकेट भी लिए।

रावलपिंडी में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बॉलिंग चुनी। जिम्बाब्वे ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 147 रन बनाए। टीम से ओपनर ब्रायन बेनेट ने सबसे ज्यादा 49 रन की पारी खेली। जवाब में पाकिस्तान ने फखर जमान 44 और उस्मान खान के नाबाद 37 रन की बदौलत जीत हासिल कर ली। पाकिस्तान पहली बार टी-20 ट्राई सीरीज की मेजबानी कर रहा है, जिसमें श्रीलंका और जिम्बाब्वे की टीम भी शामिल हैं। दूसरा मैच 20 नवंबर को पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच रावलपिंडी में खेला जाएगा।

जिम्बाब्वे के ओपनर्स ब्रायन बेनेट और तदिवनाशे मरुमानी ने पहले विकेट के लिए 72 रन की साझेदारी की। दोनों ने 7.6 ओवर तक एक भी विकेट नहीं गिरने दिया। मरुमानी को मोहम्मद नवाज ने शाहीन अफरीदी के हाथों कैच कराया। उन्होंने 22 बॉल पर 30 रन बनाए।

मरुमानी के आउट होने के बाद विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर ने 14 रन बनाए। उन्हें बाबर आजम ने रन आउट किया।

रेयान बर्ल ने 8 रन बनाए।

ओपनर ब्रायन बेनेट ने एक तरफ से शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 8 चौके की मदद से 36 बॉल पर 49 रन बनाए। बेनेट को सईम अयूब ने अपनी ही बॉल पर कैच करके आउट किया। कप्तान सिकंदर रजा ने अंतिम ओवरों में शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 141.67 की स्ट्राइक रेट से 24 गेंदों पर 34 रन बनाए। पारी में 3 चौके और एक सिक्स भी लगाया। पाकिस्तान से मोहम्मद नवाज के अलावा शाहीन शाह अफरीदी, सलमान मिर्जा, सईम अयूब और अबरार अहमद ने एक-एक विकेट चटकाए।

148 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी पाकिस्तानी टीम ने अपना पहला विकेट मात्र 27 रन पर गंवा दिया। साहिबजादा फरहान को 16 रन पर ब्रैड इवांस ने बोल्ड कर दिया। सईम अयूब ने एक चौके और एक सिक्स की मदद से 26 बॉल पर 22 रन बनाए। उन्हें ग्रीम क्रीमर ने आउट किया। पहले विकेट के बाद बल्लेबाजी करने आए बाबर आजम मात्र 3 बाल खेलकर शून्य पर पवेलियन लौट गए। उन्हें ब्रैड इवांस ने एलबीडब्ल्यू किया। कप्तान सलमान अली आगा भी कुछ खास नहीं कर सके और मात्र एक रन बनाकर आउट हो गए। उनका विकेट टीनोटेन्डा मापोसा ने चटकाया। 54 रन पर 4 विकेट गिर जाने के बाद लेफ्ट हैंडर बैटर फखर जमान और उस्मान खान ने पांचवें विकेट के लिए 39 बॉल पर 61 रन जोड़े। दोनों ने टीम को प्रेशर सिचुएशन से बाहर निकाला। फखर जमान 32 बॉल पर 44 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 2 चौके और 2 सिक्स भी लगाए।

फखर के आउट होने के बाद नवाज बैटिंग करने आए। उन्होंने उस्मान खान के साथ मिलकर छठे विकेट के लिए 20 बॉल पर 36 रन की मैच विनिंग साझेदारी की। उस्मान खान ने 28 बॉल पर 37 रन बनाए। उन्होंने पारी में 3 चौके भी लगाए। नवाज ने पारी के आखिरी ओवर की पहली और दूसरी बॉल पर लगातार दो चौके लगाकर मैच पाकिस्तान के नाम कर दिया। उन्होंने 175 की स्ट्राइक रेट से 12 बॉल पर नाबाद 21 रन बनाए। पारी में 2 चौके और एक सिक्स भी लगाया।

एएफसी क्वालिफायर में भारत 0-1 से हारा

22 साल बाद भारत की बांग्लादेश से हार; मोर्सालिन ने एकमात्र गोल किया

ढाका , 19 नवंबर (एजेंसियां)। एएफसी एशियन कप सऊदी अरब 2027 क्वालिफायर ग्रुप-सी के मैच में भारत को ढाका के नेशनल स्टेडियम में बांग्लादेश ने 0-1 से हरा दिया। मैच का एकमात्र गोल बांग्लादेश के शेख मोर्सालिन ने किया। भारत ने दूसरे हाफ में कई मौके बनाए, लेकिन बराबरी नहीं कर पाया। बांग्लादेश की यह भारत के खिलाफ 2003 के एसएएफएफ चैंपियनशिप (ढाका) के बाद पहली जीत है। पहले हाफ में एकमात्र गोल बांग्लादेश की ओर से किया गया। मैच के 12वें मिनट में बांग्लादेश ने काउंटर अटैक पर गोल दाग दिया। रकीब हुसैन के क्रॉस पर शेख मोरसलिन ने आसानी से गेंद को गोलकीपर गुरप्रीत संधू को चकमा देकर नेट में डाल दिया और टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि उसके बाद भारत ने दबाव बनाया। 17वें मिनट में सुरेश सिंह का शॉट बाहर चला गया। इसके बाद निक्सन और चांगते के प्रयासों को बांग्लादेश डिफेंस ने रोक दिया।

भारत को सबसे बड़ा मौका 30वें मिनट मेंरहीम अली ने बांग्लादेश के गोलकीपर से गेंद छीनकर छांगते को पास दिया। उस समय गोल पोस्ट खाली था और छांगते के पास गोल करने का अच्छा मौका था, लेकिन बांग्लादेश के हमजा चौधरी ने सिर लगाकर शॉट को रोककर गोल बचा लिया।

दूसरे हाफ में भारत और अधिक आक्रामक था। महेश सिंह नाओरेम के आने से विंग पर रफ्तार बढ़ी। बेखे के हेडर और रहीम की मौजूदगी के बावजूद बांग्लादेश डिफेंस ने उन्हें फिनिश नहीं करने दिया।

66वें मिनट में सनन के आते ही बाएं विंग पर भारत की मूवमेंट बढ़ी। उन्होंने एक बार अंदर कट कर शॉट लिया, जिसे मार्मा ने बचा लिया। अगली ही मिनट में सनन की क्रॉस पर ब्रायसन फर्नांडिस का हेडर बाहर गया। अंतिम 15 मिनट में भी भारत बराबरी का गोल नहीं निकाल सका, जबकि गुरप्रीत ने 79वें मिनट में टोपु बर्मन की लंबी दूरी की कोशिश रोककर भारत को मुकाबले में बनाए रखा। अंतिम मिनटों में विक्रम प्रताप और ब्रायसन के काउंटर अटैक भी गोल में तब्दील नहीं हो पाए और बांग्लादेश ने जीत दर्ज की। इस हार के साथ भारत ग्रुप सी में दो अंकों के साथ चौथे स्थान पर है। ग्रुप सी में पांच मैचों के बाद भारत एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अभी तक कोई मैच नहीं जीता है। सिंगापुर ने 11 अंकों के साथ ग्रुप जीतकर एशियन कप के लिए क्वालिफाई किया है, जबकि हांगकांग 8 अंकों के साथ दूसरे और बांग्लादेश 5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। भारत अब अपना अंतिम क्वालिफायर मैच 31 मार्च 2026 को हांगकांग के खिलाफ खेलेगा।

शे होप ने न्यूजीलैंड के खिलाफ छक्के से पूरा किया शतक

वेस्टइंडीज के लिए किया बड़ा काम, धोनी ने दी थी बड़ी सलाह

खेल डेस्क, 19 नवंबर (एजेंसियां)। शे होप ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शतक जड़ दिया है. उन्होंने अपना शतक छक्के से पूरा किया होप ने 66 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया. होप के शतक की सबसे खास बात ये रही कि उसकी स्क्रिप्ट उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए मुश्किल हालातों में लिखी. ये उनके वनडे करियर का 19वां शतक है. शे होप की कप्तानी पारी का ही असर रहा कि वेस्टइंडीज की टीम 34 ओवर में 247 रन बनाने में कामयाब रही.

शे होप ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहली बार किया ये कमाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ वेस्टइंडीज की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी. 40 रन के अंदर ही उसके

2 विकेट गिर गए और फिर 86 रन तक पहुंचते-पहुंचते आधी टीम यानी टॉप के 5 विकेट पवेलियन लौट गए. दूसरे छोर पर खड़े शे होप अपनी टीम को मुश्किलों से जूझते हुए देखा तो पिच पर ही खूंटा गाड़ दिया. उसके बाद उन्होंने ना सिर्फ कप्तानी पारी खेली बल्कि न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला वनडे शतक भी जड़ दिया.

शतक जड़ा, वनडे में 6000 रन पूरे किए

शे होप ने 69 गेंदों पर नाबाद 109 रन बनाए, जिसमें 13 चौके और 4 छक्के शामिल रहे. इस इनिंग के दौरान उन्होंने अपनी सेंचुरी 66 गेंदों पर पूरी की. इस शतकीय पारी के दौरान शे होप ने वनडे क्रिकेट में एक और उपलब्धि हासिल की. होप ने वनडे क्रिकेट में अपने 6000 रन पूरे कर लिए हैं. ये कामयाबी उन्होंने अपनी 142वीं इनिंग में हासिल की.

शे होप वनडे क्रिकेट में वेस्टइंडीज के लिए सबसे तेज 6000 रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं. उनसे तेज ये कारनामा विव रिचर्डस ने किया है. रिचर्ड्स ने 141 पारियों में ये कमाल किया था. धोनी की सलाह ने बदला खेल

शे होप वही बल्लेबाज हैं, जिनके लिए धोनी ने उनसे कहा था शॉट खेलने के लिए जितना सोचते हो, उससे ज्यादा टाइम तुम्हारे पास है.

शे होप ने खुद ही बताया है कि धोनी की उस सलाह ने उनके खेलने के अंदाज को बदलकर रख दिया है. होप बीते कुछ समय से वनडे क्रिकेट में वेस्टइंडीज के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं.

एक करोड़ साड़ियों का वितरण महिला सशक्तिकरण की कुंजी : रेवंत रेड्डी

इंदिराम्मा साड़ियों के वितरण का शुभारंभ

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य में महिला सशक्तिकरण के तहत जनता की सरकार ने "एक करोड़ महिलाओं को एक करोड़ साड़ियों का वितरण" अभियान शुरू किया है। बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर इंदिराम्मा साड़ियों के वितरण का शुभारंभ करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि पात्र महिलाओं को साड़ियाँ दो चरणों में वितरित की जाएँगी।

साड़ियों की बुनाई में अधिक समय लगने के कारण, मुख्यमंत्री ने कहा कि इंदिराम्मा साड़ियाँ दो चरणों में वितरित की जाएँगी। पहले चरण में, जो 9 दिसंबर तक पूरा हो जाएगा, सभी ग्रामीण महिलाओं को साड़ियाँ मिलेंगी। दूसरे चरण में, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर 1 मार्च से 8 मार्च तक शहरी क्षेत्रों की महिलाओं को साड़ियाँ वितरित की जाएँगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अकेले इस चरण में 65 लाख साड़ियाँ वितरित की जाएँगी। रेवंत रेड्डी ने अपने मंत्रिमंडल की महिला मंत्रियों और विधायकों से इंदिराम्मा साड़ी पहनने और ब्रांड एंबेसडर बनने की अपील की। मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि हर महिला विधायक को इंदिराम्मा साड़ी पहननी चाहिए और महिला समुदाय के स्वाभिमान का प्रदर्शन करना चाहिए।

इंदिरा गांधी की प्रेरणा से जनता की सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण की कई योजनाएँ शुरू करने का उल्लेख करते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि महिला समूहों को पेट्रोल पंप खोलने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, टीजीएसआरटीसी के लिए स्वयं सहायता समूहों से 1000 बसें लीज़ पर ली जा रही हैं, महिलाओं के नाम पर इंदिराम्मा आवास प्रदान किए जा रहे हैं, राजनीति में महिला सशक्तिकरण को प्राथमिकता दी जा रही है और एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने का लक्ष्य रखा गया है।

रेवंत रेड्डी ने कहा, "अब हम इंदिरा गांधी की जयंती पर साड़ियाँ वितरित करके महिलाओं का सम्मान भी कर रहे हैं।" देश के लिए इंदिरा गांधी द्वारा की गई अभूतपूर्व सेवाओं को याद करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि जब देश राजनीतिक शून्यता का सामना कर रहा था, तब महिला प्रधानमंत्री ने मोर्चा संभाला था। इंदिरा गांधी ने डॉ. भीमराव अंबेडकर की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत की और बैंकों के राष्ट्रीयकरण, कृषि भूमि सीलिंग अधिनियम लागू करने, गरीबों को भूमि वितरण और गरीबों के लिए घर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री ने अपने शासनकाल में क्रांतिकारी सुधारों को लागू करने के लिए इंदिरा गांधी की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ही थीं जिन्होंने भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान मजबूती से खड़े होकर भारत की रक्षा की। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री को देश को एक मजबूत नेतृत्व प्रदान करने का श्रेय भी दिया जाता है।

सिद्दीपेट में किसान की फसल बर्बाद, कर्ज़ के दबाव में मौत

परिवार सदमे में, ग्रामीणों ने सरकार से मदद की मांग की

सिद्दीपेट, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बेमौसम बारिश ने अक्कन्नापेट मंडल के रामावरम गाँव के एक किसान परिवार को गहरे संकट में धकेल दिया। 54 वर्षीय किसान रिक्कला श्रीनिवास रेड्डी की तीन एकड़ धान की फसल अक्टूबर के आख़िरी हफ़्ते में हुई तेज़ बारिश से पूरी तरह नष्ट हो गई। पहले से ही कर्ज़ में डूबे रेड्डी को लागत भी न निकलने की चिंता थी।

भारी नुकसान से टूटकर उन्होंने 13 नवंबर को कीटनाशक खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। परिजनों ने उन्हें तुरंत करीमनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, लेकिन हालत गंभीर होने पर उन्हें मंगलवार शाम हैदराबाद के एक कॉर्पोरेट अस्पताल ले जाने की कोशिश की। अस्पताल ने डिस्चार्ज से पहले भारी बिल की मांग की, जिससे परिवार की परेशानी और बढ़ गई। हैदराबाद ले जाते समय उनकी रास्ते में ही मौत हो गई। बाद में शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हुस्नाबाद सरकारी अस्पताल भेजा गया। रेड्डी अपने पीछे पत्नी और दो बेटों को छोड़ गए हैं। इस घटना से उनके परिवार और गाँव में गहरा शोक है। ग्रामीणों ने सरकार से पीड़ित परिवार को तत्काल सहायता देने की अपील की है।

तेलंगाना में कपास की खरीद जारी रहेगी : रामचंद्र राव

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन. रामचंद्र राव ने बुधवार को कांग्रेस सरकार पर केंद्र के कपास खरीद कार्यक्रम में प्रतिबंधों के बारे में 'गलत जानकारी' फैलाकर कपास किसानों को गुमराह करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि केंद्र अगले साल मार्च तक न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर कपास की खरीद जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि भारतीय कपास निगम (सीसीआई) 'पूरी' कपास की उपज खरीदेगा।

यहां राज्य भाजपा कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, राव ने किसानों से घबराने की ज़रूरत नहीं बताई क्योंकि केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने किसी भी परिचालन संबंधी समस्या के समाधान के लिए सीसीआई और राज्य के अधिकारियों के साथ इस मामले को उठाया है। उन्होंने कांग्रेस और बीआरएस के उन आरोपों को खारिज कर दिया कि सीसीआई ने नए प्रतिबंध लगाए हैं और इसे 'गलत सूचना अभियान' बताया। उन्होंने रायथु बंधु को रोकने और कर्जमाफी लागू करने में विफल रहने के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की, जिससे किसान संकट में हैं। उन्होंने के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पिछली बीआरएस सरकार पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि उसका इतिहास 'किसान विरोधी नीतियों' का रहा है।

भाजपा नेता ने बताया कि तेलंगाना में अब 200 से ज़्यादा कपास खरीद केंद्र हैं - मोदी सरकार से पहले इनकी संख्या लगभग 70 से 80 थी, और कहा कि अगर राज्य नई जिनिंग मिलें खोलने का प्रस्ताव रखता है तो केंद्र 100 और केंद्र स्थापित करने को तैयार है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्र ने राज्य से उसके 'असामान्य रूप से उच्च' कपास उपज अनुमान 12 क्विंटल प्रति एकड़ पर स्पष्टीकरण माँगा है, जबकि पिछले साल यह 6.32 क्विंटल था और अन्य राज्यों में बताई गई उपज से काफ़ी ज़्यादा है।

इसके अलावा, राव ने कहा कि पारदर्शिता सुनिश्चित करने और बिचौलियों की भागीदारी कम करने के लिए, केंद्र ने "कपास किसान ऐप" पेश किया है, जो किसानों को समय-सीमा निर्धारित करेगा और सीधे बैंक हस्तांतरण की सुविधा प्रदान करेगा। उन्होंने किसानों से अपनी उपज केवल सरकारी खरीद केंद्रों पर ही बेचने की अपील की। इस ब्रीफिंग में भाजपा किसान मोर्चा, अल्पसंख्यक मोर्चा और पार्टी की मीडिया शाखा के प्रतिनिधि मौजूद थे।

इंदिरा गांधी का 'गरीबी हटाओ' का नारा आज भी गरीबों के दिलों में बसा है : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 19 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर, सड़क एवं भवन निर्माण तथा छायांकन मंत्री, कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने बुधवार को हैदराबाद में पीवी मार्ग स्थित उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री ने इंदिरा गांधी की राष्ट्र के प्रति अद्वितीय सेवा, उनके साहस और दूरदर्शी नेतृत्व को याद किया। उन्होंने कहा कि उन्होंने वैश्विक मंच पर भारत का कद बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके ऐतिहासिक फैसले, जैसे बैंकों का राष्ट्रीयकरण और गरीबी उन्मूलन के लिए 20-सूत्रीय कार्यक्रम, भारत के विकास की कहानी में ऐतिहासिक सुधार बने हुए हैं। वेंकट रेड्डी ने कहा कि इंदिरा गांधी का प्रतिष्ठित नारा "गरीबी हटाओ" आज भी लोगों के दिलों में गूंजता है और कांग्रेस पार्टी उनके आदर्शों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उनकी भावना को दर्शाते हुए, तेलंगाना सरकार राज्य भर में 20 लाख इंदिराम्मा घरों का निर्माण कर रही है, प्रत्येक इकाई के लिए 5 लाख रुपये प्रदान कर रही है और यह सुनिश्चित कर रही है कि प्रत्येक घर महिला के नाम पर पंजीकृत हो, जिससे गरीब परिवारों को सम्मान और सुरक्षा मिल सके। मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय प्रगति के प्रति इंदिरा गांधी का समर्पण और वंचितों के कल्याण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता आने वाली पीढ़ियों और आज के नेतृत्व को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

दिल्ली धमाके के आरोपी उमर के वीडियो पर ओवैसी की कड़ी प्रतिक्रिया

आत्मघाती हमले को सही ठहराने वाले वीडियो को बताया आतंकवाद

नई दिल्ली, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने दिल्ली विस्फोट के आरोपी डॉ. उमर मुहम्मद उर्फ उमर उन नबी के वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि निर्दोषों की हत्या गंभीर पाप और आतंकवाद है। वीडियो में उमर आत्मघाती धमाके को शहादत अभियान बताकर सही ठहराने की कोशिश करता दिख रहा है। ओवैसी ने एक्स पर लिखा कि आत्महत्या इस्लाम में हराम है और बेगुनाहों को मारना किसी भी तरह उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने केंद्र सरकार से सवाल किया कि जब दावा किया गया था कि कोई स्थानीय कश्मीरी युवक आतंकवादी संगठनों में शामिल नहीं हुआ, तो यह समूह कैसे सक्रिय था और इसकी निगरानी में चूक के लिए कौन जिम्मेदार है। उमर के वीडियो में वह आत्मघाती बम धमाकों को गलत समझी गई अवधारणा बताकर उसे धार्मिक रंग देने की कोशिश करता है। जांच में सामने आया है कि वह बड़े पैमाने पर धमाका करने की योजना बना रहा था। 10 नवंबर को लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास हुए विस्फोट में 13 लोगों की मौत हुई थी।

आंध्र प्रदेश में खुफिया-आधारित बड़ी कार्रवाई, 50 माओवादी कार्यकर्ता गिरफ़्तार

कोत्तागुडेम, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश पुलिस ने एक सटीक, शांत और समन्वित खुफिया-आधारित बहु-एजेंसी अभियान चलाकर पाँच जिलों - कृष्णा, एलुरु, एनटीआर विजयवाड़ा, काकीनाडा और डॉ. बीआर अंबेडकर कोनासीमा - से 50 सीपीआई (माओवादी) कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने इसे हालिया समय की सबसे बड़ी कार्रवाई में से एक बताया है। एडीजी इंटेलिजेंस महेश कुमार लड्ढा ने बुधवार को विजयवाड़ा में मीडिया के सामने गिरफ्तार माओवादियों को पेश करते हुए कहा कि यह कार्रवाई माओवादियों के दक्षिण बस्तर और दंडकारण्य नेटवर्क को बड़ा झटका पहुँचा रही है। गिरफ्तार किए गए 50 लोगों में 28 बीजापुर, 21 सुकुमा और एक नारायणपुर जिले से हैं। अधिकांश लोग पीएलजीए की पहली बटालियन के कमांडर मादिवी हिडमा से जुड़े हुए थे, जो मंगलवार को मुठभेड़ में मारा गया था। हिडमा की मौत के बाद ही यह व्यापक अभियान चलाया गया।

गिरफ्तार किए गए कैडरों में कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं-दक्षिण बस्तर डीवीसी के सोदे लच्छू उर्फ गोपाल, बीएनपीसी बटालियन मुख्यालय कंपनी के पोडियाम रेंगू और मुख्य आयोजक उद्दे रघु जैसे महत्वपूर्ण सदस्य। अधिकारियों के अनुसार, आंध्र प्रदेश में इनकी मौजूदगी यह संकेत देती है कि छत्तीसगढ़ में लगातार दबाव और नेतृत्व में गिरावट के चलते माओवादी शीर्ष नेतृत्व अपनी कमान संरचना को नए सिरे से खड़ा करने की कोशिश कर रहा था। अन्य गिरफ्तार नेताओं में जगरगोंडा एरिया कमेटी के डीवीसीएम सोदी लकमा उर्फ भीमा, केरलापाल एरिया कमेटी से डीवीसीएम गंगी लक्ष्मी उर्फ माडे, पामेड़ एसी और एसबीटी डीवीसी से जुड़े सोडे मनीला, तथा जगरगोंडा एसी और एसबीटी डीवीसी की देखरेख करने वाले मदाकम मदन उर्फ मधना शामिल हैं। साथ ही संचार विंग से जुड़े डीवीसीएम मदवी हांधा को भी पकड़ा गया है।

एडीजी लड्ढा ने बताया कि यह पूरी कार्रवाई शहरी इलाकों में बेहद गोपनीय तरीके से की गई, जिसमें न किसी कैडर को भागने का मौका मिला, न कोई नागरिक या पुलिसकर्मी घायल हुआ। एक छोटी सी चूक भी पूरे नेटवर्क को सतर्क कर सकती थी। उन्होंने कहा कि गजरला रवि उर्फ उदय, काकुरी पंडन्ना उर्फ जगन, अरुणा, हिडमा और अन्य नेताओं की मौत के बाद एओबी का राजनीतिक-संगठनात्मक ढांचा और दक्षिण बस्तर परिचालन कमान लगभग ध्वस्त हो चुका है। पुलिस ने आरोपी माओवादियों के पास से 39 हथियार, 302 राउंड गोला-बारूद, 20 छर्रे, दो मैगजीन, 12.72 लाख रुपये नकद और 34 मेमोरी कार्ड बरामद किए हैं।

कर्नाटक-महाराष्ट्र की तुलना में कम दामों से परेशान संगारेड्डी के गन्ना किसान

संगारेड्डी, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के गन्ना किसान भारी संकट से जूझ रहे हैं क्योंकि उन्हें पड़ोसी राज्यों कर्नाटक और महाराष्ट्र के किसानों की तुलना में काफी कम कीमत मिल रही है। वानापर्थी जिले के कोठाकोटा स्थित एनएसएल कृष्णावेणी शुगर्स लिमिटेड भी संगारेड्डी की मिलों की तुलना में बेहतर दाम दे रही है। सरकारी और औद्योगिक समर्थन की कमी के कारण कई किसान गन्ने की खेती छोड़ने पर मजबूर हो रहे हैं। संगारेड्डी की गणपति शुगर इंडस्ट्रीज लिमिटेड और रायकोड मंडल की गोदावरी गंगो एग्रोप्रोडक्ट्स लिमिटेड गन्ने की कीमत 3,700-3,800 रुपये प्रति टन ही दे रही हैं, जबकि कर्नाटक की मिलें 4,500 रुपये प्रति टन तक भुगतान कर रही हैं। कटाई और परिवहन शुल्क घटाने के बाद भी कर्नाटक और महाराष्ट्र के किसान 3,000-3,500 रुपये प्रति टन बचत कर रहे हैं, जबकि संगारेड्डी के किसान केवल 2,600-2,800 रुपये प्रति टन ही बचा पा रहे हैं।

न्यालकल मंडल के मिर्जापुर गाँव के किसान येकेल्ली जगन्नाथ रेड्डी ने बताया कि एनएसएल कृष्णावेणी शुगर्स 4,200 रुपये प्रति टन देने के लिए तैयार है, लेकिन संगारेड्डी की शुगर मिलें इस दर से मेल नहीं खा रही हैं। उन्होंने बताया कि किसान पहले साल प्रति एकड़ लगभग 1 लाख रुपये निवेश करते हैं और रोपण के बाद तीन साल तक फसल काट सकते हैं। दूसरे और तीसरे साल भी प्रति एकड़ 40,000-50,000 रुपये खर्च करने पड़ते हैं। 30 टन प्रति एकड़ की औसत उपज के बावजूद किसानों को पहले साल लाभ नहीं मिल पाता और अगले दो वर्षों में भी केवल मामूली कमाई होती है। कीमत बढ़ाने की माँग करते हुए उन्होंने सरकार से मिलों को 4,500 रुपये प्रति टन का भुगतान अनिवार्य करने की अपील की। साथ ही मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से किसानों को 500 रुपये प्रति टन बोनस देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि धान किसानों को साल में दो बार बोनस मिलता है, जबकि गन्ना किसानों को कम से कम साल में एक बार बोनस मिलना चाहिए। जिले में 36,000 एकड़ में गन्ना खेती होती है, जिनमें अधिकांश ज़हीराबाद क्षेत्र शामिल है।

पूर्व माओवादी नेता सोनू ने साथियों से किया आत्मसमर्पण का आह्वान

बदली परिस्थितियों में हथियार उठाना बेकार, मुख्यधारा में लौटें

कोत्तागुडेम, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सीपीआई (माओवादी) पोलित ब्यूरो सदस्य मल्लोजुला वेणुगोपाल राव उर्फ सोनू उर्फ भूपति ने एक सार्वजनिक अपील जारी कर भूमिगत माओवादी कार्यकर्ताओं से हथियार छोड़कर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने की अपील की है। बुधवार को मीडिया को जारी वीडियो संदेश में उन्होंने बताया कि पीएलजीए प्रथम बटालियन कमांडर मादिवी हिडमा के साथ मुठभेड़ की घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं और हाल ही में एक मुठभेड़ में पाँच लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि ऐसे कई लोग पहले भी मारे जा चुके हैं।

सोनू ने कहा कि उन्होंने और उनके साथियों ने डेढ़ महीने पहले हथियार छोड़कर मुख्यधारा में आने का फैसला किया, क्योंकि वर्तमान परिस्थितियों में हथियारों के सहारे संघर्ष जारी रखना संभव नहीं है।

उनके अनुसार, माओवादी जनता के मुद्दों को संवैधानिक रास्ते से भी हल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सशस्त्र संघर्ष से माओवादियों ने बहुत कुछ खोया है और काफी कष्ट झेले हैं। दुनिया और देश बदल चुके हैं, इसलिए अब समाज की मुख्यधारा में लौटकर काम करना ही सही रास्ता है।

सोनू ने माओवादी कैडर से अनुरोध किया कि वे भी हथियार छोड़ने पर गंभीरता से विचार करें। उन्होंने बताया कि पहले भी वह अपने साथियों को ऐसा संदेश दे चुके हैं और अब फिर से वही अपील कर रहे हैं।

'आईबोम्मा' केस पर सीवी आनंद की चेतावनी

एक गिरफ्तारी से साइबर अपराध नहीं रुकेंगे

हैदराबाद, 19 नवम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। "आईबोम्मा' के संस्थापक रवि की गिरफ्तारी के बीच, वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और तेलंगाना गृह विभाग के विशेष मुख्य सचिव सीवी आनंद ने कहा है कि बड़ी कार्रवाई के बावजूद साइबर अपराध और ऑनलाइन चोरी पूरी तरह बंद नहीं होंगे। बुधवार को "एक्स' पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा कि यह सोचना काल्पनिक है कि किसी एक व्यक्ति की गिरफ्तारी से हैकिंग या पायरेसी खत्म हो जाएगी।

उन्होंने साइबर अपराधों की तुलना चोरी और सेंधमारी जैसे पुराने अपराधों से करते हुए बताया कि बड़े गिरोहों के पकड़े जाने के बाद भी ये अपराध पूरी तरह नहीं रुके। आनंद ने कहा कि वास्तविक सुरक्षा रोकथाम और जागरूकता में ही है। सीवी आनंद ने लोगों से अपील की कि वे अपने डिजिटल स्पेस को सुरक्षित रखें, ऑनलाइन खतरों को पहचानें और जल्दी पैसा कमाने के लालच से दूर रहें, क्योंकि यही साइबर अपराध बढ़ने का मुख्य कारण है।

'आईबोम्मा' इम्माधि रवि केस में ईडी की एंट्री की तैयारी

विदेशी खातों और क्रिप्टो लेन-देन पर खड़े हुए संदेह

हैदराबाद पुलिस द्वारा सामने लाई गई चौंकाने वाली वित्तीय जानकारियों के बाद अब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) "आईबोम्मा' इम्माधि रवि मामले में संभावित मनी-लॉन्ड्रिंग की जांच शुरू कर सकता है। सूत्रों के मुताबिक, ईडी जल्द ही हैदराबाद पुलिस को पत्र लिखकर अब तक की पूरी जांच रिपोर्ट मांगने वाली है। शहर की साइबर क्राइम पुलिस ने सरगना रवि के बैंक खातों में अब तक 3.5 करोड़ रुपये जमा होने का पता लगाया है। जांच में सामने आया है कि उसे कई सट्टेबाजी ऐप्स से बड़ी रकम मिल रही थी और इन्हें विज्ञापन भुगतान दिखाकर ट्रांसफर किया जाता था।

अधिकारियों ने यह भी पाया है कि क्रिप्टो वॉलेट से रवि के एनआरआई अकाउंट में हर महीने लगभग 15 लाख रुपये भेजे जाते थे। विदेशी बैंक खातों से आए कई भारी-भरकम लेन-देन ने मनी-लॉन्ड्रिंग की आशंका को और मजबूत कर दिया है। इन सभी संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों को देखते हुए उम्मीद है कि ईडी अंतरराष्ट्रीय और क्रिप्टो से जुड़े ट्रांज़ैक्शन्स की गहराई से जांच शुरू करेगी। अधिकारियों का कहना है कि ईडी की जांच से मामले में तेजी आने की संभावना है, खासकर विदेश से आने वाले पैसों और क्रिप्टो ट्रांसफरों की दिशा में।

'आईबोम्मा' संस्थापक की गिरफ्तारी पर सोशल मीडिया में सपोर्ट वेव

फिल्म टिकटों की कीमत और ओटीटी सब्सक्रिप्शन पर फिर छिड़ी बहस

हाई-प्रोफाइल डिजिटल पायरेसी मामले में "आईबोम्मा' के संस्थापक रवि की हालिया गिरफ्तारी ने सोशल मीडिया पर अप्रत्याशित रूप से समर्थन की लहर पैदा कर दी है। कई नेटिज़न्स फिल्म इंडस्ट्री की कीमतों और सिस्टम पर सवाल उठाते हुए रवि के पक्ष में खुलकर लिख रहे हैं। एक्स और इंस्टाग्राम पर कुछ उपयोगकर्ताओं ने रवि को "हीरो' बताते हुए कहा कि उन्होंने फिल्मों को आम लोगों के लिए सुलभ बनाया। एक यूज़र ने लिखा, वह अपराधी नहीं, मध्यम वर्ग के लिए उम्मीद हैं। हमारे लिए किसी रक्षक से कम नहीं। वहीं एक वायरल पोस्ट में उनकी तुलना सुपरस्टार रजनीकांत से की गई-जब लोग 50 करोड़ फीस लेने वाले सितारों की पूजा कर सकते हैं, तो उस व्यक्ति का सम्मान क्यों नहीं जो फ़िल्में हम तक पहुँचाता था?

कुछ यूज़र्स ने तो रवि की रिहाई के लिए पैसे इकट्ठा करने की बात भी कही। एक इंस्टाग्राम स्टोरी में लिखा था, ज़रूरत पड़े तो हम योगदान देने को तैयार हैं। रवि ने लाखों की मदद की है। इस बहस के बीच कई लोगों ने इंडस्ट्री के संरचनात्मक मुद्दे भी उठाए। उनका कहना है कि महंगे टिकट और भारी ओटीटी सब्सक्रिप्शन लोगों को पायरेसी की ओर धकेल रहे हैं। एक यूज़र ने लिखा, परिवार के साथ एक मूवी ट्रिप में 2,000 रुपये लग जाते हैं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.